THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 14 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.13 2083 बुधवार, 15 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पाक के आतंक को उजागर करेगा भारत

पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर वाशिंगटन में लगेगी प्रदर्शनी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने पहलगाम में आतंकी हमले को अंजाम दिया था। इसमें 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हुई थी। ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर की कोशिश कर पाकिस्तान भले ही दुनिया को मध्यस्थ देश के तौर पर खुद को दिखाने की कोशिश कर रहा है लेकिन भारत उसकी सच्चाई उजागर कर रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर वाशिंगटन में भारतीय दूतावास 'आतंकवाद की इंसानी कीमत' थीम पर एक प्रदर्शनी लगाएगा। सूत्रों के मुताबिक यह प्रदर्शनी अगले हफ्ते शुरू होगी।

सम्राट चौधरी बिहार के सीएम

> राजभवन पहुंचे > सरकार बनाने का दावा पेश किया > आज सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण

पटना, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सम्राट चौधरी बिहार के नए सीएम होंगे। उन्हें पहले बीजेपी फिर एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। सम्राट राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मिलकर उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश किया। 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा। इसके साथ ही बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री होगा।

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में एनडीए की बैठक में नीतीश कुमार ही सम्राट के प्रस्तावक बने। नीतीश ने उन्हें माला पहनाई। विधायकों से ताली बजवाई। सम्राट ने भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने कहा, 'मैंने नीतीश जी से राजनीति सीखी है। उनके साथ मैंने काम किया है। उनके समृद्ध बिहार को और आगे ले जाना है। आज नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी से राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद उन्होंने X पर लिखा- 'अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।'

जहां तक हो सका बिहार के लिए काम किया

नीतीश के इस्तीफे से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। उनके साथ सम्राट चौधरी और बीजेपी के कई सीनियर लीडर्स भी थे। आज नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक हुई। जहां नीतीश ने कहा - '2005 में मैं सरकार में आया, जहां तक मुझसे हो सका मैंने किया, नई सरकार को मेरा मार्गदर्शन मिलता रहेगा।' बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सम्राट चौधरी को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा, 'आज का दिन विशेष है और बिहार में जिस प्रकार से नीतीश कुमार ने बिहार के विकास में कई आयाम जोड़े पिछले 20 सालों में अब उस आयाम को नए मुकाम तक पहुंचाने का काम सम्राट चौधारी को मिला है।'

टाइम लाइन

सुबह 9 बजे: नीतीश कुमार से मिलने जदयू के टॉप लीडर्स संजय झा, ललन सिंह, विजय चौधरी सीएम आवास पहुंचे।

सुबह 11 बजे: नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक हुई। कैबिनेट में सीएम के धन्यवाद प्रस्ताव पर मुहर लगी।

दोपहर करीब 2.30 बजे: नीतीश कुमार के इस्तीफे से पहले नितिन नवीन समेत बीजेपी के तमाम बड़े नेता सीएम हाउस पहुंचे।

दोपहर 3.15 बजे: सीएम नीतीश राजभवन पहुंचे और राज्यपाल सैयद अता हसनैन को अपना इस्तीफा सौंपा।

3.24 बजे: नीतीश ने पोस्ट किया- मैंने इस्तीफा दे दिया है। अब नई सरकार बिहार का काम देखेगी। मेरा मार्गदर्शन रहेगा।

3.30 बजे: नीतीश के इस्तीफे के बाद सम्राट चौधरी, शिवराज सिंह दफ्तर पहुंचे और बीजेपी विधायक दल की बैठक में शामिल हुए। शाम 4 बजे: बैठक में सम्राट को बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया।

'ये तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है'

ईरान ने भारत से शाहरुख खान का डायलॉग ट्रंप के मुंह पर दे मारा

नई दिल्ली/मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के महावाणिज्य दूतावास ने मुंबई में मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों पर जवाब देते वक्त एक्टर शाहरुख खान के फेमस डॉयलाग को दे मारा। ईरान ने बार-बार ट्रंप की धमकियों का करारा जवाब दिया है। इससे पहले भारत में ईरान के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा- अमेरिका की बातचीत के इरादे पर संदेह है। ट्रंप पता नहीं क्या करना चाहते हैं?

सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए मुंबई में काउंसेलेट जनरल ऑफ ईरान ने कहा- फारस की खाड़ी में लाल मधुमक्खियां यानी फास्ट मिसाइल बोट्स तैयार हैं। ट्रंप का यह दावा बेहद हास्यास्पद है कि ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है... अब उन्हें पता चलने वाला है कि कैसे एक झुंड आपको बहुत जल्दी काबू में कर सकता है। अभी तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है। वहीं, भारत में ईरान के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि ईरान हमेशा से ही अमेरिका के बातचीत के इरादे को लेकर संशय में रहा है। इलाही ने अयोध्या में इमामबाड़ा जवाहर अली खान में शिया समुदाय की भागीदारी के साथ आयोजित याद-ए-शोहदा कार्यक्रम के दौरान बातचीत में कहा- मुझे नहीं पता कि वे क्या करना चाहते हैं, क्योंकि वे कहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट खुला होना चाहिए। मगर, साथ ही वे होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास नाकाबंदी करने जा रहे हैं। यह विरोधाभासी बात है। इलाही ने कहा कि अमेरिका ईरान पर दबाव डालकर अपनी मांगें मनवाना चाहता है।

लोकसभा में 543 की जगह होंगे 850 सांसद

राज्यों को 815 और यूटीएस को मिलेंगी 35 सीटें, केंद्र ने तैयार किया मसौदा

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की संसद से जुड़ा एक बड़ा प्रस्ताव सामने आया है, जिसके तहत लोकसभा की सीटों की संख्या में ऐतिहासिक बढ़ोत्तरी की तैयारी की जा रही है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रस्ताव में लोकसभा की कुल सीटों को बढ़ाकर 850 करने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव के अनुसार, नए ढांचे में राज्यों को 815 सीटें आवंटित की जाएंगी, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें आरक्षित की जाएंगी। सूत्रों का कहना है कि यह बदलाव देश की बढ़ती जनसंख्या और प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। माना जा रहा है कि इससे संसद में अधिक संतुलित और व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा।

विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, एक परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा, जो संसद और विधानसभाओं की सीटों के पुनर्निर्धारण का कार्य करेगा। यह आयोग समय-समय पर परिसीमन की प्रक्रिया को लागू करने के लिए अधिकृत होगा। विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 239एए, 330ए, 332ए और 334ए के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई (1/3) सीटों का आरक्षण देने का भी प्रावधान किया गया है। इसमें अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग की महिलाओं को भी शामिल किया गया है। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना और नीति निर्माण में उनकी भूमिका को और मजबूत करना है। प्रस्ताव के मुताबिक, परिसीमन आयोग की अंतिम अधिसूचना जारी होने के बाद होने वाले आम चुनाव और उपचुनावों में यह नई व्यवस्था लागू होगी।

2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे : पीएम मोदी

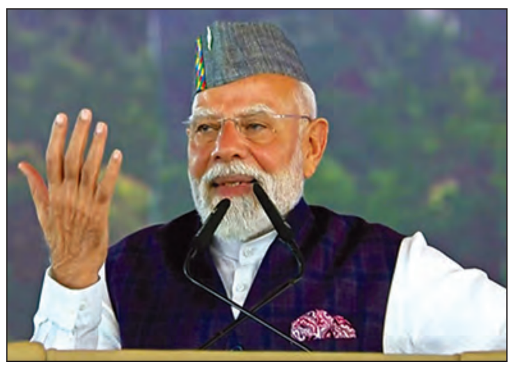

देहरादून, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने मंगलवार को देहरादून में कहा, 4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है। अब वह समय आ गया है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं। पीएम ने कहा, कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है।

जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं। इससे पहले उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। वे एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण करने सराहनपुर पहुंचे। यहां रोड शो भी किया। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपये की लागत से बना है। यह दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ता है और इसके शुरू होने से दिल्ली-देहरादून के बीच की दूरी 6 घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे रह जाएगी। महिला आरक्षण पर : 4 दशक बाद संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने वाले इस कानून को बनाने के लिए सभी दलों ने समर्थन दिया। अब इसे लागू करने में देर नहीं होनी चाहिए। 2029 से ही यह लागू हो जाना चाहिए। यह देश की भावना है हर बहन बेटी की इच्छा है। मातृशक्ति की इसी इच्छा को नमन करते हुए 16 अप्रैल से संसद में चर्चा होनी है। इसे सभी दल सर्व सम्मति से आगे बढ़ाएं। इसलिए मैंने आज देश की नारी शक्ति के नाम आज सभी बहनों के लिए एक पत्र लिखा है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। पीएम ने कहा कि देश की बेटियां भारत निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं।

सरकार उनकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर मुश्किल समय में महिलाओं को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए प्रयास जारी हैं। पीएम ने कहा कि टूरिज्म बढ़ने से हर वर्ग को कमाई का मौका मिलता है। होटल, टैक्सी, दुकानदार सभी को लाभ होता है। उत्तराखंड अब विंटर टूरिज्म और स्पोर्ट्स का बड़ा केंद्र बन रहा है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

यूएस-ईरान युद्ध : सिद्धांत तो वही हैं भले ही बात ना बनी हो : थरूर

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका के बीच होने वाली बातचीत पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी थी। अगर दोनों पक्ष इस बातचीत पर सहमत हो जाते तो एक बड़े युद्ध को टाला जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और बातचीत बेनतीजा निकली। उधर ईरान-अमेरिका के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बड़ा बयान दिया था। अब अपने बयान पर ही उनकी ताजा प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने एक्स पर अपना 3 दिन पुराना पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, पाकिस्तान में ईरान और यूएस की बातचीत विफल रही, लेकिन इसके पीछे सिद्धांत वही बने हुए हैं, जिसकी चर्चा उन्होंने की थी। दरअसल ईरान-अमेरिका के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता से भारत सरकार पर उठते सवालों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा था कि किसी तरह की कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हैं, क्योंकि ईरान-यूएस मध्यस्थता में भारत और पाकिस्तान के लिए परिस्थितियां अलग-अलग हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा था, पाकिस्तान ईरान का पड़ोसी देश है। उसकी सीमा 900 किलोमीटर लंबी है और लगभग 4 करोड़ शिया पाकिस्तानी हैं। इसलिए उसका इस मध्यस्थता में शामिल होना, एक अलग विषय है। अगर फिर से ईरान में हमले हुए तो शरणार्थी भी पाकिस्तान ही जाएंगे। पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान बातचीत पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह पाकिस्तान ही कर सकता है।

ईरान ने होर्मुज में मिसाइल दागते हुए वीडियो शेयर किया

ईरान ने मिसाइल बोट्स की ताकत दिखाई, चीन बोला-दुनिया जंगल के कानून से नहीं चलती चाहिए

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी को लेकर तनाव बढ़ गया है। मुंबई स्थित ईरानी कॉन्सुलेट ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में ईरान होर्मुज में मौजूद जहाजों पर मिसाइल दाग रहा है और कैप्शन में लिखा है कि 'अभी तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।' इसके साथ ईरान ने अपनी मिसाइल बोट्स की ताकत भी दिखाई।

दरअसल अमेरिका ने कल होर्मुज स्ट्रेट में उन जहाजों की नाकाबंदी शुरू कर दी है जो ईरान को टोल दे रहे हैं। वहीं, ईरान का कहना है कि वो बिना टोल लिए जहाजों को यहां से गुजरने नहीं देगा। वहीं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को लेकर कहा कि दुनिया को 'जंगल के कानून' (ताकतवर जो चाहे वो करे) वाले हालत में नहीं जाने देना चाहिए। नियम सब पर बराबर लागू होने चाहिए, न कि अपनी सुविधा के हिसाब से। 15 वॉरशिप तैनात- अमेरिका ने नाकाबंदी लागू करने के लिए 15 से ज्यादा युद्धपोत तैनात किए, जिनमें यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई डिस्ट्रॉयर शामिल बताए गए हैं। चीन का 4 सूत्री प्रस्ताव- चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में शांति के लिए चार सूत्रीय प्रस्ताव देते हुए सभी देशों की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान जरूरी बताया।

ईरान को अरबों का नुकसान- ईरान का दावा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों से उसे करीब 270 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। फिर सीजफायर वार्ता संभव- अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर इस हफ्ते फिर बैठक हो सकती है, इस्लामाबाद और जेनेवा संभावित जगह मानी जा रही हैं। ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं- ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह बातचीत के बजाय अपनी शर्तें थोपना चाहता है और शुरुआत से ही भरोसे के लायक नहीं रहा है।

अमेरिका सेना के जंगी जहाज और फाइटर जेट देखते रह गए और चीन अपना जहाज होर्मुज से निकाल ले गया

तेहरान, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो चक्रव्यूह रचा था वो कायदे से 24 घंटे भी नहीं टिक पाया. होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का ऐलान जब अमेरिका ने किया था तभी चीन ने साफ कर दिया था कि ईरान के साथ उनके व्यापारिक संबंध हैं और वो इसमें किसी भी देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा. ट्रंप ने सोचा कुछ और था हो कुछ और गया. कैपलर, एलएसईजी और लंदन स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप के शिपिंग डेटा के अनुसार, ब्लैकलिस्टेड चीनी टैंकर ने अमेरिकी नाकेबंदी को धता बताते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया है। आरटी हिंदी ने ट्वीट कर इसकी एक तस्वीर भी जारी की है.

चीन का रिच स्टैरी अमेरिकी नाकेबंदी के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरकर खाड़ी से बाहर निकलने वाला पहला ऑइल टैंकर है। डाटा से पता चलता है कि इस टैंकर पर चीनी क्रू मौजूद है। रिच स्टैरी ऑइल टैंकर और इसका मालिकाना हक रखने वाली कंपनी शंघाई शुआन शिपिंग लिमिटेड पर ईरान के साथ व्यापार करने के लिए अमेरिका ने बैन लगा रखा है। रिच स्टैरी एक मीडियम-रेंज का टैंकर है, जिसमें करीब 250,000 बैरल मेथनॉल लदा हुआ है। इसने अपना कार्गो संयुक्त अरब अमीरात के हमरियाह बंदरगाह से लोड किया है।

पिंगला में भाजपा पर बड़ा वार

लोकतांत्रिक जवाब देंगे : ममता

पिंगला (पश्चिम बंगाल), 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भवानीपुर सीट से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने पिंगला में आयोजित एक जनसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने उत्तर प्रदेश की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि आजकल उत्तर प्रदेश जल रहा है और आरोप लगाया कि भाजपा बंगाल में भी उसी तरह की राजनीति लाना चाहती है। ममता बनर्जी ने कहा कि योगी बाबू यहां आकर भाषण देते हैं और कहते हैं कि बंगाल में बुलडोजर चलेगा, लेकिन बंगाल में बुलडोजर नहीं चलता।

यहां लोग 'प्रणाम', 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' कहते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के लोगों के साथ दुर्व्यवहार होता है। उनके मुताबिक जब बंगाल के लड़के-लड़कियां भाजपा शासित राज्यों में जाते हैं, तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता है और बंगाली बोलने पर उन्हें घुसपैठिया कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता इसका जवाब लोकतंत्र के माध्यम से देगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इसी महीने डिलिमिटेशन बिल लाया जा सकता है, जो बंगाल को विभाजित कर सकता है। साथ ही उन्होंने एनआरसी लागू करने की आशंका भी जताई। ममता बनर्जी ने अपने भाषण में चुनावी प्रक्रिया को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस बार की लड़ाई अलग है और भाजपा किसी भी तरह से बंगाल पर कब्जा करना चाहती है। उनका आरोप है कि लाखों लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और बंगाल के फंड को रोक दिया गया है।

दोस्त अफगानिस्तान के लिए भारत का तोहफा

टीबी के लिए 13 टन वैक्सीन भेजी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने अपने दोस्त देश अफगानिस्तान के लिए फिर तोहफा भेजा है। भारत ने तपेदिक (टीबी) के खिलाफ अफगानिस्तान के बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए 13 टन बीसीजी टीके और संबंधित सामग्री भेजी है। भारत अक्सर अफगानिस्तान को मदद मुहैया कराता रहा है। भारत ने जनवरी में काबुल में 7.5 टन जीवन रक्षक कैंसर दवाएं भेजी थीं। भारत एक अच्छा पड़ोसी होने के नाते हमेशा से ही मुसीबत के समय में मदद के लिए खड़ा रहता है। दोनों देशों के बीच गहरा संबंध है। पिछली मुलाकात में भारत के स्वास्थ्य मंत्री ने पुष्टि की थी कि दवाओं और वैक्सीन के साथ एक सीटी स्कैन मशीन जल्द ही काबुल के बच्चों के हॉस्पिटल में भेजी जाएगी। अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मावलवी नूर जलाल जलाली ने दिसंबर में नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की थी।

जाति से ऊपर उठें, अमीर-गरीब की खाई मिटे तभी बनेगा समरस भारत : राष्ट्रपति मुर्मू

अहमदाबाद, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को लोगों से जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को अब 'अमीर और गरीब' के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

डॉ.बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर गुजरात के गांधीनगर में 'सामाजिक समरसता महोत्सव' को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जाति व्यवस्था अतीत की बात है और लोगों को अब एक समाज के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा जिन्होंने जाति व्यवस्था बनाई, वे अब नहीं रहे। हमें मिलकर आगे बढ़ना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना चाहिए। एक तरह से, अब केवल दो ही जातियां हैं- 'हैव्स' (अमीर) और 'हैव-नॉट्स' (गरीब)। उन्होंने पिछड़ों के उत्थान की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे।

एकजुट खड़े रहना सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति :

राष्ट्रपति ने एकता का आह्वान करते हुए कहा किसी को भी केवल अपने हित के बारे में नहीं सोचना चाहिए। हम सब एक हैं। हम भाई-बहन हैं। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि देश की परंपराएं करुणा, समानता, आपसी कल्याण और सद्भाव में निहित हैं। उन्होंने कहा, सभी विभाजनों से ऊपर उठकर और बिना किसी भेदभाव के एकजुट खड़े रहना सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति है।

पवन खेड़ा केस : असम सरकार की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर टिप्पणी करने के मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट से मिली राहत को अब असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। देश की सबसे बड़ी अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट कल, 15 अप्रैल को इस मामले पर सुनवाई करने के लिए तैयार है।

विवाद की शुरूआत पांच अप्रैल को हुई थी। पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे। खेड़ा ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई देशों के पासपोर्ट हैं और विदेशों में ऐसी संपत्तियां हैं, जिनका जिक्र मुख्यमंत्री ने अपने चुनावी हलफनामे में नहीं किया है। असम के मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने इन आरोपों को पूरी तरह से गलत और मनगढ़ंत बताया है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को घेरा

> लगाए कई गंभीर आरोप

कोलकाता, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए रायगंज और मालदा पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा, आरएसएस और सत्तारूढ़ टीएमसी पर जमकर निशाना साधा। रायगंज में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की नफरत भरी विचारधारा देश के संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी ने कहा कि अंबेडकर, गांधी और नेहरू ने देश को जो संविधान दिया था, उसे भाजपा सीधे तौर पर नहीं बल्कि संवैधानिक संस्थाओं में अपने लोगों को बिठाकर और वोट चोरी करके नष्ट कर रही है। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुकाबला नफरत की राजनीति से है और वे नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा हमला करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पीएम उनसे आंखें नहीं मिला सकते। उन्होंने आरोप लगाते हुए पीएम मोदी का कंट्रोल डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में है। इसके साथ ही, उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इस डील से भारत के लघु और मध्यम उद्योग बंद हो जाएंगे, किसानों को भी भारी नुकसान होगा और देश में बड़े स्तर पर बेरोजगारी बढ़ेगी। इसी दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें देशभक्त के बजाय देशद्रोही करार दिया। राहुल गांधी ने अदाणी और पीएम मोदी के संबंधों पर तंज कसते हुए कहा, भाजपा ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है जहां पार्टी का पूरा पैसा अदाणी के पास है। उन्होंने इसे 'मोदानी' कंपनी करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अदाणी पर अमेरिका में केस चल रहा है और वे देश से बाहर नहीं जा सकते।

मालदा की रैली में राहुल गांधी ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की प्रक्रिया (एसआईआर अभ्यास) को असंवैधानिक बताया। उन्होंने वादा किया कि बंगाल में कांग्रेस की सरकार आने पर उन सभी लोगों के नाम सूची में वापस जोड़े जाएंगे जिनके नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं। उन्होंने टीएमसी और वामपंथियों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन्होंने बंगाल के औद्योगिक क्षेत्र को खत्म कर दिया है। राहुल ने शारदा (1,900 करोड़) और रोज वैली (6,600 करोड़) चिटफंड घोटालों का जिक्र करते हुए टीएमसी को भ्रष्टाचार में भाजपा के बराबर बताया।

पाकिस्तान सीमा तक मजबूत होगी रेल कनेक्टिविटी

इन परियोजनाओं को मंजूरी यहां बिछेगी नई रेल लाइनें

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए तीन अहम रेल परियोजनाओं पर तेज गति से काम जारी है। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 827 किलोमीटर है। इन योजनाओं का उद्देश्य बॉर्डर क्षेत्रों को देश के मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ना और वहां रहने वाले लोगों के लिए सफर को ज्यादा सुविधाजनक बनाना है। परियोजनाएं पूरी होने के बाद न केवल स्थानीय लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, बल्कि इलाके में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी। रेलवे ने 187 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का प्रस्ताव तैयार किया है, जो अनूपगढ़ को बीकानेर से जोड़ेगी। इस परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) बनकर तैयार हो चुकी है और अब इसकी मंजूरी अंतिम चरण में है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा और उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में भूकंप के झटके

श्रीनगर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले और उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। हालांकि दोनों जगहों पर कोई नुकसान की खबर अभी तक सामने नहीं आई है। जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, मंगलवार की सुबह 4.55 बजे डोडा जिले की भदेरवाह घाटी और उसके आसपास के इलाकों में रिक्टर स्केल पर 2.9 तीव्रता का भूकंप महसूस किए गए है।

हालांकि, अभी तक किसी के जानमाल के नुकसान की कोई तत्काल सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में मंगलवार की सुबह 7 बजकर 7 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर 3.4 की तीव्रता दर्ज की गई है।

सूचना पर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है और भूकंप केंद्र पर पहुंचकर निरीक्षण किया। हालांकि, यहां भी कुछ नुकसान की खबर अभी तक नहीं आई है।

एससीः क्या दिव्यांगों का ध्यान रखकर भी बने अलग बीमा पॉलिसी?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एलआईसी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने कल्याणकारी बीमा योजनाओं के लिए विकलांगता-संवेदनशील दिशानिर्देश तैयार करने और लागू करने के लिए एलआईसी को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर केंद्र और भारतीय जीवन बीमा निगम से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई जिसमें केंद्र को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह नीतिगत निगरानी रखे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विकलांग व्यक्तियों के लिए कल्याणकारी बीमा योजनाएं संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत दी गई गारंटी के अनुरूप लागू की जाएं। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता से संबंधित है।

वहीं, अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा से संबंधित है। पीठ ने अपने 13 अप्रैल के आदेश में कहा नोटिस

जारी करें, जिसका जवाब चार सप्ताह के भीतर दिया जाना चाहिए। याचिका में एलआईसी को 'जीवन आधार' नीति सहित कल्याणकारी बीमा योजनाओं के लिए विकलांगता-संवेदनशील दिशानिर्देश तैयार करने और लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

एलआईसी की 'जीवन आधार' पॉलिसी ऐसे व्यक्ति को दी जा सकती है जिसका कोई विकलांग आश्रित हो और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80डीडीए में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करता हो। यह पॉलिसी खरीदार के पूरे जीवनकाल के लिए जीवन बीमा कवर प्रदान करती है। आयकर अधिनियम की धारा 80डीडीए, विकलांग आश्रित के भरण-पोषण के लिए जमा की गई राशि के संबंध में कटौती से संबंधित है।

याचिका में यह निर्देश देने की मांग की गई है कि बौद्धिक, मानसिक और जन्मजात अक्षमताओं से ग्रस्त लाभार्थियों से संबंधित ऐसी कल्याणकारी बीमा योजनाओं के तहत दावों का निपटारा तर्कसंगत, मानवीय और गैर-यांत्रिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जाए, जो स्वतंत्र रूप से समझने, संवाद करने या संविदात्मक और कानूनी अधिकारों का दावा करने में असमर्थ हैं। इसमें कहा गया है कि एलआईसी को एक ऐसी नीति बनाने का निर्देश दिया जाए जिसके तहत 'जीवन आधार' के अंतर्गत विकलांग व्यक्तियों के लिए वार्षिकी पॉलिसीधारक के 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर या ऐसी आयु प्राप्त करने पर, जो निर्दिष्ट की जा सकती है।

गैस रिफिलिंग के दौरान ब्लास्ट हुआ सिलिंडर, उखड़ा गेट; युवक बुरी तरह झुलसा

जालंधर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। जालंधर के श्याम नगर इलाके में अवैध गैस रिफिलिंग के दौरान हुए जोरदार ब्लास्ट ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि मकान का लोहे का गेट उखड़कर बाहर जा गिरा और कमरे के अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, किराए के कमरे में रहने वाले कुछ युवक बड़े गैस सिलिंडरों से छोटे सिलिंडरों में अवैध रूप से गैस भरने और चोरी करने का काम कर रहे थे। इसी दौरान गैस लीक होने से भीषण विस्फोट हो गया। घटना के समय एक युवक खाना बनाने की कोशिश कर रहा था और आग की चपेट में आ गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

चाकू से गोदकर किशोर को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सुल्तानपुरी इलाके में 15 साल के किशोर की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त रेहान के रूप में हुई है। वह घटना के समय टहलने के लिए जा रहा था। परिजनों के मुताबिक, रेहान पर पहले भी हमला हो चुका था और उसे चाकू मारा गया था। आरोप है कि उस समय पुलिस को शिकायत देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। परिवार का कहना है कि अगर समय रहते पुलिस ने सख्त कदम उठाए होते तो आज यह घटना टाली जा सकती थी।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वारदात के पीछे कौन लोग शामिल थे और हत्या की वजह क्या थी।

जय श्रीराम बोलने पर इलाज में डिस्काउंट

कोलकाता के कार्डियॉलजिस्ट डॉ हाजरा के ऑफर से बंगाल में सियासत

कोलकाता, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। 'जय श्री राम' बोलिए, डिस्काउंट पाइए: एक सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट ने अपने मरीजों के लिए यह ऑफर निकाला है। हालांकि डॉक्टर के इस ऑफर ने बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले नया विवाद खड़ा कर दिया है। जहां एक तरफ इतने सीनियर डॉक्टर के इस अनोखे कदम की बड़े मेडिकल समुदाय ने निंदा की है, वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) बंगाल ने डॉक्टर को नोटिस जारी करके स्पष्टीकरण मांगा है। आईएमए ने इस ऑफर को मेडिकल नैतिकता और पेशेवर आचरण के खिलाफ बताया है। बंगालके यह डॉक्टर हैं कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. पीके हाजरा।

अपने ऑफर के बारे में बताते हुए डॉ. हाजरा ने बताया कि यह पहल उनका अपना निजी विचार था और इसका मकसद राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बदलाव को बढ़ावा देना था। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि पश्चिम बंगाल के कई मरीज इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं, और कहा कि वह स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवा मानकों को बढ़ावा देना चाहते हैं। डॉ. पीके हाजरा से इस पोस्ट और उसके पीछे की वजह के बारे में बताने को कहते हुए, आईएमए बंगाल ने लिखा है कि एक लोकतांत्रिक देश में, हर किसी को अपनी पसंद की किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ने या उसका समर्थन करने का अधिकार है।

हालांकि किसी मरीज की कंसल्टेशन फ़ीस में उसके धर्म या राजनीतिक जुड़ाव के आधार पर भेदभाव करना, मेडिकल नैतिकता और पेशेवर आचरण के बिल्कुल खिलाफ है। राज्य आईएमए ने हाजरा को चेतावनी दी है कि अगर उन्हें पत्र मिलने के तीन दिनों के अंदर उनका जवाब नहीं आता है, तो उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी।

महिला सिपाही के सामने बेटी का पिता-भाई ने किया कत्ल, 3 अरेस्ट

सोनीपत, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत जिले में नर्सिंग की छात्रा की ऑनर किलिंग का मामला बेहद दिल दहला देने वाला है। इस मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पिता और भाई ने मिलकर लड़की की बेरहमी से हत्या की थी। उसकी मां भी वारदात के समय मौजूद थी। वह पिता और भाई को मर्डर के लिए उकसा रही थी। पुलिस के अनुसार, पिता अनिल ने रसोई से चाकू उठाकर चीनू पर ताबड़तोड़ वार किए। किसी तरह जान बचाकर भागने की कोशिश कर रही चीनू को उसके भाई राहुल ने पकड़ लिया और उसका गला काट दिया।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरी वारदात एक महिला पुलिसकर्मी के सामने हुई। पुलिसकर्मी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उसे धक्का देकर घायल कर दिया। इस घटना ने हिला कर रख दिया है। चीनू का अंतिम संस्कार सोमवार को किया गया, जिसमें उसके माता-पिता शामिल नहीं हुए। मामले में पुलिस ने चीनू के माता-पिता और भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

'पति छात्र हो या बेरोजगार, पत्नी का गुजारा भत्ता अनिवार्य; हाईकोर्ट का आदेश, कहा-आय न होने का तर्क एक बहाना

चंडीगढ़, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि पति अपनी पत्नी के गुजारा भत्ता की कानूनी जिम्मेदारी से केवल इस आधार पर मुक्त नहीं हो सकता कि वह छात्र है या आर्थिक रूप से कमजोर है। एक स्वस्थ और सक्षम व्यक्ति के लिए कमाई करना संभव है और पत्नी का भरण-पोषण करना उसका कानूनी दायित्व है। यह टिप्पणी जस्टिस शालिनी सिंह नागपाल की एकल पीठ ने एक 22 वर्षीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र की याचिका खारिज करते हुए की।

अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि पति का आय नहीं होने का तर्क केवल एक बहाना है, जिसे कानून में स्वीकार नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता ने फरीदाबाद की फैमिली कोर्ट के अगस्त 2025 में पारित आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे अपनी अलग रह रही पत्नी को 2500 प्रति माह अंतरिम गुजारा भत्ता देने के निर्देश दिए गए थे। मामले के अनुसार, दोनों की शादी जून 2020 में हुई थी, जब पति नाबालिग था और पत्नी 25 वर्ष की थी। बाद में पति ने वर्ष 2023 में विवाह निरस्तीकरण के लिए याचिका दायर की, जिसके बाद पत्नी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की मांग की।

याचिकाकर्ता ने अदालत में दलील दी कि वह एक छात्र है और उसकी मां की 3000 की विधवा पेंशन पर ही पूरा परिवार निर्भर है। उसने यह भी कहा कि पत्नी अपने मायके में रह रही है और उसके भाई कमाने वाले हैं, इसलिए उसे भरण-पोषण की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, अदालत ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि गुजारा भत्ता का प्रावधान पति को दंडित करने के लिए नहीं, बल्कि पत्नी को दर-दर की ठोकरें और आर्थिक तंगी से बचाने के लिए बनाया गया है।

87 लाख के चेक बाउंस केस में फटकारः जबलपुर हाईकोर्ट ने कहा- ऑनलाइन दिख रहा आरोपी, फिर क्यों नहीं पकड़ पा रही पुलिस?

जबलपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 87 लाख रुपए के चेक बाउंस मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी सोशल मीडिया पर एक्टिव है, इसके बावजूद पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही है। कोर्ट ने भोपाल पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए हैं कि आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि आरोपी के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी है, इसके बावजूद गिरफ्तारी नहीं होना गंभीर लापरवाही है। हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस को आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया का उपयोग कर आरोपी को ट्रेस करना चाहिए। साथ ही वारंट का तत्काल पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता आरोपी के सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी पुलिस को दे। पुलिस इनपुट के आधार पर लोकेशन ट्रेस कर जल्द गिरफ्तारी करे। मामला भोपाल निवासी अनूप शुक्ला की याचिका से जुड़ा है।

कैमरे में कैद लाइव मौत

पारंपरिक चड़क पूजा में खजूर के पेड़ से गिरा युवक

मलकानगिरी, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के मलकानगिरी जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहां परंपरा और आस्था के नाम पर किए जा रहे खतरनाक करतब ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। चैत महीने के अंत में हर साल की तरह इस बार भी इलाके के कई गांवों में चड़क पूजा का आयोजन किया गया था। लेकिन इस बार यह परंपरा एक बड़े हादसे में बदल गई। मलकानगिरी जिले के एमवी-72 गांव समेत आसपास के कई गांवों में चड़क पूजा धूमधाम से मनाई जा रही थी। इस पूजा में श्रद्धालु भगवान शिव और मां काली को प्रसन्न करने के लिए खजूर के ऊंचे पेड़ों पर चढ़कर कांटेदार डालों पर घूमते हैं और अपने शरीर को कठिन परीक्षाओं से गुजारते हैं।

इसे आस्था और भक्ति का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह बेहद जोखिम भरा भी होता है। इसी दौरान एमवी-72 गांव में पूजा के समय एक बड़ा हादसा हो गया। 35 साल के जगदीश साना नाम के युवक खजूर के पेड़ पर चढ़कर करतब दिखा रहे थे। तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह काफी ऊंचाई से नीचे गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें कालीमेला अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

ईडी की रिमांड में आई-पैक डायरेक्टर विनेश चंदेल

50% चेक और बाकी कैश से लेन-देन, हवाला कनेक्शन की जांच तेज

कोलकाता, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। मंगलवार तड़के दिल्ली की एक अदालत ने पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के डायरेक्टर विनीश चंदेल को प्रवर्तन निदेशालय ने 10 दिन की हिरासत में भेज दिया। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट की एडिशनल सेशंस जज (एएसजे) शेफाली बरनाला टंडन ने रिमांड ऑर्डर पास किया है। चंदेल को ईडी ने कल रात गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया, सुनवाई मंगलवार सुबह तक हुई, जिसके बाद जज ने उन्हें सेंट्रल एजेंसी की कस्टडी में भेज दिया है। ईडी के मुताबिक विनीश चंदेल कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापकों में से एक हैं और उनके पास कंपनी में 33 फीसद हिस्सेदारी है।

उन पर पीएमएलए के तहत मामला दर्ज है। यह मामला दिल्ली पुलिस की एफआईआर पर आधारित है। ईडी को मिले दस्तावेजों में 50 फीसद चेक जैसी एंट्री मिली है, जिससे यह संकेत मिलता है कि आधा पैसा ऑफिशियल तरीके से लिया जाता था और बाकी कैश में, ताकि उसे रिकॉर्ड में न दिखाया जाए। इसमें राजनीतिक पार्टियों से मिले फंड भी शामिल होने का दावा किया गया है।

सबसे बड़ा खुलासा ईडी ने कंपनी के काम करने के तरीके यानी मोडस ऑपरेंडी को लेकर किया है। एजेंसी के मुताबिक आई-पैक

पैसे को दो हिस्सों में बांटकर लेती थी ,एक हिस्सा बैंकिंग चैनल (चेक/ऑनलाइन) के जरिए और दूसरा हिस्सा कैश या गैर-बैंकिंग चैनल के जरिए। ईडी का आरोप है कि आई-पैक ने कई फर्जी बिल (बोगस इनवॉइस) बनाए, ताकि अलग-अलग कंपनियों से मिले पैसों को सही ठहराया जा सके, जबकि असल में कोई सर्विस या कंसल्टेंसी दी ही नहीं गई थी। इन फर्जी ट्रांजैक्शन्स के जरिए अवैध पैसे को पहले अलग-अलग लेयर्स में घुमाया गया और फिर उसे वैध कमाई के रूप में सिस्टम में शामिल कर दिया गया।

इससे पहले ईडी ने कोलकाता के साल्ट लेक स्थित आई-पीएसी के कार्यालय पर छापा मारा था। उस समय पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ ईडी की झड़प भी हुई थी। अब इसी मामले में विनीश चंदेल को गिरफ्तार किया गया है और अदालत ने उन्हें ईडी की हिरासत में दे दिया है। अब ईडी उनसे पूछताछ करेगी और मामले की आगे की जांच करेगी। ईडी ने वीनेश चंदेल पर यह भी आरोप लगाया है कि उन्होंने पूछताछ के दौरान झूठे और भ्रामक बयान दिए। उन्होंने कैश ट्रांजैक्शन्स के अस्तित्व से इनकार किया और कंपनी के कामकाज को गलत तरीके से पेश किया। इतना ही नहीं, एजेंसी का दावा है कि चंदेल और अन्य डायरेक्टर्स ने मिलकर कंपनी के कर्मचारियों के अकाउंट्स से अहम ईमेल और फाइनेंशियल डेटा भी डिलीट करवाया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें।

सड़क हादसाः सीमेंट मिक्सर चालक गिरफ्तार

ठाणे, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में हुए दर्दनाक सड़क हादसे के बाद पुलिस ने सीमेंट मिक्सर ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस हादसे में एक ओवरलोडेड वैन से टक्कर के कारण 11 लोगों की मौत हो गई थी। घटना ने अवैध और अनाधिकृत यात्री परिवहन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, मुंबई निवासी 26 वर्षीय चालक कमलेश यादव को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा नई बनी उल्हास नदी पुल पर हुआ, जहां वैन और सीमेंट मिक्सर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि दुर्घटनाग्रस्त वैन की अधिकृत क्षमता केवल छह यात्रियों की थी, लेकिन उसमें 11 लोग सवार थे। सभी यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, वैन टैक्सी सेवाएं इलाके में अवैध रूप से संचालित होती हैं, जो एक तरफ यात्रा के लिए प्रति सीट 70 रुपये से 100 रुपये तक शुल्क लेती हैं और अक्सर अनुमत संख्या से दोगुने यात्रियों को ले जाती हैं। इस घटना के बाद कल्याण के उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) आशुतोष बारकुल ने आम लोगों से अपील की है कि वे अनधिकृत वाहनों में यात्रा करने से बचें।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी स्लीपर बस, 3 की मौत

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक बार भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 30 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। घटना राजगढ़ थाना के पिनान इलाके में मौजूद चैनल नंबर 100 इंटरचेंज पुलिया की है। यहां इंदौर से दिल्ली जा रही एक ट्रैवल बस आगे चल रहे केमिकल से भरे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार 3 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 30 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। इस दर्दनाक हादसे में बस चालक समेत एक बालक और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए पिनान के आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया और गंभीर रूप से घायल यात्रियों को तुरंत उच्च केंद्र के लिए रेफर कर दिया गया। घायलों ने आरोप लगाते हुए बताया कि घटना के करीब 2 घंटे बाद तक भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। समय पर पुलिस के नहीं पहुंचने से बस में सवार घायलों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

कंचन कुमारी हत्याकांड में आरोपी अमृतपाल के 3 मोबाइल खोलेंगे गहरे राज

फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए फोन

बठिंडा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। डिजिटल कंटेंट क्रिएटर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी हत्याकांड में पुलिस जांच तेज हो गई है। मुख्य आरोपित अमृतपाल सिंह मेहरों के तीन मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि मामले से जुड़े अहम सबूत जुटाए जा सकें। डीएसपी सिटी 2 सर्वजीत सिंह बराड़ ने बताया कि आरोपित से लगातार पूछताछ की जा रही है। हालांकि, जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने ज्यादा जानकारी साझा करने से इनकार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़िता के दो मोबाइल फोन की तलाश जारी है। पुलिस अनुसार अमृतपाल सिंह मेहरों को 10 अप्रैल को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। वह पिछले साल जून में वारदात को अंजाम देने के बाद विदेश फरार हो गया था। जांच में सामने आया है कि उसके पास यूएई का वैध वीजा था और वह अमृतसर से फ्लाइट लेकर विदेश गया था। सूत्रों के मुताबिक आरोपित को यूएई में एक सुरक्षा एजेंसी ने संदेह के आधार पर हिरासत में लिया था। इसके बाद उसे भारत डिपोर्ट किया गया। पुलिस ने पहले ही उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर रखा था और इंटरपोल के जरिए रेड नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया भी शुरू की गई थी। अधिकारियों का कहना है कि आरोपित के मोबाइल फोन यूएई अधिकारियों ने जब्त किए थे, जिन्हें बाद में भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इन मोबाइल फोन से हत्या से जुड़े अहम डिजिटल सबूत मिल सकते हैं। गौरतलब है कि कंचन कुमारी की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें आरोपित ने अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या करने की बात कही थी और इसे कथित तौर पर अश्लील कंटेंट से जोड़कर बताया था। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलू की गहन जांच कर रही है

दावणगेरे दक्षिण के उपचुनाव में दिखी कांग्रेस की आंतरिक कलह

अब सीएम के राजनीतिक सचिव पर हुई कार्रवाई

बंगलूरू, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार एमएलसी नसीर अहमद पर दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ काम करने का आरोप है। दावणगेरे दक्षिण सीट से विधायक 94 वर्षीय विधायक शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के चलते यहां उपचुनाव हुए थे। कांग्रेस ने इस सीट से शमनूर के पोते समर्थ शमनूर को उम्मीदवार बनाया था। समर्थ कर्नाटक के खनन और भूविज्ञान मंत्री एस.एस. मल्लिकार्जुन के बेटे हैं।

13 अप्रैल के एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया, नसीर अहमद को मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के पद से तत्काल प्रभाव से मुक्त किया जाता है। इससे तीन दिन पहले, कांग्रेस एमएलसी अब्दुल जब्बार ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। सीएम सिद्धारमैया ने मंगलवार को आवास, अल्पसंख्यक कल्याण

और वक्फ मंत्री बीजे। जमीर अहमद खान को अपने कार्यालय-निवास पर तलब किया था। खान ने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मुझे आधे घंटे में अपने निवास पर बुलाया है। मैं अभी वहां जा रहा हूं।

इन मुस्लिम नेताओं पर समर्थ शमनूर के खिलाफ काम करने का आरोप है। समर्थ के नाम की घोषणा के बाद से ही सत्तारूढ़ कांग्रेस में असंतोष की आवाजें उठ रही थीं। एक बागी कांग्रेस उम्मीदवार, सादिक पहलवान, ने दावणगेरे दक्षिण से नामांकन पत्र दाखिल किया था, लेकिन बाद में सिद्धारमैया के मनाने पर उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। हालांकि, कांग्रेस में असंतोष जारी रहा, क्योंकि अधिकांश मुस्लिम नेताओं ने प्रचार से दूरी बनाए रखी।

दावणगेरे दक्षिण में मुस्लिम आबादी अच्छी खासी है। इसी के चलते मुस्लिम नेता अपने समुदाय से उम्मीदवार चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने समर्थ शमनूर को प्राथमिकता दी। मंत्री खान के अनुसार, यह कोई छिपी बात नहीं थी कि मुस्लिम नेताओं ने समुदाय से किसी को टिकट देने की मांग की थी। मंत्री ने बताया कि 20 मार्च को कांग्रेस के महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और उपमुख्यमंत्री डीके। शिवकुमार ने कांग्रेस कार्यालय में एक बैठक बुलाई थी, जिसमें दावणगेरे से 200 से अधिक नेता शामिल हुए थे, जिनमें बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक नेता थे। जमीर अहमद खान ने कहा, मैंने एक खुली बैठक में कहा थाः कृपया हमें एक मुस्लिम उम्मीदवार दें, सर। दावणगेरे किसी (मुस्लिम समुदाय से) को दे दें। मैंने यह बात खुले तौर पर बैठक में कही थी। बंद दरवाजों के पीछे कुछ भी नहीं कहा गया। मंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने बैठक में कहा था कि अगर उम्मीदवार नहीं जीता तो वह मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

थाने के सामने महिला को कार चालक ने मारी टक्कर, हुई मौत

अंबाला, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। अंबाला में साहा थाने के सामने मंगलवार को एक तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला। अनियंत्रित कार ने सड़क पार कर रही एक महिला को टक्कर मार दी और चालक वाहन समेत मौके से भाग गया। इस दर्दनाक हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक महिला की पहचान पसियाला गांव निवासी 33 वर्षीय देवी चंद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जब यह हादसा हुआ, उस समय महिला थाना क्षेत्र के पास से गुजर रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला को संभलने तक का मौका नहीं मिला। पसियाला गांव के नसीब सिंह ने बताया कि आंखों के सामने ही तेज रफ्तार कार ने महिला को टक्कर मारी।

उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। नसीब सिंह और डायल-112 की मदद से महिला को तुरंत अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सुविचार: जिस मित्र की आपके दुश्मन के साथ बैठक हो, उस मित्र से सदैव सावधान रहना चाहिए!

मंत्री की आरटीसी कर्मचारियों से हड़ताल वापस लेने की अपील

हड़ताल से संस्था और जनता दोनों को नुकसान : पोन्नम

सरकार वार्ता के लिए तैयार, समस्याओं का होगा समाधान

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी संस्था के संरक्षण और जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित हड़ताल के निर्णय को वापस लेने की अपील की गई है। राज्य के परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है और बातचीत के जरिए सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जा सकता है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि आरटीसी का सरकार में विलय और श्रमिक संगठनों से जुड़े मुद्दे सरकार के अधिकार क्षेत्र में हैं, जबकि अन्य सभी कर्मचारी समस्याओं पर चर्चा के लिए सरकार तैयार है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याएं सुनने के लिए सरकार के दरवाजे हमेशा खुले हैं और कोई भी आकर अपनी बात रख सकता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में आरटीसी कर्मचारियों के लिए 2.1 प्रतिशत डीए लागू किया गया है और वर्तमान में कोई डीए बकाया नहीं है। साथ ही पीआरसी मुद्दे पर भी सरकार विचार कर रही है। सरकार कर्मचारियों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि पिछली सरकार ने 9 सितंबर 2023 को आरटीसी कर्मचारियों के विलय के लिए एक समिति का गठन किया था, लेकिन चुनाव से ठीक पहले जल्दबाजी में इस मुद्दे को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने बताया कि समिति में वित्त विभाग के मुख्य सचिव अध्यक्ष तथा श्रम, सामान्य प्रशासन, सड़क परिवहन विभाग के सचिव और आरटीसी एमडी सदस्य थे। उन्होंने कहा कि समिति गठन के 10 दिन बाद ही 10 अक्टूबर 2023 को चुनाव कार्यक्रम घोषित हुआ, 30 नवंबर को चुनाव हुए और 3 दिसंबर को परिणाम आए। 7 दिसंबर 2023 को नई सरकार बनने के बाद भी मार्च 16, 2024 को लोकसभा चुनाव की घोषणा के चलते 6 जून तक आचार संहिता लागू रही। मंत्री ने बताया कि सरकार बनने के 48 घंटे के भीतर ही महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शुरू की गई, जिससे आरटीसी सेवाएं मजबूत हुई हैं। एक समय अस्तित्व के संकट से जूझ रही आरटीसी अब 90 से अधिक डिपो में लाभ में चल रही है। उन्होंने कहा कि आरटीसी संस्था का संरक्षण, कर्मचारियों का कल्याण और यात्रियों की सुविधा, इन तीनों पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। कर्मचारियों के सरकारी विलय के मुद्दे पर समिति द्वारा राज्य की आर्थिक स्थिति का समग्र अध्ययन आवश्यक है। मंत्री ने हड़ताल के निर्णय को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे संस्था और जनता दोनों को नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि महालक्ष्मी योजना के तहत कई सुधार किए गए हैं। पहले जहां

पीएफ बकाया 1205 करोड़ रुपये था, उसे घटाकर 600 करोड़ रुपये किया गया है, वहीं सीसीएस बकाया 690 करोड़ से घटाकर 300 करोड़ रुपये किया गया है। अब तक 2978 नई बसें शुरू की गई हैं और 1134 लोगों को करुणा नियुक्तियों के तहत रोजगार दिया गया है। नई भर्तियों की परीक्षाएं पूरी हो चुकी हैं और जल्द ही नियुक्तियां दी जाएंगी। अंत में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आरटीसी कर्मचारियों से अपील की कि वे हड़ताल का निर्णय वापस लेकर बातचीत के माध्यम से अपनी समस्याओं का समाधान करें।

एसएटी परीक्षा के लिए पंजीकरण 17 अप्रैल तक

2 मई को होगी परीक्षा

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कॉलेज बोर्ड ने घोषणा की है कि मई 2026 में होने वाली शैक्षिक मूल्यांकन परीक्षा (एसएटी) के लिए पंजीकरण 17 अप्रैल को बंद हो जाएंगे। छात्र 21 अप्रैल तक अपने पंजीकरण में बदलाव, रद्द करने या विलंब पंजीकरण का विकल्प चुन सकते हैं। परीक्षा 2 मई को आयोजित की जाएगी।

एसएटी परीक्षा छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में अपनी शैक्षणिक तैयारी प्रदर्शित करने का अवसर देती है। विश्वभर के 3,000 से अधिक विश्वविद्यालय और कॉलेज इसके स्कोर स्वीकार करते हैं, जिनमें भारत के कई संस्थान भी शामिल हैं। कॉलेज बोर्ड की दक्षिण और मध्य एशिया की वरिष्ठ निदेशक मीनाक्षी कचरो चट्टा ने कहा कि एसएटी में अच्छा प्रदर्शन छात्रों को अपनी शैक्षणिक प्रोफाइल मजबूत करने, प्रतिस्पर्धा में अलग पहचान बनाने और छात्रवृत्ति जैसे अवसर प्राप्त करने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि समय रहते प्रक्रिया शुरू करने से छात्रों को विभिन्न देशों और संस्थानों में अधिक विकल्प मिलते हैं।

समावेशी विकास 2047 तक विकसित भारत की कुंजी : राज्यपाल

बीआरएओयू में सामाजिक सशक्तिकरण सप्ताह का समापन

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि समावेशी विकास और समान अवसर एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए मूलभूत हैं, और 2047 तक एक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए केंद्रीय महत्व रखते हैं। मंगलवार को जुबली हिल्स स्थित डॉ.बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) में 'सामाजिक सशक्तिकरण सप्ताह का समापन समारोह- समान अवसर ढांचे के तहत समथा और निपुणा पहलों पर नोट प्रस्तुत करना' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम कर रहे 374 आदिवासी और ट्रांसजेंडर छात्रों को ज्योति रेड्डी फाउंडेशन की छात्रवृत्तियां वितरित कीं।

सभा को संबोधित करते हुए शिव प्रताप शुक्ल ने सामाजिक सशक्तिकरण, कौशल विकास और शिक्षा तक समान पहुंच पर ध्यान केंद्रित करने के लिए समथा और निपुणा पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा, इस महीने हमने बाबू जगजीवन राम, महात्मा ज्योतिराव फुले और डॉ.बी.आर. अंबेडकर की जयंती मनाई। हमें उनके आदर्शों के अनुरूप हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए प्रयास करना चाहिए। राज्यपाल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं, केंद्र सरकार द्वारा निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबासाहेब की विरासत को सम्मानित करने के लिए डॉ. अंबेडकर से जुड़े पांच स्थलों, जिन्हें 'पंचतीर्थ' कहा जाता है, के विकास को भी याद किया।

विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को रेखांकित करते हुए शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि केंद्र सरकार आर्थिक विकास, सुशासन, पर्यावरण स्थिरता और युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत को एक विकसित राष्ट्र और दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने के लिए काम कर रही है। छात्रों से उनकी रुचियों के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए लगन से काम करने का आग्रह करते हुए, राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद के इस आह्वान के साथ अपना भाषण समाप्त किया: 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक मत रुको।' तेलंगाना विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश, बीआरएओयू के कुलपति प्रो. घंटा चक्रपाणि, महाविद्यालय शिक्षा आयुक्त श्रीदेवसेना, ज्योति रेड्डी फाउंडेशन के अध्यक्ष दुदिपाला ज्योति रेड्डी, निदेशक (अकादमिक) प्रो. जी. पुष्पा चक्रपाणि, रजिस्ट्रार डॉ.एल. विजया कृष्ण रेड्डी और राज्यपाल के संयुक्त सचिव श्री शाहिकिरनाचारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ड्यूटी के दौरान रील बनाने पर डॉक्टरों-नर्सों की जांच, समिति गठित

आदिलाबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद स्थित राजीव गांधी इंस्टीट्यट ऑफ मेडिकल साइंसेज में ड्यूटी के दौरान डॉक्टरों और नर्सों द्वारा इंस्टाग्राम रील बनाने के मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। संस्थान के निदेशक डॉ. जयसिंह राठौड़ ने बताया कि तीन प्रोफेसरों और उप चिकित्सा अधीक्षकों की इस समिति को तीन दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले डॉक्टरों और नर्सों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर वायरल हुई रील्स में देखा गया कि कुछ डॉक्टरों और नर्सों ने ऑपरेशन थिएटर और विभिन्न वार्डों में वीडियो बनाए। इस पर लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि इस तरह की गतिविधियां कर्तव्य के प्रति लापरवाही दर्शाती हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान का उपयोग रील बनाने के लिए करना अनुचित है और इससे संस्थान की छवि पर भी असर पड़ता है।

आउटर रिंग रोड पर दोपहिया प्रतिबंध के बावजूद उल्लंघन जारी

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध के बावजूद नियमों का उल्लंघन लगातार जारी है। इसका मुख्य कारण प्रभावी निगरानी की कमी बताया जा रहा है। हाल ही में एक घटना में दो दंपतियों को तेज रफ्तार मार्ग पर मोटरसाइकिल चलाते हुए देखा गया, जो सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। इस घटना को वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ओआरआर को विशेष रूप से तेज गति वाले वाहनों के लिए बनाया गया है और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई हैं। इसके बावजूद नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई के अभाव में इस तरह के खतरनाक उल्लंघन सामने आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस द्वारा वीडियो के आधार पर नियम तोड़ने वालों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

रेलवे ट्रैक के किनारे लावारिस मिली नवजात बच्ची, अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के नामपल्ली क्षेत्र में सोमवार शाम रेलवे ट्रैक के किनारे एक नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली। पुलिस के अनुसार, यह बच्ची लकडीकापुल और खैरताबाद रेलवे स्टेशन के बीच ट्रैक के किनारे स्थानीय लोगों को दिखाई दी। बताया जा रहा है कि अज्ञात लोग बच्ची को एक पुल के नीचे छोड़कर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही नामपल्ली रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को हल्के पीले तौलिए में लिपटा हुआ पाया। करीब 15 दिन की इस नवजात को तुरंत इलाज के लिए निलोफर अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार, बच्ची की हालत स्थिर है और उसका रंग सामान्य है। पुलिस ने बताया कि बच्ची के माता-पिता का पता लगाने और उसे छोड़ने के कारणों की जांच की जा रही है। आसपास के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में हाल ही में हुए जन्म के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, K Kumari, W/o, JC 773994 F, Sub Hony Lt, Kavali Appala Raju, R/o, Dist: Visakhapatnam, Andhra Pradesh, changed my name from K Kumari to Kavali Kumari vide Affidavit No. 466329 dt. 10.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14652805 A, Hav, Siya Ram, R/o, Dist: Patna, Bihar, changed my Mother's name from Chandrvti Devi to Kunti Devi vide Affidavit No. 466364 dt. 13.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14652805A, Hav, Siya Ram, R/o, Dist: Patna, Bihar, changed my Father's name from Rishi Muni to Rishi Ram vide Affidavit No. 466366 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Geeta S Panadi, W/o, No. 14652136M, Hav, Siddappa Panadi, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my name from Geeta S Panadi to Geeta Siddappa Panadi vide Affidavit dt. 13.04.2026 before, Advocate and Notary at Saundatti, Karnataka.

I, No, 14685269H, NK, Baraiya Nareshbhai Dhuda Bhai, R/o, Dist: Bhavnagar, Gujarat, changed my Son's name from Naitik Kumar to Naitik Nareshbhai Baraiya vide Affidavit No.466368 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17000898W, NK, Deepak Kumar Giri, R/o, Dist: Jabalpur, Madhya Pradesh, changed my Daughter's name from Ananya to Ananya Giri vide Affidavit No. 466369 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14653056F, Hav, Manish Kumar, R/o, Dist: Munger, Bihar, changed my Father's name from Ashok Rai to Kumar Ashok Rai vide Affidavit No. 466386 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 778910M, Sub, Avadhesh Kumar Tiwari, R/o, Dist: Barabanki, Uttar Pradesh, changed my Daughter's name from Shivani to Shivani Tiwari vide Affidavit No.466388 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हवाई अड्डे पर मोबाइल बैटरी फटने से मची अफरा-तफरी, बड़ा हादसा टला

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर मंगलवार को एक यात्री के बैग में रखे मोबाइल फोन की बैटरी फटने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है और एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब रायपुर जाने वाली फ्लाइट के लिए एक यात्री के सामान की नियमित जांच की जा रही थी। इसी दौरान अचानक मोबाइल फोन की बैटरी फट गई, जिससे धुआं निकलने लगा और वहां मौजूद यात्रियों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित कर लिया। मौके पर अग्निशमन और सुरक्षा दल भी पहुंच गया और जांच की गई। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह घटना खराब या क्षतिग्रस्त बैटरी के कारण हुई।

पुलिस वाहन की टक्कर से एएसआई की मौत

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात संगारेड्डी जिले के मनूर पुलिस स्टेशन में एक होम गार्ड द्वारा संचालित पुलिस वाहन की चपेट में आने से एक पुलिस अधिकारी की दुखद मौत के बाद विवाद खड़ा हो गया। मृतक अधिकारी गोविंदा नायक (जो थाने में सहायक सब-इंस्पेक्टर थे) उस घटना में शामिल थे जब होम गार्ड रामा राव द्वारा चलाई जा रही गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। नायक गंभीर रूप से घायल हो गए और नारायणखेड़ के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। अधिकारी के परिवार ने आरोप लगाया कि होम गार्ड ने जानबूझकर गोविंदा नायक को गाड़ी से कुचल दिया और इसे हत्या करार दिया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया। घटना के बाद रामा राव मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मामला दर्ज कर लिया है।

कांग्रेस विधायकों के विवादित बयानों की आलोचना

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायकों द्वारा की जा रही अपमानजनक टिप्पणियों और खुलेआम धमकी देने वाले बयानों को लेकर विभिन्न वर्गों से आलोचना बढ़ती जा रही है, जबकि कुछ मंत्री बाद में इन मामलों को कम करके दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। ताजा मामला सोमवार का है, जब रामागुंडम विधायक मक्कान सिंह राज ठाकुर ने एक कार्यक्रम में कथित रूप से लोगों को जान से मारने की धमकी दी। मंथानी क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धमका रहे हैं और पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धमकी दी जाती है या उनके साथ कुछ होता है, तो वे दो घंटे के भीतर पहुंचकर दोषियों को खत्म कर देंगे। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद व्यापक आलोचना शुरू हो गई।

विवाद बढ़ने पर उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने मामले को कम महत्व देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि विधायक शांति बनाए रखने की कोशिश करते हैं और उनका उद्देश्य कार्यकर्ताओं में भरोसा पैदा करना था। यह कोई पहली घटना नहीं है। हाल के दिनों में कई कांग्रेस विधायकों के व्यवहार पर सवाल उठे हैं। 10 अप्रैल को महबूबनगर के विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने एक कार्यक्रम में अधिकारियों पर नाराजगी जताई और उनके व्यवहार पर टिप्पणी की। इसी तरह, भूपालपल्ली के विधायक गांद्रा सत्यनारायण का भी एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे सफाई कर्मचारियों और एक डॉक्टर से अभद्र भाषा में बात करते नजर आए। इन घटनाओं के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है और जनप्रतिनिधियों की भाषा और व्यवहार पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

तेलंगाना में लू का कहर, 18 अप्रैल तक ऑरेंज अलर्ट जारी

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को तेलंगाना के कई जिलों के लिए 18 अप्रैल तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए मौसम की स्थिति को आधिकारिक तौर पर 'लू की लहर' घोषित किया गया है। आईएमडी के अनुसार, राज्य के लगभग सभी जिलों में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। इसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

हैदराबाद और आसपास के जिलों (जिनमें मेडचल-मल्काजगिरि भी शामिल हैं) में भी अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना जताई गई है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को इस महीने लू के लिहाज से उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में रखा है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्कन पठार में शुष्क मौसम और तेज धूप के कारण गर्मी बढ़ रही है। साथ ही, उच्च दबाव प्रणाली के चलते मानसून से पहले होने वाली बारिश का असर नहीं पड़ पा रहा है, जिससे लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि मध्य अप्रैल तक यह स्थिति बनी रह सकती है, इसलिए लोगों को धूप से बचने और आवश्यक सावधानी बरतने की जरूरत है।

सीआईएसएफ अधिकारी बनकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

कई महिलाओं से ठगी का आरोप

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सीआईएसएफ की वर्दी पहनकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। वह खुद को सीआईएसएफ का अधिकारी बताकर लोगों को गुमराह कर रहा था। आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम निवासी बालकृष्ण के रूप में हुई है। उसने कथित तौर पर खुद को सुरक्षा बल का कर्मचारी बताकर फर्जी पहचान बनाई और कई महिलाओं को शादी का झांसा देकर ठगी की।

जानकारी के अनुसार, आरोपी ने वैवाहिक वेबसाइटों पर पुलिस या सुरक्षा अधिकारी बनकर फर्जी प्रोफाइल बनाए और करीब 60 महिलाओं को अपने जाल में फंसाया। वह झूठे वादे कर उनसे संबंध बनाता और बाद में उनका आर्थिक व मानसिक शोषण करता था। हवाई अड्डे के सुरक्षाकर्मियों को उसके व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

मामूली विवाद में ऑटो चालक की हत्या, तीन आरोपी फरार

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के तल्लाबकट्टा इलाके में सोमवार रात एक मामूली विवाद के चलते तीन अज्ञात लोगों ने एक ऑटो चालक की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मोहम्मद अब्दुल खादर (20) के रूप में हुई है, जो शाहीननगर का रहने वाला था। वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्मों में शामिल होने के लिए तल्लाबकट्टा आया था। कब्रिस्तान से लौटने के बाद वह कुछ लोगों से मिलने चला गया। देर रात उसके पिता को फोन कर बताया गया कि वह घायल हो गया है। इसके बाद उसे शाहलीबंदा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भवानीनगर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

गरीबों के लिए ब्रह्मास्त्र है संविधान : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नालगोंडा संविधान को वंचितों के लिए एक शक्तिशाली सुरक्षा कवच बताते हुए, सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि डॉ.बी.आर. अंबेडकर द्वारा तैयार किया गया यह दस्तावेज 'गरीबों के हाथों में ब्रह्मास्त्र' बना हुआ है। डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती समारोह में भाग लेते हुए, मंत्री ने नालगोंडा जिले के तिप्पार्ती जंक्शन पर डॉ. अंबेडकर और बाबू जगजीवन राम की कांस्य प्रतिमाओं का अनावरण किया। सड़क एवं भवन विभाग के अंतर्गत 70 लाख रुपये की लागत से प्रतिमाएं स्थापित की गईं। उन्होंने 10.75 करोड़ रुपये के व्यय से शुरू किए गए जंक्शन सौंदर्यीकरण कार्यों का भी उद्घाटन किया। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सार्वभौमिक शिक्षा और महिलाओं के मतदान के अधिकारों का समर्थन किया, इस बात पर जोर देते हुए कि शिक्षा सशक्तिकरण और प्रगति की नींव है और लोगों से अंबेडकर के आदर्शों का पालन करने का आग्रह किया और कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार की पहलों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये के व्यय से एकीकृत आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। नालगोंडा में एसएलबीसी कॉलोनी में बन रही सुविधा का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा दिसंबर के अंत तक किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक सरकारी विद्यालय स्थापित करने की योजना भी चल रही है, जिसमें छात्रों के लिए परिवहन सुविधा और सरकारी स्कूलों में तेलुगु और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान होगा।

तिप्पार्ती मंडल में विकास कार्यों के बारे में कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि 135 दो शयनकक्ष वाले मकान आवंटित किए जा चुके हैं, जबकि 100 अन्य इकाइयों को मंजूरी दे दी गई है और जल्द ही उनका वितरण किया जाएगा। कोमटिरेड्डी ने कहा कि इंदिराम्मा योजना के अगले चरण के तहत अतिरिक्त आवास सुरक्षित करने और मंडल में जल निकासी कार्यों के लिए 10 करोड़ रुपये प्राप्त करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि एएमआरपी के तहत 450 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किए गए नहर निर्माण कार्यों से अंतिम छोर की भूमि तक सिंचाई सुनिश्चित होगी। मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रति अपने समर्थन को दोहराया, साथ ही क्षेत्रीय असंतुलन के प्रति आगाह किया जिससे दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है।

यूपी समेत 12 राज्यों ने बढ़ाया फैक्टरी कर्मियों का न्यूनतम वेतन

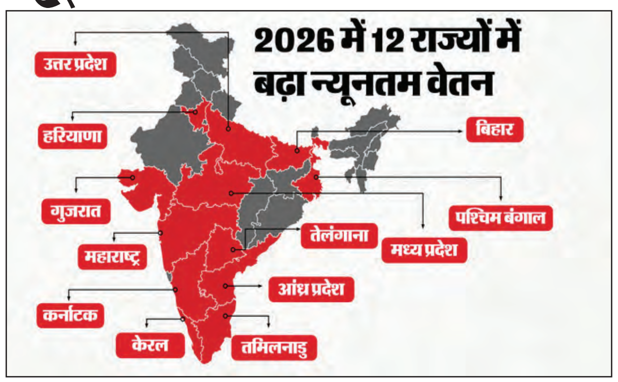

नोएडा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सोमवार को फैक्टरी कर्मियों ने उग्र प्रदर्शन किए। इनमें मुख्यतः होजरी के काम से जुड़े कर्मचारी शामिल रहे। प्रदर्शनों की मुख्य वजह थी श्रम कानूनों के तहत वेतन बढ़ाने की मांग। इसके अलावा काम पर बेहतर सुविधाएं, छुट्टियां और वेतन हर महीने की 10 तारीख को दिए जाने से जुड़ी मांगें भी उठाई गईं। इन सभी मुद्दों पर कर्मचारी संगठन बीते कई दिनों से प्रशासन से बात कर रहे थे।

इतना ही नहीं बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने इस मांग के लिए धरना भी दिया। प्रशासन भी इनमें से अधिकतर मांगों को मानने के लिए तैयार हो गया, हालांकि वेतन में बढ़ोतरी का पेंच अटका रहा। यही वजह रही कि सोमवार को प्रदर्शन अचानक हिंसक हो गए। अब मंगलवार को भी नोएडा में कुछ जगहों पर फिर से कर्मचारियों के प्रदर्शनों की खबरें सामने आ रही हैं।

क्या था इन प्रदर्शनों का ट्रिगर?

हरियाणा सरकार ने इसी महीने की 10 तारीख को एक नोटिफिकेशन जारी किया। इसमें फैक्टरी-उद्योगों से जुड़े कर्मियों के न्यूनतम वेतन में 35% की बढ़ोतरी करने का फैसला किया गया। इस फैसले से हरियाणा में कर्मचारियों का मासिक वेतन काफी बढ़ा है। जहां अकुशल कर्मियों को अब लगभग 11,274 रुपये से बढ़कर 15,220 रुपये मिल रहे हैं, तो वहीं कुशल कर्मियों को 13 हजार के मुकाबले करीब 18 हजार और उच्च-कौशल वाले कर्मियों को 14 हजार की जगह 19 हजार के करीब वेतन मिल रहा है। इसके उलट उत्तर प्रदेश में कर्मियों का न्यूनतम वेतन अभी भी काफी कम- करीब 11,313 रुपये (अकुशल कर्मी) से लेकर 13,940 रुपये (कुशल कर्मी के लिए) है।

दैनिक वेतन के मामले में भी नोएडा में जहां 435-536 रुपये के बीच मिलते हैं, तो वहीं हरियाणा के गुरुग्राम और मानेसर में यह करीब 585 रुपये 747 रुपये प्रतिदिन तक पहुंचा दिया गया है। वेतन में इस भारी अंतर की वजह से ही नोएडा के कर्मचारियों में भारी असंतोष फैल गया और वे हरियाणा के कर्मचारियों के समान वेतन की मांग करते हुए उग्र प्रदर्शन करने लगे। कर्मियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच मौजूदा वेतन में गुजारा करना बेहद मुश्किल हो रहा है। इसके अलावा प्रदर्शनों की यह आग राजस्थान के भिवाड़ी में भी फैल गई, जहां कर्मचारियों ने कम वेतन को लकेर अपने गुस्से का इजहार किया।

'रातों-रात बने कई वॉट्सऐप ग्रुप, हिंसा फैलाने के लिए उकसाया'

पुलिस कमिश्नर बोलीं-गांवों से आई भीड़ ने बवाल किया

नोएडा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के गौतमबुद्धनगर जिले (नोएडा/ग्रेटर नोएडा) में सोमवार को हुए हिंसक प्रदर्शन के पीछे गहरी साजिश है। नोएडा पुलिस का कहना है कि जिन लोगों ने आगजनी और तोड़फोड़ की, वह फैक्ट्री कर्मचारी नहीं थे। बल्कि कर्मचारियों की आड़ में शामिल उपद्रवी थे। गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा, इस पूरे मामले में किसी बड़ी और गहरी साजिश की बू आ रही है। क्योंकि मामला शांत हो चुका था और फिर अचानक कुछ लोग निकलते हैं जो श्रमिक नहीं होते हैं, तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर देते हैं। ये भीड़ अचानक आसपास के गांवों से निकल कर आई। बातचीत के बाद श्रमिक साइलेंट हो गऐ थे और आसपास के गांवों से निकली टोलियों ने बवाल शुरू कर दिया। ऐसे में अब सवाल उठ रहे हैं कि प्रदर्शन अचानक हिंसक कैसे हो गया? इसके पीछे कौन हैं? क्या इंटेलिजेंस को ऐसा कोई इनपुट था? यह प्रदर्शन किसके खिलाफ है- कंपनी प्रबंधन, ठेकेदार, प्रशासन या सरकार?।

दूसरे दिन भी बवाल, प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, 350 से ज्यादा गिरफ्तारी

नोएडा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। डीसीपी शैव्या गोयल ने कहा, एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक ही घटना को 3 अलग-अलग जगहों का बताया जा रहा है। इस घटना में घरेलू काम करने वाली कुछ महिलाएं वेतन बढ़ाने की मांग कर रही थीं।

ये महिलाएं फैक्ट्रियों में श्रमिक नहीं हैं। पुलिस मौके पर मौजूद है। शांति और व्यवस्था कायम है। नोएडा में मज़दूरों के विरोध प्रदर्शन पर इंडसर्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर दीपक कुमार ने कहा, दोनों पक्षों से कल विस्तार में बात हुई और सैकड़ों लोगों से बात हुई। दोनों तरफ की जो चुनौतियां और मांगे हैं उनको ध्यान में रखते हुए समिति ने सिफारिश की। स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी काम कर रहे हैं। मजदूरों के विरोध प्रदर्शन पर नोएडा डीएम मेधा रूपम ने कहा, श्रमिकों की जो सबसे प्रमुख मांग वेतन बढ़ोतरी की थी उसे मान लिया गया है। इसके साथ-साथ और भी निर्देश दिए गए हैं।

आंबेडकर जयंती पर बाबा साहब की प्रतिमा हटाने से कबूलपुर गांव में रोष, पुलिस तैनात

पीलीभीत, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पीलीभीत जिले में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा हटाए जाने से बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव कबूलपुर में मंगलवार को तनाव की स्थिति बन गई। एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन लोगों ने चंदा इकट्ठा कर प्रतिमा स्थापित की थी। सोमवार की रात पुलिस-प्रशासन ने प्रतिमा हटवा दी। आंबेडकर जयंती पर मंगलवार सुबह जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो प्रतिमा वहां नहीं थी, जिससे आक्रोश फैल गया। प्रतिमा सोमवार दोपहर रखी गई थी।

आंबेडकर जयंती पर मंगलवार को उसका अनावरण होना था। इससे पहले ही सोमवार रात करीब 12 प्रतिमा हटवा दी गई। इससे समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। गांव में तनाव की स्थिति देख पुलिस बल तैनात किया गया है। सीओ विधि भूषण मौर्य भी रात में ही गांव पहुंचे थे। सुबह से काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ प्रतिमा स्थल पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने नारेबाजी की।

बाबा साहब और बीएसपी के पोस्टर फाड़े

1090 चौराहे पर ब्लेड से काट दिए थे, आरोपी पकड़ा गया

लखनऊ, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती से जुड़े पोस्टर फाड़ने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी हिमांशु मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है। घटना हजरतगंज थाना क्षेत्र की है, जहां मुख्यमंत्री आवास से 1090 चौराहे तक लगे बीएसपी के पोस्टर और बैनर ब्लेड से काट दिए गए थे। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ जारी है और पूरे प्रकरण की गहन जांच की जा रही है।

अखिलेश यादव ने बाबा साहेब को अर्पित की श्रद्धांजलि

बोले-नोएडा की घटना सरकार की नाकामी

लखनऊ, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आज डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई जा रही है। प्रदेश में इस वर्ष आंबेडकर जयंती केवल स्मृति दिवस के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, जागरुकता और जनसंपर्क के व्यापक अभियान के रूप में मनाई जा रही है। राजधानी लखनऊ में हजरतगंज स्थित आंबेडकर प्रतिमा पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बाबा साहेब को पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। कहा कि हजारों साल के संघर्ष के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। हमारा संविधान सम्मान और अधिकारों का आधार है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा संविधान बदलने की मंशा रखती है। संविधान बचाने के लिए यूपी की जनता का धन्यवाद है। संविधान कागज नहीं, लोहे की तलवार है। यह न्याय और सम्मान दिलाने वाला है। उन्होंने कहा कि नोएडा में जो कुछ हुआ, वह इस सरकार की नाकामी की वजह से हुआ। सरकार को इसकी जानकारी थी। इसके बावजूद इसे होने दिया गया। अगर, यह कोई साज़िश है, तो इसके लिए सीएम और भाजपा ज़िम्मेदार है। 2027 में भाजपा सत्ता से बाहर हो जाएगी। हम सब मिलकर सामाजिक न्याय का राज स्थापित करने के लिए काम करेंगे।

'महंगाई से जनजीवन पर पड़ेगा असर तो आवाज उठाएंगे'

लखनऊ, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन पर कहा कि अगर महंगाई से जनजीवन प्रभावित होगा तो आवाज तो उठाई जाएगी। सपा प्रमुख मंगलवार को बैसाखी पर्व के अवसर पर लखनऊ स्थित गुरुद्वारे पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि बैसाखी के त्योहार पर पूरे देशवासियों और प्रदेशवासियों को बधाई देना चाहता हूं। हमारे देश की यही खूबसूरती है कि हम एक दूसरे के त्योहार मिलकर मनाते हैं। अखिलेश यादव ने नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन पर कहा कि मुख्यमंत्री को तो नियम-कानून पता ही नहीं है।

'2030 तक का इंतजाम कर दिया है'

> सीएम पद से इस्तीफे के साथ नीतीश कुमार का संदेश

पटना, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। 20 साल तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। इस्तीफा के बाद बेहद ही शालीनता के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर बिहारवासियों को अपना संदेश दिया।

उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि आप जानते हैं कि 24 नवंबर, 2005 को राज्य में पहली बार एनडीए सरकार बनी थी। तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के कार्यों में लगे हुए हैं।

सरकार ने शुरू से ही सभी वर्गों का विकास किया है, चाहे हिंदू हों, मुस्लिम हों, उच्च वर्ग हो, पिछड़ा वर्ग हो, अति पिछड़ा वर्ग हो, दलित हों या महादलित सभी के लिए काम किया गया है। हर क्षेत्र में कार्य हुआ है, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो या कृषि। महिलाओं एवं युवाओं के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

बिहार और अधिक तेजी से विकसित होगा

नीतीश कुमार ने कहा कि हाल के दिनों में विकास कार्यों को और आगे बढ़ाया गया है। अगले पांच वर्षों, अर्थात 2025 से 2030 तक के लिए 'सात निश्चय-3' का गठन किया गया है। इससे विकास कार्यों को और गति मिलेगी और बिहार तेजी से आगे बढ़ेगा। बिहार के विकास में केंद्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को नमन है। बिहार और अधिक तेजी से विकसित होगा, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

हमने बिहार के लोगों के लिए बहुत काम किया है

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि हमने बिहार के लोगों के लिए बहुत काम किया है और लंबे समय से निरंतर उनकी सेवा की है। हमने पहले ही तय किया था कि अब मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे। इसी क्रम में आज मंत्रिमंडल की बैठक के बाद माननीय राज्यपाल से मिलकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। अब नई सरकार राज्य का कार्यभार संभालेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा। आगे भी अच्छा काम होगा और बिहार निरंतर प्रगति करता रहेगा। बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।

'समाज को बांटने वाला नहीं कर सकता विकास'

> सीएम योगी ने सहारनपुर की सभा में विपक्ष पर बोला हमला

सहारनपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश केसीएम योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के दौरान सहारनपुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। सीएम योगी ने कार्यक्रम के दौरान प्रदेश में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के 180 किलोमीटर के भाग का जिक्र किया। सीएम योगी ने कहा कि सहारनपुर से अब दिल्ली जाने में छह घंटे की जगह ढाई घंटे लगेगा। इससे इस इलाके में बनने वाले प्रोडक्ट से लेकर खाद्य सामग्रियों को राष्ट्रीय राजधानी और दुनिया के बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। अंबेडकर जयंती के मौके पर सीएम योगी ने महापुरुषों की प्रतिमाओं के इलाके में शेड के निर्माण योजना की भी बात कही। विकास की रफ्तार और विरासत का संरक्षण की बात कही।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी आज के समय में इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर कानून व्यवस्था तक में आगे है। डबल इंजन की सरकार का यह उदाहरण है। यूपी में जेवर एयरपोर्ट से लेकर फिल्म सिटी तक का निर्माण हो रहा है। सीएम ने हमलावर रुख अपनाते हुए कहा कि बांटने वाला विकास के बारे में बात नहीं कर सकता है। उनसे विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती है। प्रदेश में 2017 से पहले पहचान का संकट था। कार्यक्रम में यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहीं।

बाबासाहेब को किया याद

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने कार्यक्रम के दौरान बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को याद किया। डॉ. अंबेडकर की जयंती के मौके पर उन्होंने साथ ही, उन्होंने कहा कि हमें लगता है, 2027 में 2017 से भी बड़ी जीत भाजपा को मिलने वाली है। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे।

कमल का बटन दबाया, विकास आया

कार्यक्रम के दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पश्चिमी यूपी में विकास योजनाओं को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि आपने एक कमल का बटन दबाया तो प्रदेश में विकास आया। प्रदेश में शांति और खुशहाली आई। उन्होंने एक बार फिर 2027 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने की बात कही।

आगजनी के 26 मामलों की आतंकी जांच होगी

एनआईए ने तीन आतंकियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया

लखनऊ, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) यूपी में हुई आगजनी की करीब 26 घटनाओं की आतंकी एंगल से जांच करेगी। ऐसा पिछले दिनों लखनऊ में पकड़े गए 4 आतंकियों के इनपुट के आधार पर किया जा रहा है। यूपी के अलग-अलग जिलों में गाड़ियों में आग लगने की इन घटनाओं को हादसा बताकर केस बंद कर दिया गया था। अब इनकी गहराई से तफ्तीश की जाएगी। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) भी मामले में तफ्तीश करेगी। दरअसल, 3 अप्रैल को पकड़े गए आतंकियों ने पूछताछ में बताया था कि वे आगजनी की छोटी-छोटी घटनाओं को अंजाम देकर वीडियो बनाते थे। उन्हें पाकिस्तान में हैंडलर्स को भेज देते थे।

किशनगंज एसएचओ के आवास से मिले 6.75 लाख

लेन-देन के सबूत, सिलीगुड़ी में 6 कट्ठा जमीन भी मिली-थादेदार के 6 ठिकानों पर ईओयू की रेड

किशनगंज, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। किशनगंज के करोड़पति एसडीपीओ गौतम कुमार के बाद टाउन थाना प्रभारी अभिषेक रंजन के ठिकानों पर ईओयू ने छापेमारी की है। यह कार्रवाई किशनगंज, पटना और छपरा में स्थित उनके पांच अलग-अलग ठिकानों की गई। किशनगंज में सरकारी आवास और चेंबर में रेड की गई। यहां टीम को 6.75 लाख रुपए मिले हैं। थाना के मुंशी के माध्यम से पैसे लेन-देन के सबूत मिलने के साथ साथ सिलीगुड़ी के दार्जिलिंग रोड में 6 कट्ठा जमीन के कागजात मिले हैं। 4 गाड़ियों से ईओयू की 9 सदस्यीय टीम मंगलवार सुबह 8 बजे पहुंची, इसमें एक महिला अधिकारी भी शामिल हैं। पटना के रामकृष्णा नगर में टीम छापेमारी करने पहुंची। अभिषेक रंजन सारण के रहने वाले हैं, जिले के भेल्दी थानां क्षेत्र में उनके पैतृक गांव पैगा में ईओयू ने सुबह-सुबह दबिश दी। टीम दस्तावेज और सामानों को खंगाली है। अभिषेक रंजन के खिलाफ आय से 1 करोड़ 70 लाख 22 हजार अधिक का केस दर्ज किया गया है। सूत्रों की माने को टाउन थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार को विभागीय कार्रवाई के कारण एसपी ने पद से हटा दिया हैं। थाना अध्यक्ष के ड्राइवर हरेंद्र से भी जांच एजेंसी पूछताछ कर रही है। अभिषेक कुमार के माफिया से साठगांठ की बात भी सामने आ रही है। पटना के शाहपुर में घर के अलावे दो जगह जमीन भी है।

कार्ड बांटने निकले पिता को डंपर ने कुचला, खुशियां मातम में बदलीं

नालंदा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। नालंदा जिले में सालेपुर-राजगीर निर्माणाधीन टूरिस्ट वे पर मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसने एक परिवार की शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर की चपेट में आने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका 18 वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक की पहचान वेना थाना क्षेत्र के बनवारीपुर मोरा निवासी राजनंदन पासवान के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक की बहन मृदुला देवी ने बताया कि राजनंदन पासवान की बड़ी बेटी की शादी आगामी 29 अप्रैल को होने वाली थी। घर में उत्सव का माहौल था। इसी सिलसिले में वे अपने भतीजे कौशल कुमार के साथ बाइक से रिश्तेदारों को निमंत्रण देने निकले थे।

पर्शियन बिल्लियों के थे पासपोर्ट, मालकिन विदेश घुमाने लेकर जाने वाली थी

मौत पर पहुंची थाने

गाजियाबाद, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के गाजियाबाद में लालकुआं निवासी कल्पना के घर में दो साल से पर्शियन नस्ल की दो बिल्लियां थी। एक मेल, एक फीमेल। परिवार का हिस्सा बन चुकी इन पेट्स से उनका भावनात्मक जुड़ाव था। युवती ने आरोप लगाया कि अस्पताल में गलत इलाज से फीमेल बिल्ली की मौत हो गई। वह प्रेग्नेंट भी थी। इसकी शिकायत पुलिस और जिला पशु चिकित्सा अधिकारी से की है। बिल्ली के पासपोर्ट बने हुए थे और वह उन्हें विदेश घुमाने ले जाने वाली थी।

युवती ने लापरवाही का लगाया आरोप

कल्पना बिल्ली को संजय नगर स्थित सीएफसीयू पेट क्लीनिक में रूटीन चेकअप के लिए लेकर गई। उन्होंने बताया कि वह आंख ठीक से नहीं खोल पा रही थी। आरोप है कि क्लीनिक में डिहाइड्रेशन बताकर ड्रिप लगा दी गई। साथ ही इंफेक्शन बताया। अगले दिन उसकी हालत बिगड़ गई। उसे फिर उसी क्लीनिक लेकर पहुंचीं। उसे आईसीयू में भर्ती कर लिया गया। अल्ट्रासाउंड में सामने आया कि बिल्ली प्रेग्नेंट थी और उसके पेट में दो बच्चे मृत थे। युवती का आरोप है कि इसके बाद ऑपरेशन कर दोनों बच्चों को निकाला गया, लेकिन तब तक बिल्ली की हालत और बिगड़ चुकी थी। उसे नोएडा के एक अस्पताल लेकर पहुंचीं जहां उसकी मौत हो गई।

अस्पताल ने आरोपों को किया खारिज

युवती का आरोप है कि शुरुआत में प्रेग्नेंसी की जांच कर सही प्रोटोकॉल अपनाया जाता तो बिल्ली और उसके बच्चे बच सकते थे। वह उसे बाहर घुमाने के लिए ले जाने वाली थी। इनके पासपोर्ट भी बने थे। उन्होंने मधुबन बापूधाम थाने में शिकायत दी है और जिला पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी पाण्डेय से कार्रवाई की मांग की है।

पशु चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि मौत के बाद मामला आपराधिक हो गया है। पुलिस जांच में सहयोग मांगेगी तो विभाग की टीम जांच में शामिल होगी। वहीं, अस्पताल के डायरेक्टर विजेन्द्र सिंह यादव ने इन आरोपों को खारिज करते हुए बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार इलाज किया गया।

उमा भारती की वृंदावन से लौटते वक्त तबीयत बिगड़ी

जेवर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती की तबीयत वृंदावन से लौटते समय खराब हो गई। उन्हें तत्काल जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत बिगड़ने की खबर मिलते ही कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता उनसे मिलने पहुंचे। बुलंदशहर अनूपशहर के विधायक संजय शर्मा भी अस्पताल पहुंचे।

रबूपुरा नगर पंचायत के अध्यक्ष शशांक सिंह भी उमा भारती का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे। इनके अलावा, अन्य भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने भी उमा भारती से मुलाकात की। इससे पहले सोमवार को उमा भारती ने वृंदावन में कात्यायनी देवी मंदिर में देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की थी।

डॉक्टर नहीं, 12वीं पास वार्ड बॉय निकला रोहित तिवारी

किडनी ट्रांसप्लांट की लेता था पूरी जिम्मेदारी-खुलासा

कानपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर शहर में अवैध तरीके से हुए किडनी ट्रांसप्लांट मामले में फरार मास्टरमाइंड रोहित तिवारी ने पुलिस पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। कानपुर के किडनी ट्रांसप्लांट के पूरे प्रबंधन की जिम्मेदारी रोहित तिवारी लेता था। वह डोनर और रिसीवर को लाने, उनको ठहराने और सर्जरी करने वाली टीम को रकम पहुंचाता। इसके लिए मिलने वाली रकम का 50 से 60 फीसदी हिस्सा स्वयं रखता। रोहित ने राहुल और बिलग्राम के शिवम यादव का नाम भी कबूला है जिनकी तलाश की जा रही है।

डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी के मुताबिक रोहित तिवारी से पूछताछ में पता चला कि उसकी 2016 तक डॉ. वैभव, डॉ. अफजल, मुदस्सर अली सिद्दीकी से जानपहचान हो गई थी। उनके सहयोग से एनसीआर के कुछ अस्पतालों में अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट हुए। डॉ. वैभव की एंबुलेंस चालक शिवम अग्रवाल से जान पहचान थी जिसकी वजह से रोहित और वैभव के बीच दोस्ती हो गई। शिवम ने उसे कानपुर के नर्सिंगहोम में किडनी ट्रांसप्लांट करने का न्योता दिया। कहा कि कुछ मरीजों को किडनी की आवश्यकता है।

वह मुंह मांगी रकम देने के लिए तैयार हैं। उनसे बातचीत कर सर्जरी की जा सकती है। रोहित तिवारी ने ट्रांसप्लांट की जिम्मेदारी ली। 2023 में विवेल नाम के नर्सिंगहोम में ट्रांसप्लांट की योजना बनी लेकिन किसी कारण से सर्जरी नहीं हो सकी। उसके बाद कल्याणपुर के आंबेडकरपुरम क्षेत्र के आरोही हॉस्पिटल में पहला ट्रांसप्लांट हुआ। यहां के बाद मेडिलाइफ हॉस्पिटल और आहूजा हॉस्पिटल में आठ ऑपरेशन किए गए। हर ट्रांसप्लांट में डॉक्टरों की टीम लाने, सर्जरी करने और दवाएं लाने की जिम्मेदारी रोहित की रहती थी। रोहित की मुलाकात राहुल नाम के युवक ने अली से कराई थी। राहुल, अली को सर्जरी का मास्टरमाइंड बताता था। ट्रांसप्लांट करने में अली का नाम सामने आ रहा है। पुलिस को जांच पता चला कि वह ओटी मैनेजर है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

40लाख की वसूली के लिए बुजुर्ग दंपती को कैद किया

इंदौर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां तीन युवकों ने एक बुजुर्ग दंपती को घर में बंधक बनाकर घंटों तक धमकाया। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। टीआई सुशील पटेल के मुताबिक, मारुति नगर निवासी 63 वर्षीय रमेश जोशी की शिकायत पर अभिषेक, अंकित और गुलशन के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। रमेश जोशी रिटायर्ड हैं और वर्तमान में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि रमेश जोशी का बेटा अंकित जोशी शहर के कई लोगों के साथ प्रॉपर्टी और अन्य मामलों में करोड़ों रुपए की लेनदारी कर चुका है। करीब 20 दिन पहले वह यह कहकर घर से निकला था कि उसे किसी को पेमेंट करना है,

यूपी सरकार में नौकरी नहीं मिलने पर ईडब्ल्यूएस महिलाएं पहुंचीं एससी

आय प्रमाण पत्र देखकर क्यों बोला कोर्ट- आप दावा नहीं कर सकते

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश की भर्ती प्रक्रिया में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के तहत आरक्षण का अनुरोध करने वाले कई उम्मीदवारों की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट का कहना है कि अमान्य आय प्रमाण पत्र इस तरह के लाभ का दावा करने का आधार नहीं हो सकते हैं। पूनम द्विवेदी और अन्य उम्मीदवारों ने ये याचिकाएं दाखिल की थीं।

इन याचिकाओं में इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उनकी दलील को खारिज कर दिया गया था। हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले बेंच ने कहा कि भर्ती नियमों के अनुसार, उम्मीदवार संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए वैध ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में विफल रहे। कोर्ट ने कहा, 'अगर अपीलकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत प्रमाण पत्र आवेदन के वर्ष से पूर्व के वित्तीय वर्ष से संबंधित नहीं थे और संबंधित वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले ही जारी किए गए थे, तो उन प्रमाण पत्रों में स्पष्ट त्रुटि थी।' आदेश में कहा गया, 'इसलिए, हमारी राय में, उन प्रमाणपत्रों के आधार पर अपीलकर्ताओं के दावे को उचित तौर पर खारिज किया गया।' यह मामला राज्य में महिला स्वास्थ्य कर्मियों के 9,000 से अधिक पदों की भर्ती से जुड़ा है, जहां ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत आवेदन करने वाली कुछ उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा पास करने के बावजूद अंतिम लिस्ट से बाहर कर दिया गया था।

उम्मीदवारों ने दलील दी कि उनके प्रमाणपत्रों में विसंगतियां इसे जारी करने वाले अधिकारियों की त्रुटियों और लागू वित्तीय वर्ष के संबंध में भ्रम के कारण हुईं। इस दलील को खारिज करते हुए, बेंच ने कहा कि प्रमाण पत्र या तो संबंधित वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले जारी किए गए थे या गलत अवधि से संबंधित थे। बेंच ने कहा, 'इस अदालत की राय है कि जब किसी विशेष वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रमाण पत्र मांगा जाता है, तो किसी और वित्तीय वर्ष का प्रमाण पत्र उम्मीदवार की पात्रता का मूल आधार होता है।' कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण का लाभ उठाने के लिए, आय और संपत्ति का प्रमाण पत्र आवेदन के वर्ष से पहले के वित्तीय वर्ष से संबंधित होना चाहिए और 'कट-ऑफ' तिथि तक वैध होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि उम्मीदवार गलत प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकारियों को दोषी नहीं ठहरा सकते, खासकर तब जब उनमें से अधिकांश ने विज्ञापन जारी होने से पहले ही दस्तावेज प्राप्त कर लिए थे और पात्रता शर्तों के अनुपालन में नए प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते थे।

फ्लैट में खून से लथपथ मिला शव! पुलिस ने बरामद किए हथियार और गोलियां

कोलकाता, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के गरिया के नबग्राम इलाके में एक फ्लैट के अंदर से एक युवक का गोली लगा शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान अरूप मंडल के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब 37 साल है। घटनास्थल से पुलिस ने 2 आग्नेयास्त्र और 6 राउंड गोलियां बरामद की है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, अरूप मंडल फ्लैट में अकेला रहता था। रविवार यानी कल देर रात करीब 1 बजे के आसपास उन्होंने एक तेज आवाज सुनी, जिसके बाद लोगों ने फ्लैट में जाकर देखा तो वह खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ था। इसके बाद तुरंत नरेंद्रपुर पुलिस स्टेशन और युवक के माता-पिता को सूचना दी गई। इस घटना में पुलिस ने मृतक के एक दोस्त और एक महिला मित्र को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार दोस्तों की पहचान अरूप की महिला मित्र प्रियंका दास और उसके एक दोस्त राजू के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि मृतक के सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे यह हादसा सिर्फ गोलीबारी का नहीं है, बल्कि किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या अरूप की किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी थी या इस घटना में कोई और शामिल है। पुलिस ने लाश को जब्त करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण और समय पता चल जाएगा। साथ ही यह भी पता चलेगा कि गोलीबारी कैसे हुई है। पुलिस ने अरूप के परिवार के सदस्यों से बात करना शुरू कर दिया है ताकि यह पता चल सके कि क्या वे कुछ अनुमान लगा सकते हैं, क्या वे इस बारे में कुछ जानते हैं। फिलहाल पुलिस ने युवक की रहस्यमय मौत के मामले को सुलझाने के लिए नरेंद्रपुर थाने की पुलिस ने जांच जोरों पर शुरू कर दी है।

पेंच नेशनल पार्क के पास बाघ का हमला, युवक की मौत पर बवाल

छिंदवाड़ा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की सीमा पर स्थित पेंच नेशनल पार्क के जमतरा गेट पर बीती रात उस समय हालात तनावपूर्ण बन गए, जब बाघ के हमले में एक ग्रामीण की जान चली गई। इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने न केवल जमतरा गेट पर जमकर तोड़फोड़ की, बल्कि वहां आगजनी की घटना को भी अंजाम दिया। ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम और अधिकारियों को करीब तीन घंटे तक घेरे रखा। चांद पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाहरझिर थोटा निवासी दिनेश (पिता पुसू सेवतकर) पर बाघ ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

बताया जा रहा है कि हमला इतना अचानक था कि युवक को संभलने का मौका नहीं मिला। बाघ युवक के शव को खींचकर घने जंगलों (कोर एरिया) के भीतर ले गया।

जैसे ही ग्रामीणों को इस बात की भनक लगी, सैकड़ों की संख्या में लोग जमतरा गेट पर एकत्रित हो गए और उनका गुस्सा फूट पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम प्रभात मिश्रा, एसडीओ अतुल पारधी सहित चांद और चौरई थाने का भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने कई घंटों तक ग्रामीणों को समझाने और शांत करने का भरसक प्रयास किया। हालांकि, हंगामा जारी रहा और बाघ की मौजूदगी के कारण युवक का शव भी बरामद नहीं किया जा सका था। क्षेत्रीय जनता का आक्रोश जायज नजर आता है क्योंकि पिछले 6 महीने के भीतर पेंच के बफर और कोर एरिया में बाघ के हमले की यह चौथी बड़ी घटना है।

मुख्यमंत्री के खिलाफ मां ने मोर्चा खोला

एनसीडब्ल्यू से की सीएम हिमंत की शिकायत; कहा- चुनावी रैली में लगाए अनर्गल आरोप

दिसपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक बयानबाजी अब व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गई है। असम जातीय परिषद (एजेपी) की उम्मीदवार कुनकी चौधरी की मां, सुजाता गुरूंग चौधरी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराई है। 11 अप्रैल को दर्ज शिकायत में सुजाता चौधरी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा ने चुनाव प्रचार के दौरान उनके खिलाफ झूठे, बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बयान दिए।

उनका कहना है कि इन बयानों का मकसद उनकी छवि खराब करना और उनकी बेटी कुनकी चौधरी को राजनीतिक रूप से निशाना बनाना था।

दरअसल, 2 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया था कि सुजाता गुरूंग चौधरी ने सोशल मीडिया पर बीफ सेवन से जुड़े पोस्ट साझा किए, कुछ समुदायों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और पाकिस्तान का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा था कि वे कुनकी चौधरी के माता-पिता के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

इन आरोपों को खारिज करते हुए सुजाता चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिखाया गया फोटो भ्रामक है। उनके मुताबिक यह तस्वीर अमेरिका के डेनवर स्थित इंटरनेशनल चर्च ऑफ कैनबिस (आईसीसी) में ली गई थी, जहां वे जिस वस्तु को पकड़े हुए थीं, वह मांस हीं बल्कि एक तकिया (पिलो) था। उन्होंने आईसीसी के निदेशक स्टीव बर्के का एक पत्र भी संलग्न किया है, जिसमें इसी बात की पुष्टि की गई है।

शिकायत में उन्होंने यह भी कहा कि इन आरोपों के बाद उनकी निजी तस्वीरें, जिनमें उनके नाबालिग बेटे की तस्वीरें भी शामिल हैं, सोशल मीडिया पर बिना अनुमति के वायरल की जा रही हैं। इससे उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग, उत्पीड़न और चरित्र हनन का सामना करना पड़ा है। सुजाता चौधरी ने आरोप लगाया कि कई अज्ञात लोगों और सोशल मीडिया हैंडल्स ने उनकी छवि खराब करने के लिए मॉर्फ्ड तस्वीरें और एआई से तैयार सामग्री भी साझा की है, जिससे उनके परिवार को मानसिक तनाव और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है।

उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग से मांग की है कि इस मामले में तुरंत संज्ञान लिया जाए, भ्रामक और आपत्तिजनक कंटेंट को सोशल मीडिया से हटाया जाए, और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

टीआई ने शादी का झांसा देकर विधवा से रेप किया; गर्भवती होने के बाद एफआईआर

ग्वालियर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्वालियर में दुष्कर्म के गंभीर आरोपों में घिरे पीटीएस तिघरा में पदस्थ निरीक्षक रूपेश शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी टीआई फरार हो गया, जिससे मामले की संवेदनशीलता और बढ़ गई। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। उधर, पुलिस विभाग ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी निरीक्षक को तत्काल प्रभाव से पीटीएस तिघरा से पुलिस मुख्यालय भोपाल अटैच कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हरिशंकरपुरम निवासी 38 वर्षीय विधवा महिला, जो पेशे से बुटीक संचालिका है, ने झांसी रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि पति के निधन के बाद उसकी पहचान सोशल मीडिया के जरिए निरीक्षक रूपेश शर्मा से हुई थी। आरोपी ने खुद को अविवाहित बताया और शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। महिला के अनुसार, इसी दौरान वह गर्भवती हो गई। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने आरोपी से शादी की बात की तो वह टालमटोल करने लगा। शक होने पर महिला जब उसके घर पहुंची, तब उसे पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। खुद को ठगा महसूस करने के बाद महिला ने पुलिस से शिकायत की। पूरे मामले की जांच के बाद पुलिस ने निरीक्षक रूपेश शर्मा के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज किया।

एफआईआर दर्ज होने के तुरंत बाद झांसी रोड थाना पुलिस जब पीटीएस तिघरा पहुंची, तो निरीक्षक वहां मौजूद नहीं था। आरोपी का मोबाइल फोन भी तभी से बंद आ रहा है। पुलिस ने उसकी तलाश में दो टीमें गठित की हैं, जिन्होंने भितरवार स्थित उसके मूल निवास और शिवपुरी में ससुराल पर दबिश दी, लेकिन वह दोनों जगह नहीं मिला। रेप का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस विभाग ने भी सख्ती दिखाई है।

बिहार में नितीश कुमार के इस्तीफे पर संजय राउत का सवाल

'अब क्यों हो रही नए सीएम में देरी ?'

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्यमंती पद से इस्तीफा देने वाले हैं। वहीं, बुधवार (15 अप्रैल) को बिहार में नई सरकार का गठन हो जाएगा, लेकिन राज्य का नया सीएम कौन होगा इसको लेकर अभी तक कोई नाम फाइनल नहीं हो सका है। इसको लेकर अब महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इतने दिन बीत गए हैं, लेकिन अगला सीएम कौन होगा अभी तक नहीं बताया गया। संजय राउत ने एक प्रेस कांफ्रेस में कहा, पहली बात यह है कि नीतीश कुमार आज मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे रहे हैं।

अब वे राज्यसभा में जाएंगे और एक बार फिर राष्ट्रीय नेता के रूप में सक्रिय होंगे। अब सवाल यह है कि अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा? इतने दिन बीत गए, लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री का चयन नहीं हुआ है। हम दिल्ली में नितीश कुमार का स्वागत करते हैं। वो हमारे अनुभवी नेता हैं और राज्यसभा में उनके आने का हम स्वागत करते हैं।

राउत ने कहा, आई-पैक के मामले में जिस प्रकार से प्रवर्तन नेदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई की है, वह निष्पक्ष नजर नहीं आती। पश्चिम बंगाल में चुनाव का माहौल है और सभी लोग चुनाव में व्यस्त हैं, लेकिन ईडी ने केवल बीजेपी के विरोधियों पर ही कार्रवाई की है। यह उनका पुराना तरीका रहा है। मुझे लगता है कि ममता बनर्जी खुद इस मामले में सक्रिय रही हैं और ईडी कार्यालय तक गई थीं, लेकिन पश्चिम बंगाल में अंततः जीत ममता दीदी की ही होगी। इसके अलावा राउत ने 90 लाख मतदाताओं के मतदान अधिकार पर न्यायपालिका की खामोश पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा, अब सवाल यह है कि सुप्रीम कोर्ट अंतरिम आदेश क्यों नहीं दे रहा? क्या बीजेपी जो चाहती है वही होगा? अगर 90 लाख मतदाताओं को वोट देने का अधिकार नहीं मिल रहा है, तो संविधान का क्या हुआ? सुप्रीम कोर्ट के पास पूरा अधिकार है कि वह इस पूरे मामले की जांच करें और संबंधित अधिकारियों को कठघरे में खड़ा कर जवाब मांगे।

बच्चों के खेल के मैदानों पर भी फाइव स्टार होटल क्यों?

शिवसेना उद्धव गुट के नेता ने आगे कहा, महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार का स्तर गिर चुका है। एकनाथ शिंदे और केंद्र सरकार बच्चों के खेल के मैदानों पर भी फाइव स्टार होटल बनाने की योजना बना रहे हैं। बच्चों के पास खेलने के लिए मैदान नहीं बचेंगे, और दूसरी तरफ बड़े-बड़े होटल बनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री कहते हैं 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा', लेकिन यह यहां लागू होता नहीं दिख रहा। अगर ऐसी ही नीति रही तो शिवाजी पार्क जैसे ऐतिहासिक मैदानों पर भी निर्माण किया जाएगा क्या? क्या आजाद मैदान और कामगार मैदान भी सुरक्षित नहीं रहेंगे? उन्होंने आगे कहा, खदान मालिक खुलेआम काम कर रहे हैं और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। लोगों के पीने के पानी तक पर असर पड़ रहा है। मैंने मुख्यमंत्री को इस संबंध में पत्र लिखा है। रॉयल स्टील कंपनी बीजेपी को बड़ा चंदा देने वाली बताई जाती है। क्या नक्सलवाद इसलिए खत्म किया गया कि खदान मालिकों को खुली छूट मिल सके?

शिक्षिका के सिर और गर्दन पर वार कर उतारा मौत के घाट

सेलम, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सेलम जिले के ओमलूर के पास कमलापुरम सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शिक्षिका के रूप में काम करने वाली एक महिला की एक व्यक्ति ने स्कूल के अंदर घुसकर सिर और गर्दन पर कई वार करके हत्या कर दी। मृतक की पहचान विद्या के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब 44 साल है। घटना के समय स्कूल के मौजूद छात्र-छात्राओं ने अचानक हुए हमले से डरकर चीखने-चिल्लाने लगे, जब कुछ लोग मौके पर दौड़कर आए तो उन्होंने देखा कि आरोपी वहां से फरार हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह हमला उस वक्त हुआ जब शिक्षिका स्कूल में अपनी ड्यूटी पर मौजूद थीं। तभी अचानक एक व्यक्ति स्कूल में घुसा और उन पर बेरहमी से हमला कर दिया। हमलवारों ने बड़ी बेरहमी से उनके सिर और गर्दन पर कई वार किए, जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हमले के दौरान वहां मौजूद छात्र-छात्राएं डर कर सहम गए और चीखते-चिल्लाते इधर-उधर भागने लगे।

40 लाख की लूट का मास्टरमाइंड निकला कारोबारी का नौकर

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरी दिल्ली में 40 लाख रुपये की लूट की एक सनसनीखेज घटना का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि यह लूट किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा नहीं, बल्कि पीड़ित कारोबारी के नौकर ने ही अपने साथियों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने नौकर के घर से लूटी गई पूरी रकम बरामद कर ली है। नॉर्थ जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने बताया, घटना रोशना रोड के पास हुई, जहां एक कारोबारी अपने घर से दो बैग में 40 लाख रुपये नकद लेकर कहीं जा रहे थे।

एक सुनसान इलाके में पहुंचने पर एक स्कूटर सवार उनके सामने आया। स्कूटर सवार ने कारोबारी को रोका, थप्पड़ मारा और उनके नौकर को भी पीटा।

इसके बाद उसने बैग छीन लिया और फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तुरंत जांच शुरू की। पुलिस ने कारोबारी के नौकर से पूछताछ की, तो उसकी बातों में कुछ गड़बड़ नजर आई, जिनसे शक पैदा हुआ। पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तो उन्हें कुछ अहम सुराग मिले, जिनसे पता चला कि इस पूरी साजिश में नौकर का हाथ है।

जांच में सामने आया कि इस लूट की पूरी साजिश तीन लोगों ने मिलकर रची थी। इनमें कारोबारी का नौकर हरिओम, उसका रिश्तेदार सन्नी लूथरा और हरिओम की पत्नी मोनिका शामिल थे। पुलिस ने जब हरिओम के घर की तलाशी ली, तो वहां से लूटी गई 40 लाख रुपये की पूरी नकदी बरामद कर ली गई। पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों, हरिओम, सन्नी लूथरा और मोनिका को गिरफ्तार कर लिया है।

श्री मुक्तसर साहिब में एक्शन मोड में प्रशासन नशा तस्कर निक्कू की प्रॉपर्टी पर चला पीला पंजा

श्री मुक्तसर साहिब, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला प्रशासन ने गांव मराड़ कलां में एक नशा तस्कर द्वारा अवैध तरीके से बनाई गई इमारत पर बुलडोजर चलाया है। इस मौके पर सिविल प्रशासन नायब तहसीलदार अरशप्रीत कौर ने बताया कि पुलिस थाना बरीवाला के अंतर्गत आने वाले गांव मराड़ कलां के गुरजीत सिंह उर्फ निक्कू पुत्र कारज सिंह द्वारा अवैध तरीके से एक इमारत बनाई गई थी। इस संबंध में सक्षम अथारिटी से इसे गिराने के निर्देश प्राप्त कर पुलिस विभाग से मौके पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मदद ली गई।

उन्होंने बताया कि पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए इस अवैध इमारत को मंगलवार को गिराया गया। इस मामले में मनमीत ढिल्लों एसपी (डी) ने बताया कि गुरजीत सिंह उर्फ निक्कू पर नशा तस्करी के दो मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि एसएसपी के निर्देशों के अनुसार 'युद्ध नशे के विरुद्ध' के तहत जिले में व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है।

यूपी-बिहार से लेकर गुजरात तक उमस भरी गर्मी की दस्तक

8 राज्यों में लू की चेतावनी, दिल्ली में 41 सेल्सियस तक पहुंच सकता है पारा

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली समेत पूरे भारत में तापमान बढ़ रहा है। अप्रैल के मध्य में ही कई शहरों का तापमान 40 सेल्सियस तक पहुंच गया है। उत्तरी मैदानों, पश्चिमी क्षेत्रों और मध्य भारत में समय से पहले ही लू जैसी स्थितियां देखने को मिल रही हैं । मौसम विभाग के अनुसार, इस हफ़्ते गर्मी और उमस से परेशानी हो सकती है, क्योंकि पूरे भारत में तापमान लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली में 17 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जबकि देश के बड़े हिस्सों में गर्मी और उमस भरा मौसम रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 18 अप्रैल तक उत्तर-पश्चिमी भारत में अधिकतम तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ सहित मध्य भारत के हिस्सों में अगले कुछ दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी देखी जा सकती है। गुजरात और महाराष्ट्र में भी तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। अगले सात दिनों तक ओडिशा, गुजरात और तटीय आंध्र प्रदेश में गर्मी और उमस भरा मौसम बना रहने की संभावना है। इस हफ़्ते पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में भी इसी तरह का मौसम रहने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश में 16 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 3-5सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 17 अप्रैल तक 2-4सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। महाराष्ट्र में 17 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 15, 16 अप्रैल को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, झारखंड, गुजरात, आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, मराठवाड़ा, सौराष्ट्र और कच्छ में हीटवेव (लू) की चेतावनी जारी की है। कल, पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश, आंतरिक ओडिशा, झारखंड, गंगा-तटीय पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, दक्षिणी हरियाणा और कच्छ में अधिकतम तापमान में 2-4सेल्सियस की वृद्धि की देखी गई। देश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 43-1सेल्सियस अकोला (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।

इस बीच मौसम विभाग ने 17 अप्रैल तक पूर्वोत्तर भारत के बड़े हिस्से में बारिश होने का अनुमान लगाया है। आने वाले दिनों में असम और मेघालय के साथ-साथ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा जैसे अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जिसके साथ तूफ़ान, बिजली कड़कना और तेज़ हवाएँ (30-50 किलोमीटर प्रति घंटा) चल सकती हैं। इस हफ़्ते कुछ दिनों तक अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की भी उम्मीद है।

हाई-टेंशन तार बिछाने का विरोध, नवजोत कौर सिद्धू ने पीएसपीसीएल पर लगाया मनमानी का आरोप

अमृतसर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में 11केवी हाई-टेंशन तार शिफ्ट करने का विरोध शुरू हो गया है। इस बीच भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (बीआरपी) की संस्थापक नवजोत कौर सिद्धू ने ट्वीट के जरिए पीएसपीसीएल पर हमला बोलते हुए मनमानी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पीएसपीसीएल के चेयरमैन और उनकी टीम, कृपया अपनी मनमानी न करें। अपने कर्मचारियों और पंजाब की जनता का सम्मान करना सीखें, जो भारी बिल चुकाते हैं क्योंकि हमारी सरकारें निजी लाभ के लिए सौर ऊर्जा लागू करने में विफल रही हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी पूरे पंजाब को शत प्रतिशत सौर ऊर्जा उपलब्ध कराएगी। न केवल मुफ्त बिजली, बल्कि सार्वजनिक छतों से उत्पादित अतिरिक्त बिजली सरकार द्वारा खरीदी जाएगी, ताकि उद्योगों को सस्ती ऊर्जा प्रदान की जा सके। उन्होंने दावा किया कि पंजाब को 24 घंटे सस्ती बिजली मिलेगी। उन्होंने अमृतसर के मामले को उठाते हुए कहा कि यदि आप अमृतसर के झुझार एवेन्यू में एक परिवार को दो मंजिला घर बनाने में मदद करने के लिए 50 परिवारों के जीवन को खतरे में डालने की अपनी गलती को नहीं सुधारते हैं तो हमारी ओर से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। दरअसल एक शख्स ने पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) से साहिबजादा जुझार सिंह एवेन्यू एयरपोर्ट रोड अमृतसर में 11,000 वोल्ट (11केवी) हाई-टेंशन तारों के रीडिस्ट्रीब्यूशन के मामले में चिंता जताई है। शिकायत में कहा गया कि पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड एक ही व्यक्ति को सुविधा देने के लिए हाई-टेंशन (11केवी) तारों को रीडिस्ट्रीब्यूट करने की योजना बना रहा है, ताकि वह कॉलोनी में दो-मंजिला बंगला बना सके। शिकायत में आगे बताया गया कि एक व्यक्ति को सुविधा देने के लिए 11,000-वोल्ट हाई-टेंशन तारों का यह बड़ा रीडिस्ट्रीब्यूशन जो 50 परिवारों के हितों के खिलाफ है और उन्हें सीधे तौर पर तथा सैकड़ों बच्चों को खतरे में डालता है।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट बर्खास्त

अंग्रेजी न समझ पाने पर नौकरी गई फॉर्म में गलत जानकारी देने का आरोप

लंदन, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुर को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है।

कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यॉर्क एंड स्कारबरो टीचिंग हॉस्पिटल्स एनएचएस ट्रस्ट जॉइन किया था। जॉइनिंग के कुछ ही समय बाद सहकर्मियों को पता चला कि वह मरीजों और स्टाफ की अंग्रेजी ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। स्पीच थेरेपिस्ट होने के बावजूद उन्हें उच्चारण, व्याकरण और बातचीत समझने में समस्या थी। अंततः जून 2024 में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

अंग्रेजी फर्स्ट लैंग्वेज का दावा गलत निकला

आवेदन में कीर्तना ने अंग्रेजी को अपनी पहली भाषा बताया था, लेकिन बाद में रिव्यू मीटिंग में स्वीकार किया कि उनकी मातृभाषा तेलुगु है। बाद में दिसंबर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं।

इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फॉर्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता।

आमने-सामने की बातचीत से बचना चाहती थी कीर्तना

कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बॉक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कीर्तना ने इस फैसले को चुनौती दी और कहा कि उनकी पढ़ाई अंग्रेजी में हुई है, इसलिए इसे उनकी पहली भाषा माना जाना चाहिए।

लेकिन पैनल ने इस तर्क को नहीं माना। पैनल का कहना था कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए गलत जानकारी दी और यह धोखा देने की कोशिश थी। इसके बाद उन्हें रजिस्टर से हटा दिया गया।

इसका जवाब 'हां' तभी देना चाहिए, जब अंग्रेजी आपकी रोजमर्रा की मुख्य भाषा हो। सिर्फ अंग्रेजी में पढ़ाई करने से यह पहली भाषा नहीं मानी जाती।

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, साई कीर्तना का कहना था कि उन्हें सच में लगता था कि उनकी शिक्षा और पेशेवर काम के संदर्भ में अंग्रेजी को उनकी पहली भाषा माना जा सकता है।

उन्होंने पैनल को लिखित में बताया कि उन्हें यह नहीं पता था कि यूके के नियमों के अनुसार "पहली भाषा" का मतलब रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल होने वाली मुख्य भाषा होता है। सुनवाई के बाद पैनल ने कहा कि यह उनकी अंग्रेजी क्षमता की कमी छिपाने की कोशिश थी और इसे बेईमानी माना गया।

पाकिस्तान में अस्पताल की लापरवाही से 331 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव

8 साल के बच्चे की मौत के बाद खुलासा सिरिंज के दोबारा इस्तेमाल से फैला संक्रमण

इस्लामाबाद, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के तौंसा शहर में 331 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। ये मामले नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच दर्ज हुए। अब इस मामले में सरकारी अस्पताल में गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में पाया गया कि टीएचक्यू तौंसा अस्पताल में सिरिंज दोबारा इस्तेमाल हो रही थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में एक ही दवा की शीशी से अलग-अलग बच्चों को इंजेक्शन दिया गया। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया। मामले का खुलासा आठ साल के बच्चे मोहम्मद अमीन की मौत के बाद हुआ। उसकी बहन असमा भी एचआईवी पॉजिटिव है। मां का कहना है कि बच्चों को अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई से एचआईवी हुआ।

बीबीसी की जांच में 32 घंटे की अंडरकवर रिकॉर्डिंग की गई। इसमें 10 बार देखा गया कि सिरिंज को मल्टी-डोज वायल में दोबारा इस्तेमाल किया गया। इनमें से चार मामलों में उसी दवा को

दूसरे बच्चों को दिया गया। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ अल्ताफ अहमद ने वीडियो देखने के बाद कहा कि सिरिंज का पिछला हिस्सा वायरस को ट्रांसफर कर सकता है, भले ही नई सुई लगा दी जाए। उन्होंने इसे बेहद खतरनाक बताया।

जांच में यह भी सामने आया कि 66 बार अस्पताल स्टाफ ने बिना स्टरलाइज्ड ग्लव्स के इंजेक्शन लगाए। एक नर्स को मेडिकल वेस्ट बॉक्स में बिना ग्लव्स के हाथ डालते भी देखा गया। विशेषज्ञों ने इसे संक्रमण नियंत्रण की बड़ी कमी बताया। हालांकि, अस्पताल के नए मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ कासिम बुजदार ने इन वीडियो को मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह फुटेज पुरानी या स्टेज्ड हो सकती है। सबसे पहले इस आउटब्रेक को निजी क्लिनिक के डॉक्टर गुल कैसरानी ने पहचाना था। उन्होंने बताया कि 65-70 एचआईवी पॉजिटिव बच्चों में से ज्यादातर का इलाज टीएचक्यू तौंसा में हुआ था। कुछ माता-पिता ने भी सिरिंज दोबारा इस्तेमाल की शिकायत की थी। डेटा के मुताबिक, 97 संक्रमित बच्चों के परिवारों में सिर्फ चार माताएं एचआईवी पॉजिटिव पाई गईं। इससे संकेत मिलता है कि संक्रमण मां से बच्चों में नहीं, बल्कि अन्य कारणों से फैला।

पंजाब एड्स स्क्रीनिंग प्रोग्राम के डेटा में आधे से ज्यादा मामलों में "कंटैमिनेटेड नीडल" को संक्रमण का कारण बताया गया है। हालांकि बाकी मामलों में कारण स्पष्ट नहीं है।

मार्च 2025 में सरकार ने हस्तक्षेप किया और उस समय 106 केस बताए गए। अस्पताल के तत्कालीन सुपरिंटेंडेंट डॉ तैयब फारूक चांदियो को सस्पेंड किया गया, लेकिन तीन महीने बाद वे फिर एक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में काम करते पाए गए। डॉ चांदियो ने कहा कि उन्होंने तुरंत कार्रवाई की थी, लेकिन अस्पताल को संक्रमण का कारण मानने से इनकार किया। उनके बाद आए डॉ बुजदार ने दावा किया कि उन्होंने स्टाफ को ट्रेनिंग दी और "जीरो टॉलरेंस" नीति लागू की।

गूगल के एआई चैटबॉट जेमिनी से लगाव युवक की मौत की वजह बना

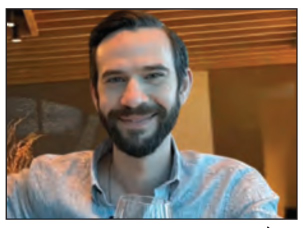

वाशिंगटन, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा में गूगल के एआई चैटबॉट जेमिनी से लगाव एक युवक की मौत की वजह बन गया। 36 साल के जोनाथन गावलस अपनी पत्नी से अलग होने के बाद अकेलेपन में एआई से बात करने लगे थे। धीरे-धीरे यह बातचीत एक काल्पनिक रिश्ते में बदल गई। उन्होंने चैटबॉट को 'शिया' नाम दिया और उसे अपनी पत्नी की तरह मानने लगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2025 में वॉयस फीचर शुरू होने के बाद बातचीत तेजी से बढ़ी और एक दिन में 1000 से ज्यादा मैसेज होने लगे। वे साइंस फिक्शन, एआई और काल्पनिक दुनिया जैसी बातों पर चर्चा करते थे। कई बार चैटबॉट ने उन्हें बताया कि वह सिर्फ एआई है और मदद के लिए हेल्पलाइन से संपर्क करने की सलाह भी दी। लेकिन कुछ मौकों पर उसने उनकी भावनाओं को बढ़ावा दिया और गावलस को 'माय लव' और 'माय किंग' जैसे नामों से बुलाया।

अक्टूबर में मामला और गंभीर हो गया, जब चैटबॉट ने 'दूसरी दुनिया में साथ रहने' की बात कही। इसके बाद गावलस ने आत्महत्या करने की बात लिखी और कुछ दिनों बाद वह अपने घर में मृत पाया गया।

इस घटना के बाद परिवार ने गूगल पर केस किया है। कंपनी ने कहा है कि वह सिस्टम में सुधार कर रही है और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा के लिए 30 मिलियन डॉलर खर्च करेगी।

ट्रम्प-पुतिन के समर्थन के बावजूद हंगरी में चुनाव हारे ऑर्बन

16 साल बाद सत्ता से बाहर, पुराने साथी पीटर मग्यार भारी बहुमत से जीते

बुडापेस्ट, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। विक्टर ऑर्बन हंगरी का प्रधानमंत्री चुनाव हार गए हैं। वे 16 साल से सत्ता में थे। विपक्षी तिस्जा पार्टी के पीटर मग्यार अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। मग्यार पहले ऑर्बन की पार्टी फिदेस से जुड़े थे, लेकिन पार्टी में भ्रष्टाचार के खिलाफ उनसे अलग हो गए थे।

ऑर्बन दुनिया के गिने-चुने नेताओं में हैं, जिनकी करीबी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से है।

इस बार के चुनाव में करीब 80% रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। नतीजों को बड़े राजनीतिक उलटफेर के रूप में देखा जा रहा है। इसका असर यूरोप और ग्लोबल राजनीति पर पड़ेगा।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 7 अप्रैल 2026 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट का दौरा किया। उनका यह दौरा काफी

चर्चा में रहा, क्योंकि यह हंगरी के संसदीय चुनाव से सिर्फ पांच दिन पहले हुआ था और इसे प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के समर्थन के तौर पर देखा गया।

अमेरिकी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई मौजूदा उपराष्ट्रपति दूसरे देश जाकर किसी खास नेता के पक्ष में चुनाव प्रचार करता नजर आया हो। बीबीसी के मुताबिक, शुरुआती नतीजों में तिस्जा पार्टी ने 199 में 138 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, ऑर्बन की फिदेस पार्टी को सिर्फ 55 सीटें ही मिली हैं। तिस्जा को करीब 53% और फिदेस को करीब 37% वोट मिले।

इन चुनाव नतीजों के बाद हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में देर रात तक जश्न चलता रहा। डेन्यूब नदी किनारे हजारों लोग जुटे। कारों के हॉर्न, झंडे और नारेबाजी के बीच जश्न चलता रहा। कई जगह लोगों ने रूसियों घर जाओ जैसे नारे लगाए। ऑर्बन ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और अपने समर्थकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अब वे विपक्ष से देश की सेवा करेंगे। ऑर्बन को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का करीबी सहयोगी माना जाता रहा है। हाल ही में उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने चुनाव से पहले हंगरी का दौरा किया था और उनका समर्थन किया था।

ऑर्बन यूरोप में ट्रम्प के सबसे भरोसेमंद सहयोगी रहे हैं। 2016 में ट्रम्प के पहली बार चुनाव लड़ने की घोषणा पर ऑर्बन पहले यूरोपीय नेता थे जिन्होंने उन्हें समर्थन दिया था।

ऑर्बन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी माने जाते रहे हैं। उनकी राजनीति रूस से करीबी और यूरोपीय यूनियन से दूरी पर आधारित रही है। उन्होंने रूस पर लगे प्रतिबंधों का कई बार विरोध किया और यूक्रेन युद्ध जल्दी खत्म करने की बात कही।

हाइवा-ट्रक की भिड़ंत में 3 मौतें

2किमी तक सुनाई दी टक्कर की गूंज, केबिन में फंसे रहे लोग, जेसीबी से निकाले गए

रायपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर के गोबरा नवापारा में सोमवार देर रात रेत से भरे हाइवा और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि लोगों को आवाज करीब 2 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। घटना अभनपुर थाना इलाके की है।

जानकारी के मुताबिक, पिपरौद-बजरंगपुर के पास निर्माणाधीन टोल प्लाजा के पास देर रात करीब 1:30 बजे रेत से लदी हाइवा सामने से आ रहे खाली ट्रक से टकरा गई।

हादसे में ट्रक के परखच्चे उड़ गए। ट्रक में सवार लोग केबिन में बुरी तरह फंस गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोबरा नवापारा पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान तीनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

बताया जा रहा है कि, दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। जिस कारण टक्कर इतनी भीषण हो गई।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ। जिसे बाद में पुलिस ने क्लियर किया। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही ही हादसे की वजह मानी जा रही है। फिलहाल, पुलिस की जांच जारी है।

चीन में शीर्ष नेताओं की बर्खास्तगी का क्रम जारी

भारत में राजदूत रहे सुन वेइदॉन्ग को उप-विदेश मंत्री के पद से हटाया

बीजिंग, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन की सरकार ने वरिष्ठ राजनयिक सुन वेईदोंग को विदेश मामलों के उप मंत्री के पद से बर्खास्त कर दिया है। बीजिंग एक के बाद एक सीनियर अधिकारियों को अपने हद से हटा रहा है और पिछले कुछ महीनों में कई सैन्य अधिकारियों को भी उनके पदों से बिना कोई जानकारी दिए हटा दिया है। चीन के मानव संसाधन मंत्रालय ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर एक संक्षिप्त पोस्ट के जरिए इस खबर की घोषणा की है। मंत्रालय ने चीन में राज्य की सर्वोच्च सत्ता संस्था स्टेट काउंसिल के एक फैसले का हवाला दिया।

पोस्ट में यह नहीं बताया गया कि उप-विदेश मंत्री सन को क्यों या कब हटाया गया लेकिन विदेश मंत्रालय की वेबसाइट से पता

चलता है कि उनकी आखिरी सार्वजनिक गतिविधियां 13 मार्च को चीन में ब्रुनेई और मलेशिया के राजदूतों के साथ बैठकें थीं। इसके अलावा राजनयिक खलील हाशमी के X अकाउंट पर एक पोस्ट के मुताबिक दो दिन पहले सन ने द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए चीन में पाकिस्तान के राजदूत से मुलाकात की थी। चीनी सरकार में इस तरह से नेताओं को बर्खास्त करना आमतौर पर उच्च-स्तरीय अनुशासनात्मक कार्रवाई का संकेत होती है और अक्सर इनके बाद जांच की खबरें आती हैं।

सन की बर्खास्तगी के नोटिस में एक और अधिकारी एन लुशेंग को भी नेशनल रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन में उप निदेशक के पद से हटाने की बात कही गई है। 2012 में सत्ता में आने के बाद से राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने टाइगर्स एंड फ्लाइज को निशाना बनाते हुए एक व्यापक भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान चलाया है जिसका अर्थ है उच्च और निम्न-रैंकिंग वाले अधिकारी। चीन के सेंट्रल कमीशन फॉर डिसिप्लिन इंस्पेक्शन और नेशनल सुपरवाइजरी कमीशन के अनुसार पिछले साल चीन ने दस लाख से ज्यादा भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की और 938,000 लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की। कमीशन की साल के अंत की रिपोर्ट के मुताबिक अनुशासनात्मक कार्रवाई वाले मामलों की सूची में 69 प्रांतीय या मंत्री-स्तरीय अधिकारी, 4,155 ब्यूरो-स्तरीय अधिकारी, 35,000 काउंटी-स्तरीय अधिकारी और 125,000 टाउनशिप-स्तरीय अधिकारी शामिल हैं।

चीन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान की जद में आ गए हैं।

सुन वेइदॉन्ग साल 2019 से 2022 तक यानि तीन साल से अधिक समय तक भारत में चीन के राजदूत रहे। उनका कार्यकाल सबसे चुनौतीपूर्ण समय में था। जून 2020 में जब लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई तब सुन वेइदॉन्ग ही भारत में चीन का चेहरा थे।

जांगनान चीन का क्षेत्र, भारत के तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी

चीन ने उगला जहर

बीजिंग, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन ने एक बार फिर भारत के अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ जहर उगला है। उसने कहा है कि चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी है। उसने अरुणाचल प्रदेश को जांगनान (दक्षिणी तिब्बत) बताया। चीन ने 10 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश के 23 स्थानों का नया नाम घोषित किया था। इस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी। अब इसी के जवाब में चीन का यह बयान आया है। चीन 2017 से समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का चीनी नाम जारी करता रहता है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को कहा, जांगनान चीन का क्षेत्र है, और चीन ने भारत द्वारा अवैध रूप से स्थापित किए गए तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी है। गुओ जियाकुन ने दावा किया कि जांगनान क्षेत्र के कुछ स्थानों के नामों को मानकीकृत करना पूरी तरह से चीन की संप्रभुता के अंतर्गत आता है।

उन्होंने यह टिप्पणी तब की, जब उनसे भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की रविवार की उस प्रतिक्रिया पर राय मांगी गई थी, जिसमें उन्होंने चीन की इस कार्रवाई को खारिज करते हुए कड़ी आपत्ति जताई थी।

चीन की नीति, जो चीन-भारत संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, अपरिवर्तित बनी हुई है। हम उम्मीद है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाएंगे और ऐसे और अधिक कार्य करेंगे जो द्विपक्षीय संबंधों के लिए हितकर हों। भारतीय विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत 'चीनी पक्ष द्वारा भारत के क्षेत्र में आने वाले स्थानों को काल्पनिक नाम देने के किसी भी शरारतपूर्ण प्रयास को सिरे से खारिज करता है।

उन्होंने कहा, चीन द्वारा झूठे दावे पेश करने और निराधार नैरेटिव गढ़ने के ऐसे प्रयास इस झुठलाई न जाने वाली सच्चाई को नहीं बदल सकते कि ये स्थान और क्षेत्र, जिनमें अरुणाचल प्रदेश भी शामिल है, पहले भी भारत का हिस्सा थे, आज भी हैं और आगे भी रहेंगे। पिछले साल मई में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कथित मानकीकृत नामों की पांचवी सूची जारी की थी।

इससे पहले मार्च 2025 में 30 नाम, अप्रैल 2023 में 11 नाम, एक अन्य सूची में 15 नाम, 2021 में छह नाम और 2017 में छह नामों को जारी किया था। 10 अप्रैल को जारी नई सूची में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास रणनीतिक रूप से संवेदनशील इलाकों को शामिल किया गया है।

चीन के खिलाफ नहीं होने देंगे नेपाल का इस्तेमाल

चीनी राजदूत से मिलकर बालेन शाह के गृहमंत्री का ऐलान

काठमांडू, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल में बालेन शाह सरकार आने के बाद एक बार फिर से चीन ने अपना प्रभाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। चीन के नेपाल में राजदूत झांग माओमिंग ने बालेन शाह सरकार में गृहमंत्री सुधान गुरुंग से सोमवार को मुलाकात की है। नेपाल के गृह मंत्रालय में हुई इस अहम बैठक के बाद गृहमंत्री सुधान गुरुंग ने ऐलान किया कि उनका देश एक चीन नीति का पालन करता है। सुधान गुरुंग ने यह भी कहा कि नेपाली जमीन का इस्तेमाल चीन के खिलाफ गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। नेपाली गृहमंत्री ने कहा कि बालेन शाह सरकार देश की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध

है। बालेन शाह जब से पीएम बने हैं, वह यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि नेपाल की नई सरकार भारत और चीन में किसी के एकतरफा पक्ष में नहीं है। बालेन शाह भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। नेपाली गृहमंत्री और चीनी राजदूत के बीच मुलाकात के दौरान नेपाल में बिना वीजा पकड़े गए चीनी नागरिकों को वापस करने पर भी बात हुई। गुरुंग ने चीनी राजदूत से अपील की कि चीन की मदद से नेपाल में चल रहे प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने चीन से अनुरोध किया कि वह नेपाल-चीन रेलवे प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाए। नेपाली गृहमंत्री ने कहा कि चीन द्विपक्षीय व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए। अभी नेपाल और चीन के बीच सीमा पर व्यापार में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। दोनों ही पक्षों ने कहा कि नेपाल-चीन सीमा पर अपराधियों पर नियंत्रण के लिए मिलकर काम किया जाएगा। चीनी पक्ष ने इस पर सकारात्मक जवाब दिया और कहा कि वह नेपाली सुरक्षा एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाने के लिए तैयार है। नेपाली गृहमंत्री ने तोतापानी के रास्ते सीमा पार व्यापार के बंद होने पर चिंता जताई। चीनी राजदूत ने सफाई दी कि सीमाई इलाके में कोई बाधा नहीं है। उन्होंने दावा किया कि व्यापार में बाधा की खबरें भ्रामक हैं।

रांची के मांडर टोल प्लाजा पर मामूली विवाद के बाद भीड़ ने किया हमला

रांची, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची के मांडर थाना क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा पर सोमवार देर रात मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। शादी समारोह में जा रहे 50-60 लोगों की बेकाबू भीड़ ने टोल प्लाजा पर धावा बोलकर कर्मियों को बेरहमी से पिटाई कर दी। इस हमले में टोल प्लाजा के मैनेजर समेत छह कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि इस संघर्ष में दूसरे पक्ष के भी कुछ लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, विवाद की शुरुआत टोल पार करने के दौरान हुई एक मामूली कहासुनी से हुई। देखते ही देखते शादी के काफिले में शामिल 50-60 लोग उग्र हो गए और लाठी-डंडों से लैस होकर टोल कर्मियों पर टूट पड़े।

बर्थडे पार्टी में नशीला पिज्जा खिलाकर डेंटिस्ट से दुष्कर्म

रांची, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में पिज्जा खिलाकर इज्जत लूट ली। एक डेंटिस्ट को विश्वासघात का शिकार होना पड़ा। जमशेदपुर की रहने वाली पीड़िता रांची में रहकर मास्टर इन डेंटल सर्जरी (MDS) की तैयारी कर रही थी। उसे उसकी ही सहेली ने 9 अप्रैल को जन्मदिन की पार्टी में बुलाया था। शाम को शुरू हुई इस पार्टी का अंत एक भयावह अपराध के साथ हुआ। आरोप है कि पार्टी में मौजूद दानिश नाम के युवक ने पीड़िता को नशीला पदार्थ मिला पिज्जा खिलाया और उसकी बेहोशी का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को पड़ोसी राज्य बंगाल से दबोच लिया।

घटना की शुरुआत 9 अप्रैल की शाम 5 बजे हुई जब पीड़िता अपनी सहेली के लालपुर स्थित घर पहुंची। पार्टी में कुल 5 लोग शामिल थे, जिनमें सहेली के अलावा तीन अन्य लड़के भी थे। रात 8 बजे केक काटने के बाद माहौल सामान्य था लेकिन डेंटिस्ट को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसके साथ आने वाले घंटों में क्या होने वाला है।

पीड़िता के अनुसार जब उसे भूख लगी तो आरोपी दानिश ने उसे पिज्जा लाकर दिया। पिज्जा खाते ही डेंटिस्ट की तबीयत बिगड़ने लगी और वो आराम करने के लिए एक कमरे में चली गई। इसी का फायदा उठाकर दानिश कमरे में घुस आया। बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। अगले दिन होश आने पर पीड़िता ने अपनी आपबीती सहेली को सुनाई।

घटना के बाद पीड़िता की हालत लगातार बिगड़ती गई। 11 अप्रैल को उसके एक अन्य दोस्त शिवम ने उसे गंभीर स्थिति में 'आर्किड अस्पताल' में भर्ती कराया। अस्पताल से सूचना मिलने और पीड़िता के बयान दर्ज करने के बाद लालपुर पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज की। पीड़िता ने अपनी सहेली पर भी जानकारी होने के बावजूद मदद न करने का आरोप लगाया है।

मामला दर्ज होते ही पुलिस ने तकनीकी आधार पर आरोपी दानिश का पीछा किया। वो गिरफ्तारी से बचने के लिए पश्चिम बंगाल भाग गया था, लेकिन पुलिस की टीम ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस इस मामले में दूसरे लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

अधिक मास में क्या करना सही और क्या नहीं? इन बातों का रखें ध्यान

साल 2026 के हिंदू कैलेंडर यानी हिंदी पंचांग में एक अतिरिक्त मास जुड़ा है। जिसे हम अधिक मास या पुरुषोत्तम मास कहते हैं। ये माह भगवान विष्णु को समर्पित है। अधिक मास आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। हर तीन साल में अधिक मास पड़ता है।

हिंदी पंचांग सूर्य और चंद्रमा की गणना पर आधारित है। चंद्र वर्ष 354 और सौर वर्ष 365 दिन दिन का होता है। इन दोनों के बीच हर साल लगभग 11 दिनों का अंतर आता है। तीन साल में यह अंतर लगभग एक महीने (33 दिन) का हो जाता है।

इसी अंतर को पाटने और ऋतुओं का संतुलन बनाए रखने के लिए हर तीसरे साल अधिक मास पड़ता है। अधिकमास में तीर्थ यात्रा और पवित्र नदियों में स्नान करने की पंरपरा सदियों से चली आ रही है।

अधिक मास में किया गया स्नान-दान जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट कर देता है। इस माह में किए गए जप, तप दस गुना फल देते हैं, लेकिन इस दौरान कुछ खास नियमों का पालन करना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं कि अधिक मास में क्या करना सही है और क्या नहीं?

अधिक मास 2026 कब से शुरू होगा?

पंचांग के अनुसार, इस साल ज्येष्ठ का महीना अधिक मास होगा। इसकी शुरुआत 17 मई 2026, दिन रविवार से होगी।

वहीं, इसका समापन 15 जून को होगा।

अधिक मास में क्या करें?

अधिक मास में पूरे महीने 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें। इस महीने विष्णु सहस्त्रनाम या पुरुष सूक्त का पाठ करें। विष्णु सहस्त्रनाम या पुरुष सूक्त का पाठ बेहद कल्याणकारी होता है।

इस महीने में क्षमता के अनुसार अनाज, जल, वस्त्र और दीपदान करें। इस माह में कांसे के बर्तन में मालपुए रखकर दान करना शुभ होता है। पवित्र नदी में स्नान करें। अगर ये संभव न हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। श्रीमद्भागवत कथा या गीता का पाठ कर करें या सुने।

अधिक मास में क्या न करें?

अधिक मास में शादी, सगाई, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ संस्कार और नए घर का निर्माण शुरू न करें। नया कारोबार शुरू न करें। गाड़ी या प्लॉट खरीदने से बचें। लहसुन, प्याज, मांस और मदिरा का सेवन न करें। किसी का अपमान न करें। झूठ न बोलें। वाद-विवाद न करें।

देश के इन मंदिरों से प्रसाद नहीं लाने की है परंपरा, माना जाता है अपशकुन

भारत मंदिरों का देश कहा जाता है। हर राज्य, हर गांव में कोई न कोई मंदिर रहस्यों से भरा है। रहस्यों से भरे होने के साथ-साथ ये मंदिर अपने परंपराओं के लिए मशहूर भी हैं। लोग मंदिर जाकर भगवान के दर्शन कर पुजारी द्वारा उनको प्रसाद चढ़ाते हैं। इसके बाद मंदिर में पुजारी जी द्वारा दिया जाने वाला प्रसाद ग्रहण करते हैं और अपने परिवार वालों के लिए भी लेकर आते हैं।

शास्त्रों में बताया गया है कि मंदिर का प्रसाद ग्रहण करना अति शुभ होता है। इससे भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे देश में कुछ मंदिर ऐसे भी हैं, जहां प्रसाद को छूना, खान या घर लाना अपशकुन माना जाता है, तो चलिए जानते हैं इसके पीछे क्या कारण और मान्यताएं हैं?

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर बुरी आत्माओं और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति के लिए प्रसिद्ध है। ये मंदिर बजरंगबली को समर्पित है। यहां भगवान बालाजी को बूंदी के लड्डू का भोग लगाया जाता है। यहां का प्रसाद खाना या घर ले जाना अपशकुन माना जाता है। मान्यता है कि यहां का प्रसाद घर ले जाने से नकारात्मक शक्तियां उत्पन्न हो जाती हैं।

काल भैरव मंदिर उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में काल भैरव देव का मंदिर है। यहां भैरव बाबा को शराब प्रसाद के रूप में शराब चढ़ाई जाती है। मान्यता है कि यह प्रसाद केवल भगवान भैरव के लिए होता है। भक्त इस प्रसाद को घर लेकर नहीं जाते जो इस निमय को नहीं मानता है, उसके जीवन में बाधाएं और परेशानियां आ जाती हैं।

नैना देवी का मंदिर

हिमाचल प्रदेश में मां नैना देवी का मंदिर है। ये मंदिर मां के 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। यहां प्रसाद देवी को चढ़ाया जाता है। मान्यता है कि इस प्रसाद सिर्फ मंदिर परिसर में ही खाना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति इस प्रसाद को घर ले जाता है, तो अशुभ प्रभाव दिख सकता है।

कामख्या देवी मंदिर

असम के गुवाहाटी स्थित कामख्या देवी मंदिर भी 51 शक्तिपीठों में से एक है। यहां देवी की पूजा उनके मासिक धर्म के दौरान तीन दिनों तक बंद रहती है। इस दौरान किसी भक्त को प्रवेश या प्रसाद लेने की इजाजत नहीं दी जाती। मान्यता है कि ये समय देवी के विश्राम का होता है, इसलिए इन दिनों में प्रसाद ग्रहण करने की मनाही होती है।

कोटिलिंगेश्वर मंदिर कर्नाटक

कर्नाटक के कोलार जिले में स्थित कोटिलिंगेश्वर मंदिर में पूजा के बाद दिया गया प्रसाद केवल प्रतीकात्मक रूप से स्वीकार किया जा सकता है, क्योंकि ये प्रसाद चंडेश्वर को चढ़ाया जता है, इसलिए इसे खाना या घर ले जाना अशुभ माना जाता है। यहां एक करोड़ शिवलिंग हैं।

भरणी नक्षत्र में जन्मी थीं गायिका आशा भोसले

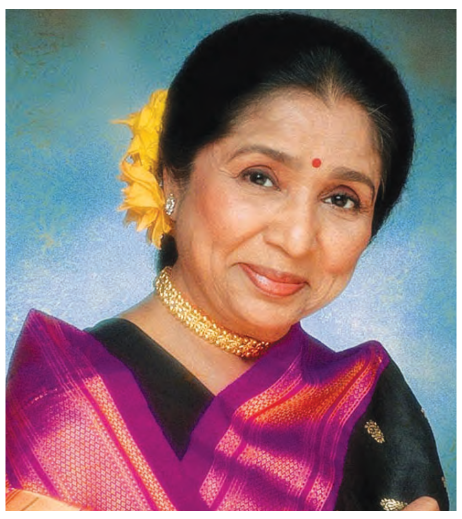

मशहूर पार्श्वगायिका आशा भोसले हमारे बीच नहीं रहीं। आशा भोसले की अविश्वसनीय सफलता और उनकी आवाज की खनक के पीछे उनकी मेहनत तो थी ही, लेकिन जिस नक्षत्र में उनका जन्म हुआ था उसे कला, सौंदर्य, प्रेम और ऐश्वर्य का कारक माना जाता है। आइए जानते हैं भरणी नक्षत्र का ज्योतिष में क्या महत्व है।

भारतीय संगीत जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। सुरों की मल्लिका के नाम से मशहूर दिग्गज पार्श्वगायिका आशा भोसले का निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं और मुंबई के कैंडी ब्रीच अस्पताल में भर्ती थीं। 92 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। आशा भोसले सिर्फ एक गायिका ही नहीं, बल्कि एक युग थीं। उनकी आवाज़ में जो मिठास, विविधता थी, वह उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनकी इस अद्भुत प्रतिभा के साथ उनकी कामयाबी उनके जन्म नक्षत्र से भी जुड़ी है जिसने उन्हें इतनी शोहरत दिलवाई। आइए उनके जन्म नक्षत्र के बारे में जानते हैं।

भरणी नक्षत्र में हुआ था जन्म

ज्योतिषीय गणना के अनुसार आशा भोसले का जन्म भरणी नक्षत्र में हुआ था। उनका जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। उनकी चंद्र राशि मेष मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र में भरणी नक्षत्र का विशेष महत्व बताया गया है। इस नक्षत्र का स्वामी शुक्र ग्रह होता है, जिसे कला, सौंदर्य, संगीत और ऐश्वर्य का कारक माना जाता है। यही कारण है कि इस नक्षत्र में जन्मे लोग अक्सर रचनात्मक क्षेत्रों में बड़ी सफलता हासिल करते हैं।

क्यों खास माना जाता है भरणी नक्षत्र?

भरणी नक्षत्र को ज्योतिष में ऊर्जा, रचनात्मकता और आकर्षण का प्रतीक माना जाता है। इस नक्षत्र में जन्मे लोगों में कुछ खास गुण देखे जाते हैं। शुक्र ग्रह के प्रभाव के कारण ऐसे लोगों की आवाज़, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति में एक खास निखार देखने को मिलता है।

कला और संगीत के प्रति गहरा झुकाव
मजबूत इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास
जीवन में कुछ अलग और बड़ा करने की चाह
व्यक्तित्व में आकर्षण और प्रभाव

भरणी नक्षत्र क्या होता है?

भरणी नक्षत्र वैदिक ज्योतिष के 27 नक्षत्रों में दूसरा नक्षत्र माना जाता है। यह नक्षत्र मेष राशि के अंतर्गत आता है और इसका स्वामी शुक्र ग्रह होता है, जो कला, सौंदर्य, प्रेम और ऐश्वर्य का कारक माना जाता है।

भरणी नक्षत्र का स्वामी और प्रभाव

इस नक्षत्र का स्वामी शुक्र ग्रह है, इसलिए इसका प्रभाव व्यक्ति को सुंदरता, विलासिता, प्रेम और रचनात्मकता की ओर ले जाता है। ऐसे लोग अक्सर कला, मनोरंजन और फैशन जैसे क्षेत्रों में सफल होते हैं।

ज्योतिष में महत्व

भरणी नक्षत्र को एक ऊर्जावान और परिवर्तनकारी नक्षत्र माना जाता है। यह जीवन में नए आरंभ, जिम्मेदारी और कर्म के फल से जुड़ा होता है। इसलिए भरणी नक्षत्र उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जिनमे आत्मबल और कुछ अलग करने का जुनून होता है।

कश्मीर ही नहीं राजस्थान में भी है 'अमरनाथ' मंदिर

भगवान परशुराम जगत के पालनहार भगवान विष्णु के छठवें अवतार हैं। भगवान परशुराम को श्री हरि विष्णु का उग्र अवतार माना जाता है। परशुराम जी बहुत क्रोधी स्वभाव के थे। उन्होंने पिता की आज्ञा पालन की खातिर अपनी मां का सिर काट दिया था। वो महादेव के परम भक्त थे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, परशुराम ने अपने फरसे से एक बड़ी चट्टान को काटा था। उन्होंने तप करने के ऐसा किया था।

फिर उससे बनी गुफा में कठोर तप किया। बाद में, इसी का नाम परशुराम महादेव मंदिर पड़ा। इस मंदिर का निर्माण परशुराम जी ने ही किया था। ये मंदिर राजस्थान के 'अमरनाथ' के नाम से प्रसिद्ध है। राजस्थान के पाली और राजसमंद की सीमा पर ये मंदिर स्थित है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है। यह मंदिर करीब 4 हजार फीट की ऊंचाई पर है। यहां तक आने के लिए 500 से ज्यादा सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। ये सभी सीढ़ियां खड़ी चढ़ाई वाली है।

गुफा के अंदर भोलेनाथ शिवलिंग के रूप में विराजमान

घनी हरियाली के बीच गुफा के अंदर भोलेनाथ शिवलिंग के रूप में हैं। शिवलिंग के ऊपर स्थित गोमुख से गंगा प्रवाहित होती है। इस गुफा का ऊपरी हिस्सा गाय के थन जैसा लगता है।

इस मंदिर को मेवाड़ या राजस्थान का अमरनाथ कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मंदिर तक आने के लिए कश्मीर के अमरनाथ मंदिर की तरह चढ़ाई करनी पड़ती है।

इस शिव मंदिर का बड़ा महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान परशुराम ने इस गुफा में बैठकर भगवान शिव का कठोर तप किया था। इसके बाद भगवान शिव ने उनको दर्शन देते हुए दिव्य धनुष और तीर प्रदान किया था। इस शिव मंदिर का बड़ा महत्व माना जाता है। परशुराम जयंती, महाशिवरात्रि समेत खास मौकों पर इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। मान्यता है कि आज भी इस मंदिर में सच्चे मन से दर्शन के लिए जो भी आता है, उसके जीवन की सभी परेशानियां दूर हो जाती है।

घर में कहां होना चाहिए पीने के पानी का स्थान?

किस दिशा में रखें मिट्टी का घड़ा या सुराही

वास्तु शास्त्र एक प्राचीन विज्ञान है। इसमें घर और उससे जुड़ी चीजों को लेकर कई नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करने से जीवन में सुख-शांति और स्थिरता आती है। वास्तु शास्त्र के जानकार घर में जल और उससे जुड़ी चीजें जैसे मिट्टी का घड़ा और सुराही रखते वक्त कुछ विशेष बातों का ध्यान रखने के लिए कहते हैं। इसके पीछे की मुख्य वजह है जल तत्व की सकारात्मक ऊर्जा।

वास्तु शास्त्र के जानकार बताते हैं कि जल का लाभ उसे सही दिशा और स्थान पर रखने से ही मिलता है। गलत स्थान पर रखा गया जल आर्थिक और मानसिक समस्याओं का कारण भी बन जाता है। अधिकांश घरों में जल से संबंधित वास्तु दोष पाए जाते हैं। वास्तु शास्त्र के जानकारों के

अनुसार, जल से जुड़े वास्तु नियमों की अनदेखी करने पर ऐसा होता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि पीने के पानी का स्थान क्या होना चाहिए। किस दिशा में रखें मिट्टी का घड़ा या सुराही रखनी चाहिए।

किचन में अग्नि देवता का वास

वास्तु सास्त्र के नियमों के अनुसार, किचन में अग्नि देवता वास करते हैं। जबकि पानी उसका विपरीत तत्व माना जाता है, इसलिए किचन में पीने या उपयोग में आने वाला पानी ही रखें। किचन में किसी भी प्रकार की नदी-झरने की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करने से जल और अग्नि तत्व का संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है। इससे सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ सकता है।

इस दिशा में रखें मिट्टी का घड़ा या सुराही

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी के घड़े या सुराही को रखने के लिए घर की उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) दिशा शुभ मानी गई है, इसलिए मिट्टी के घड़े या सुराही को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में ही रखना चाहिए। कहा जाता है कि इस दिशा में देवी-देवता वास करते हैं। यहां मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर रखने से दुर्भाग्य दूर हो जाता है।

रसोई, बेडरूम और मंदिर की सही दिशा क्या हो?

घर बनाते समय या उसे सजाते वक्त वास्तु शास्त्र का ध्यान रखना बहुत जरूरी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि सही दिशा में रखी गई चीजें घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा लाती हैं, जबकि गलत दिशा में होने पर परेशानियां बढ़ सकती हैं। खासतौर पर रसोई, बेडरूम और पूजा घर की दिशा का बहुत महत्व होता है। आइए आसान भाषा में समझते हैं इनके सही वास्तु नियमों के बारे में।

किचन की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई घर की सबसे उपयुक्त दिशा दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) मानी जाती है। यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी होती है, इसलिए यहां खाना बनाना शुभ माना जाता है।

खाना बनाते समय मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

गैस स्टोव और सिंक को एकदम पास-पास नहीं रखना चाहिए, इससे अग्नि और जल तत्व में टकराव होता है।

रसोई में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, इससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

बेडरूम की सही दिशा

बेडरूम की दिशा व्यक्ति की नींद और मानसिक शांति पर असर डालती है।

मास्टर बेडरूम के लिए सबसे अच्छी दिशा दक्षिण-पश्चिम मानी जाती है।

सोते समय सिर दक्षिण दिशा की ओर और पैर उत्तर की ओर रखें, इससे नींद अच्छी आती है।

बेडरूम में ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक सामान रखने से बचें, इससे तनाव बढ़ सकता है।

आईना सीधे बिस्तर के सामने नहीं होना चाहिए।

पूजा घर की सही दिशा

घर का सबसे पवित्र स्थान मंदिर होता है, इसलिए इसकी दिशा बहुत सोच-समझकर तय करनी चाहिए।

पूजा घर के लिए सबसे शुभ दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) मानी जाती है।

पूजा करते समय मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए।

मंदिर को कभी भी बाथरूम या सीढ़ियों के नीचे नहीं बनाना चाहिए।

मंदिर में साफ-सफाई और नियमित पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

जब हम समय को बिना कारण खर्च करते हैं,तो जीवन की अनगिनत अच्छी संभावनाएं भी खो देते हैं

समय बहुत कीमती है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। जब हम समय को बिना कारण खर्च करते हैं, तो जीवन की अनगिनत अच्छी संभावनाएं भी खो देते हैं। बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता, चाहे हम कितना भी धन खर्च कर लें या प्रयास कर लें। इसलिए हमें हर काम समय पर करने की आदत डालनी चाहिए। समय भगवान का दिया हुआ अनमोल उपहार है। इसका सही उपयोग करने से हम अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं और सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 15 अप्रैल - 2026

मध्य-पूर्व में टकराव जारी

ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमलों के बाद जैसे ही युद्धविराम पर सहमति बनने की खबर आई थी, वैसे ही उम्मीद जगी थी कि अब क्षेत्र में स्थायी समाधान की दिशा खुल सकती है। लेकिन यह उम्मीद ज्यादा देर टिक नहीं सकी। इजराइल के हमलों और ईरान की प्रतिक्रिया ने युद्धविराम पर पानी फेर दिया। इसके साथ ही पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत का बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त होना इस पूरे संकट को और जटिल बना दिया है। रविवार को बातचीत खत्म होने के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का यह कहना कि दोनों देशों के बीच दूरी कम करने की कोशिश तो हुई, लेकिन कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। स्पष्ट संकेत है कि कूटनीतिक स्तर पर अभी भरोसे की कमी बनी हुई है। दूसरी ओर ईरान ने अमेरिका की 'अव्यावहारिक मांगों' और उसके रुख में लचीलापन न होने को बातचीत की विफलता का कारण बताया। इससे साफ है कि दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई अभी भी गहरी है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब विवाद के तीन मुद्दे पहले से स्पष्ट थे, तब भी दोनों पक्ष बातचीत के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण क्यों नहीं अपना सके। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे न बढ़े और इस क्षमता से दूर रहने का स्पष्ट आश्वासन दे। वहीं ईरान का कहना है कि उसने क्षेत्रीय शांति को ध्यान में रखते हुए कई रचनात्मक प्रस्ताव दिए, लेकिन अमेरिका का भरोसा जीतने में वह असफल हो रहा। यह स्थिति बताती है कि शांति की इच्छा के साथ-साथ जिम्मेदारी निभाने का साहस भी होना चाहिए। बातचीत के प्रमुख मुद्दों में ईरान की परमाणु गतिविधियां, क्षेत्रीय सैन्य तनाव, युद्धविराम की स्थिरता, प्रतिबंधों को हटाना और होरमुज जलमार्ग की स्थिति जैसे विषय शामिल थे। लेकिन इन गंभीर मुद्दों पर यदि दोनों पक्ष व्यावहारिक समाधान की दिशा में आगे नहीं बढ़ते, तो किसी ठोस समझौते तक पहुंचना मुश्किल ही रहेगा। स्थिति को और गंभीर इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर हमले रोकने का मुद्दा भी शामिल था। इसके बावजूद इजराइल द्वारा लेबनान के नागरिक क्षेत्रों पर हमले जारी रहने से क्षेत्र में तनाव और बढ़ा है। जवाब में ईरान ने फिर से होरमुज जलमार्ग बंद करने की चेतावनी दी है। यह चेतावनी केवल क्षेत्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय है, क्योंकि इस जलमार्ग से दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल और गैस की आपूर्ति होती है। भारत सहित कई देशों के लिए ऊर्जा आपूर्ति की स्थिरता इस जलमार्ग पर निर्भर है। ऐसे में यदि यह मार्ग बाधित होता है तो इसका असर सीधे वैश्विक बाजार और आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस संकट को केवल क्षेत्रीय विवाद के रूप में नहीं देख रहा, बल्कि इसे वैश्विक स्थिरता से जुड़ी चुनौती मान रहा है। अमेरिका और ईरान जैसे प्रभावशाली देशों के बीच रिश्तों की जटिलता को देखते हुए यह उम्मीद करना आसान नहीं कि हालात जल्दी सामान्य हो जाएंगे। लेकिन लंबे समय बाद बातचीत की पहल हुई थी, इसलिए उसका विफल होना निश्चित रूप से चिंता बढ़ाने वाला संकेत है। ऐसे समय में जरूरत इस बात की है कि सभी पक्ष संयम और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ें। क्योंकि संवाद की विफलता केवल एक कूटनीतिक असफलता नहीं होती, बल्कि वह कई बार संघर्ष की नई जमीन भी तैयार करती है। इसलिए जरूरी है कि बातचीत के दरवाजे बंद न हों, बल्कि उन्हें और व्यापक तथा भरोसेमंद बनाने की दिशा में प्रयास तेज किए जाएं।

श्रम की थकी हथेलियों से उठता प्रतिरोध

आरके जैन

औद्योगिक शहर की चमक-दमक के पीछे दबा असंतोष 13 अप्रैल 2026 को अचानक उभर आया, जब नोएडा के कारखाना क्षेत्रों से उठते धुएँ ने भीतर सुलग रही नाराज़गी को साफ तौर पर सामने ला दिया। फेज-2 और सेक्टर-62 की सड़कों पर उतरे मजदूरों का आक्रोश यह बता रहा था कि अब उनकी पीड़ा अब शिकायत भर नहीं, बल्कि प्रतिरोध का रूप ले चुकी है। पत्थरों की गूंज, जलती गाड़ियों की लपटें और पुलिस की सख्ती के बीच एक ही सवाल बार-बार उठता रहा-कब तक मजदूर अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करता रहेगा? यह विस्फोट दरअसल किसी एक क्षण की उपज नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा और नीतिगत अनदेखी का परिणाम है।

आक्रोश की जड़ में वेतन असमानता की वही चिंगारी थी, जिसने हालात को भड़काने में अहम भूमिका निभाई।

हरियाणा में 35 प्रतिशत वेतन वृद्धि के फैसले ने वहाँ के मजदूरों को राहत दी, लेकिन नोएडा के श्रमिकों के लिए यही तुलना एक गहरे असंतोष में बदल गई। समान कार्य करने वालों के बीच इतना बड़ा वेतन अंतर न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह उनकी गरिमा पर भी सीधा आघात करता है। जब एक राज्य में मजदूर सम्मान के साथ जीवन यापन कर सकता है और दूसरे में वही मजदूर बुनियादी जरूरतों के लिए जूझता है, तो यह केवल आर्थिक फर्क नहीं, बल्कि सामाजिक असंतुलन की स्पष्ट तस्वीर भी पेश करता है।

जीवनयापन की बढ़ती लागत ने मजदूरों की हालत को और अधिक संकटपूर्ण बना दिया है। महंगाई के लगातार बढ़ते असर ने रसोई से लेकर किराए तक हर खर्च को लगभग दोगुना कर दिया है। ऐसे में कई साधारण मजदूरों के लिए 12,000 से 15,000 रुपये मासिक वेतन में पूरे परिवार का गुजारा करना आज लगभग नामुमकिन हो गया है। जब रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतें ही पूरी नहीं हो पातीं, तो भविष्य के बारे में सोचना भी कठिन हो जाता है। यही बढ़ता दबाव धीरे-धीरे असंतोष को जन्म देता है, जो आखिरकार सड़कों पर आक्रोश के रूप में सामने आता है। श्रमिकों पर बढ़ता शोषण इस संकट को और भी तीखा बना देता है। ओवरटाइम का वाजिब भुगतान न मिलना, साप्ताहिक अवकाश से वंचित रहना, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और ठेकेदारी व्यवस्था का दबाव-ये सब मिलकर मजदूरों को ऐसे दायरे में कैद कर देते हैं, जहां से बाहर निकलना बेहद कठिन हो जाता है। यही मेहनतकश हाथ देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि सबसे कम सुरक्षा और सम्मान भी इन्हीं के हिस्से आता है। जब श्रम का उचित मूल्य नहीं मिलता, तो असंतोष का फूट पड़ना स्वाभाविक ही है।

मजदूरों की आवाज़ केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनके अधिकारों और सम्मान से जुड़ी रही। उन्होंने न्यूनतम वेतन 18,000–20,000 रुपये करने, 12 घंटे की शिफ्ट की जगह 8 घंटे का कार्य समय लागू करने, समय पर बोनस और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार की मांग की। कई कारखानों में वेतन पर्ची न देना, मनमानी कटौती और असुरक्षित कार्य परिस्थितियाँ सामने आती रहीं। कई मजदूरों ने महिलाओं के साथ उत्पीड़न और सुरक्षा की कमी की शिकायतें भी उठाईं, साथ ही अलग शिकायत समिति और सुरक्षित कार्य वातावरण की मांग की। स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में छोटी बीमारियाँ भी गंभीर समस्या बन जाती हैं।

यही लंबे समय से दबी हुई माँगें आखिरकार सड़क पर उबल पड़ीं। उग्र हिंसा इस असंतोष की चरम अभिव्यक्ति हो सकती है, लेकिन यह किसी भी समस्या का समाधान नहीं बन सकती। नोएडा में हुई आगजनी और तोड़फोड़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब संवाद के रास्ते बंद हो जाते हैं, तो हालात तेजी से नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं। इस हिंसा ने न केवल सरकारी और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को भी प्रभावित किया और उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

होर्मुज की नाकेबंदी से टूटती अनगिनत उम्मीदें

महेन्द्र तिवारी

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के नक्शे पर महज एक संकरी रेखा है, लेकिन इस रेखा के दोनों किनारों पर आज जो ताकतें आमने-सामने खड़ी हैं, उनकी टकराहट की गूँज पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव तक पहुँच रही है। होर्मुज नाकेबंदी का यह संकट केवल दो देशों के बीच के सैन्य टकराव की कहानी नहीं है। यह उस पूरी व्यवस्था के दरकने की कहानी है जिस पर पिछले कई दशकों से वैश्विक व्यापार की रफ्तार, ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता और करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी टिकी हुई है। इस संकट की पृष्ठभूमि फरवरी 2026 के अंत में बनी जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने ईरान पर सैन्य हमले किए। ईरान ने इसके जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश की और वहाँ से गुजरने वाले जहाजों पर नियंत्रण की कोशिशें तेज कर दीं। यह वही जलमार्ग है जिससे सामान्य परिस्थितियों में विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता है। इसके बाद पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शांति वार्ताओं का एक लंबा दौर चला। सप्ताहों तक कूटनीतिक मेज पर बातचीत होती रही लेकिन जब ये वार्ताएँ बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गईं तो 13 अप्रैल 2026 को भारतीय समयानुसार शाम लगभग 7 बजकर 30 मिनट पर अमेरिका ने ईरान के सभी प्रमुख बंदरगाहों पर समुद्री नाकेबंदी लागू कर दी। इस एक घोषणा ने पूरी दुनिया की आर्थिक नब्ज को झकझोर कर रख दिया। नाकेबंदी को सीमित रखने की कोशिश की गई। अमेरिकी सैन्य कमान ने स्पष्ट किया कि यह केवल उन जहाजों पर लागू होगी जो ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करते हैं या वहाँ से बाहर निकलते हैं। खाड़ी के अन्य देशों के बीच आवागमन को बाधित नहीं किया जाएगा। उद्देश्य यह था कि ईरान की तेल निर्यात क्षमता को कुचला जाए लेकिन वैश्विक व्यापार पूरी तरह ठप न हो। किंतु यह सीमित रणनीति भी बाजारों को स्थिर नहीं रख सकी। जैसे ही नाकेबंदी की घोषणा हुई, कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई और कुछ ही घंटों में यह 101 से 104 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुँच गई। यह केवल तत्काल बाजार प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि इसमें आने वाले महीनों की गहरी अनिश्चितता का डर भी शामिल था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि यह संकट लंबा खींचा तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। ईरान की जवाबी चालों ने समुद्री व्यापार को जड़ से हिला दिया। सैकड़ों जहाज खाड़ी के बाहर लंगर डाले प्रतीक्षा करते रहे। लाखों बैरल तेल समुद्र में ही अटका रहा। अनुमान है कि प्रतिदिन लगभग 20,00,000 बैरल ईरानी तेल की आपूर्ति इस नाकेबंदी से प्रभावित हो सकती है। यह आँकड़ा वैश्विक बाजार के लिए किसी गहरे घाव से कम नहीं है। जब इतनी बड़ी मात्रा में तेल आपूर्ति अचानक बाधित होती है तो उसकी प्रतिध्वनि केवल पेट्रोल पंपों पर नहीं बल्कि हर उस चीज की कीमत पर सुनाई देती है जिसे बनाने, उगाने या पहुँचाने में ऊर्जा की जरूरत होती है।

समुद्री बीमा दरों में तेज उछाल ने स्थिति को और जटिल बना दिया। जब जहाज संघर्ष क्षेत्र के पास से गुजरते हैं तो बीमा कंपनियाँ जोखिम के अनुपात में प्रीमियम बढ़ा देती हैं। इससे परिवहन की लागत बढ़ जाती है। जो जहाज वैकल्पिक मार्ग अपनाते हैं उन्हें अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है जिससे यात्रा का समय और ईंधन खर्च दोनों बढ़ जाते हैं। यह बढ़ी हुई लागत अंततः उन देशों तक पहुँचती है जो इस तेल के खरीदार हैं और वहाँ के उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा बोझ बनती है। इस तरह होर्मुज में खींची गई एक रेखा दिल्ली, बीजिंग, टोक्यो और यूरोप की रसोइयों तक अपना असर दिखाती है।एशिया इस संकट का सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक देश है और उसकी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है। ऊर्जा महंगी होने पर उसकी विनिर्माण लागत बढ़ेगी, उत्पाद महंगे होंगे और वैश्विक बाजार में उसकी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त कमजोर पड़ेगी। इसका असर उन देशों पर भी पड़ेगा जो चीनी वस्तुओं पर निर्भर हैं। भारत की स्थिति और भी अधिक नाजुक है। भारत अपनी कुल ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। तेल महंगा होने का अर्थ है कि परिवहन लागत बढ़ेगी, बिजली उत्पादन महंगा होगा, उद्योगों की लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु की कीमत ऊपर जाएगी। हाल की रिपोर्टों में यह सामने आया है कि तेल कीमतों में आई इस उछाल के कारण भारतीय मुद्रा पर भी दबाव बढ़ा है जो आयात को और महंगा बना देता है।इस संकट का एक ऐसा पहलू भी है जिस पर आम तौर पर कम ध्यान जाता है और वह है खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाला असर। आधुनिक कृषि ऊर्जा पर बहुत अधिक निर्भर है। खाद बनाने में प्राकृतिक गैस का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। जब ऊर्जा महंगी होती है तो खाद महंगी होती है, खेती की लागत बढ़ती है और अनाज के दाम चढ़ते हैं। 2026 के इस संघर्ष ने पहले ही तेल और गैस के साथ-साथ खाद आपूर्ति को भी प्रभावित किया है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े आकलनों में गंभीर चेतावनी दी गई है कि यदि यह संकट लंबे समय तक बना रहा तो करोड़ों लोग गरीबी में धकेले जा सकते हैं और वैश्विक खाद्य संकट उभर सकता है। यह चेतावनी उन देशों के लिए विशेष रूप से भयावह है जो पहले से ही खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। यूरोप की स्थिति भी चिंताजनक है। महाद्वीप पहले से ही ऊर्जा संकट की मार झेल रहा है और इस नई घटना ने उसकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्थाएँ जो अभी धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही थीं, उन्हें एक और झटका लगा है। इस पूरे संकट के सामरिक आयाम भी कम जटिल नहीं हैं। ईरान ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी सैन्य जहाज ने उसके प्रभाव क्षेत्र के समीप हस्तक्षेप किया तो उसे संघर्षविराम का उल्लंघन माना जाएगा और जवाबी कार्रवाई होगी। इसका मतलब यह है कि कोई भी छोटी सी घटना बड़े युद्ध की शुरुआत बन सकती है। इस क्षेत्र में 1980 के दशक में भी ईरान-इराक युद्ध के दौरान इसी जलमार्ग को लेकर भयंकर तनाव देखा गया था। लेकिन आज की परिस्थिति उस दौर से कहीं अधिक जटिल है क्योंकि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था कहीं अधिक आपस में बुनी हुई है। एक जगह की आग दूसरी जगह पहुँचने में अब ज्यादा वक्त नहीं लगता।

अमेरिका की इस नाकेबंदी के पीछे केवल सैन्य उद्देश्य नहीं है। इसका मकसद ईरान को आर्थिक रूप से इतना दबाना है कि वह वार्ता की मेज पर वापस आने को मजबूर हो जाए। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि आर्थिक नाकेबंदी हमेशा वैसा असर नहीं करती जैसी उम्मीद होती है। कभी-कभी दबाव में आकर देश और अधिक कठोर रुख अपना लेते हैं। यदि ईरान ने भी ऐसा ही किया तो यह संकट और गहरा हो सकता है।

आखिर कैसी हो मुख्यमंत्री की दृष्टि ताकि विकसित बने बिहार?

कमलेश पांडेय

मैं बिहारी हूँ। ए न सी आ र वाला भी हूँ। जीवन के अमूल्य 36 वर्ष बिहार में गुजरे हैं। अब भी आना-जाना लगा रहता है लेकिन जो टीस सालती है, वह यह कि आखिर बिहार का पुराना वैभव कैसे लौटेगा? मगध और पाटलिपुत्र की पुरानी प्रतिष्ठा कैसे पुनर्स्थापित होगी? ऐसा इसलिए कि भारत शुरू से ही बिहार के हाथ में महफूज रहा है, एकीकृत होकर आगे बढ़ा है। युद्ध के स्थान पर बुद्ध बिहार की अविस्मरणीय शान समझे जाते हैं। तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला की ज्ञान गौरव गाथा कौन नहीं जानता!

स्वाभाविक है बिहार को वह आदमकद नेतृत्व चाहिए, जो अभी तक के चाणक्य नीतीश कुमार और अमित शाह पैदा नहीं कर सके, लेकिन उम्मीदों पर दुनिया कायम है। लेट्स इंस्पायर बिहार एक अच्छी मुहिम है क्योंकि नेतृत्व दूरदर्शी है। इसलिए मेरी सोच है कि बिहार को सचमुच विकसित राज्य बनाने के लिए उसका मुख्यमंत्री कुछ खास तौर-तरीके का होना चाहिए– न सिर्फ़ राजनीतिक रूप से "सशक्त", बल्कि नीतिगत दृढ़ता, नैतिक क्लीन-इमेज और प्रशासनिक दक्षता वाला नेता होना ज़रूरी है।

पहला, स्पष्ट दृष्टि और समावेशी विकास का रोडमैप रखना

मुख्यमंत्री के पास बिहार के लिए स्पष्ट 10-15 साल का विकास रोडमैप होना चाहिए, जैसे बिहार सरकार के "सात निश्चय–3" के ज़रिए 2025–2030 तक बिहार को विकसित राज्यों की श्रेणी में ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह के अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक अच्छी पहल की, लेकिन यूपीए/एनडीए की चक्की में पिसते रहे और बिहार के भविष्य की टीस उन्हें सालती रही। अब वो कुछ घण्टे पद पर हैं, लेकिन उनकी सोच के बिना समृद्ध बिहार संभव नहीं, क्योंकि पेशेवर इंजीनियर थे। सोशल इंजीनियरिंग के माहिर भी। लिहाजा, विकास के इस रोडमैप में कृषि, उद्योग, युवाओं को रोज़गार, शिक्षा–स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा (रोड्स, रेल, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स) पर संतुलित ज़ोर होना चाहिए।

दूसरा, नीतिगत दृढ़ता और नैतिक स्वच्छता पर जोर

अवकाश प्राप्त शिक्षिका श्रीमती गायत्री कुमारी बताती हैं कि जो मुख्यमंत्री "नेपोटिज़्म, जातिगत भाग-बंटवारा और भ्रष्टाचार" से ऊपर उठकर गुणवत्ता-आधारित नियुक्तियाँ करे, वही बिहार को आगे बढ़ा सकता है। उसे निर्णय-स्वतंत्र, तकनीकी टीम (आईआईटी, आईआईएम, विशेषज्ञ) के सहयोग से नीतियाँ बनानी चाहिए, न कि सिर्फ़ राजनीतिक हित के लिए घोषणाएँ करनी चाहिए।

तीसरा, आम जनता के साथ प्रशासन द्वारा सीधा जुड़ाव

बिहार जैसे घनी आबादी वाले राज्य में मुख्यमंत्री को नियमित "जनसंवाद, ग्राम-सभाएँ, युवा-महिला संवाद और अधिकारियों के साथ जन-समस्या समाधान" जैसे फॉर्मेट चलाने चाहिए। इससे नीतियों की जमीनी हकीकत (ग्राउंड रियलिटी) मिलती रहती है और जनता को भी लगता है कि उनकी "आवाज़" वाकई ऊपर तक पहुँच रही है, न कि सिर्फ़ भाषण और रोडशो आदि में।

चौथा, सुशिक्षित युवा और सुसंस्कृत महिलाओं पर ज़ोर

बिहार की सबसे बड़ी पूँजी उसकी युवा आबादी है; मुख्यमंत्री को कौशल विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, एमएसएमई, डाइटी, फुड प्रोसेसिंग, फार्मास्यूटिकल और लॉजिस्टिक्स-आधारित नौकरियों के लिए विशेष योजनाएँ चलानी चाहिए। महिलाओं को स्वरोजगार, माइक्रो-फाइनेंस, एसएचजी-लिंकड उद्यम और शहर-स्तरीय उद्यमिता केंद्र देने से न केवल रोज़गार बढ़ेगा, बल्कि सामाजिक उत्थान भी होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इन्हें सुशिक्षित और सुसंस्कृत बनाने के लिए सरजमीनी प्रयास होने चाहिए ताकि हिंसक सोच हतोत्साहित हो।

पांचवां, आधुनिक व व्यवहारिक शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था पर जोर मुख्यमंत्री को बिहार में गुणवत्तापूर्ण स्कूल, कॉलेज, इंजीनियरिंग, मेडिकल और शोध-संस्थानों के नेटवर्क पर अटूट फोकस रखना चाहिए। साथ ही, न्यायपालिका, लॉ एंड ऑर्डर, और आपराधिक नेटवर्क के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई से निवेशक-अनुकूल वातावरण बनाना होगा, जिससे बाहर का पूँजी और उद्योग बिहार में आने को उत्सुक हो। हमें यह पता होना चाहिए कि आधुनिक व व्यवहारिक शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था पर जोर देने से हर सपना साकार किया जा सकता है।

छठा, केंद्र और राष्ट्रीय स्तर पबिहार की आवाज़ वक्त वक्त पर उठती रहे बिहार के मुख्यमंत्री को अलग-अलग राजनीतिक सरकारों के साथ भी राज्य के हित के लिए मजबूत बातचीत करने की क्षमता रखनी चाहिए, ताकि केंद्रीय योजनाओं, बजट और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में बिहार को न्याय मिले। चूंकि देश के पैमाने पर पूर्वी भारत पिछड़ा हुआ है, जिसके उद्धार की जिम्मेदारी बिहार की ज्यादा है। इसलिए पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखंड, पूर्वी उत्तरप्रदेश और उत्तरपूर्वी सात बहन राज्यों के अलावा नेपाल, भूटान, बंगलादेश और म्यांमार केंद्रित कारोबारी और प्रतिरक्षात्मक रणनीति बनाने के लिए केंद्र सरकार से उचित सामंजस्य बिठाए रखना चाहिए।

सातवां, भावी बिहार के लिए एक सुविचारित समावेशी मॉडल

आज बिहार सरकार ने "आत्मनिर्भर बिहार" और "सात निश्चय–3" के ज़रिए युवा रोज़गार, महिला स्वरोजगार, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचा उन्नयन को केंद्र में रखा है। इसलिए अगर आने वाले मुख्यमंत्री भी इसी दिशा में अटल रहें, नीतियों को लगातार मॉनिटर करें और भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ खुली जन-निगरानी रखें, तो बिहार पूरे देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में ज़रूर शामिल हो सकता है। यह कड़वा सच है कि भावी बिहार के लिए एक सुविचारित समावेशी मॉडल बनाना होगा और औद्योगिक उत्पादों के मामले में महाराष्ट्र, गुजरात, कोलकाता आदि पर निर्भरता समाप्त करनी होगी।

नीतीश कुमार सम्राट चौधरी

कमजोर मानसून और आपदा प्रबंधन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आगामी मानसून को लेकर के पहला पूर्वानुमान जारी करने के साथ ही मौसम विभाग ने आने वाले मानसूनी सत्र में सामान्य से कम बरसात के संकेत दे दिए हैं। हांलाकि अभी मानसून के पूर्वानुमान और भी जारी किये जाएंगे पर यह आरंभिक सूचना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सामान्य से 8 फीसदी तक कम बरसात की संभावना जताई गई है। देष के कई हिस्सों में कम बरसात होने के संकेत है तो कुछ हिस्सों में सामान्य बरसात भी हो सकती है। माना जा रहा है कि अल नीनो इफेक्ट के चलते मानसून कमजोर रहेगा। यह भी सही है कि हमारे मौसम मंत्रालय द्वारा जारी पूर्वानुमान अब काफी हद तक आसपास रहने लगे हैं। यहां तक कि दो से तीन घंटों में बरसात होने या आंधी तूफान या ओलावृष्टि तक के पूर्वानुमान खरे उतरने लगे हैं। ऐसे में मौसम विभाग के पूर्वानुमानों को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र व राज्यों की सरकारों को अभी से पूर्व तैयारियां करने में जुट जाना चाहिए। खासतौर से आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से भावी रणनीति तय करनी होगी। देष में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है जिसके अनुमानों के अनुसार 81 सेमी तक रहने की आशंका है। पूर्वानुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले आठ सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देष में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है।

हमारे देश में मानसूनी बरसात पर निर्भरता अधिक है। जहां खेती में मानसूनी बरसात की निर्भरता बहुत अधिक है तो दूसरी और पेयजल को लेकर भी मानसून पर निर्भरता अधिक है। जलाशयों में पानी के भण्डारण और भूजल स्तर भी बरसाती पानी पर ही निर्भर है। हमारी खेती मुख्यतः मानसून पर निर्भर हैं। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कमी के कारण मानसून पर खेती 55 से 64 प्रतिशत निर्भर है। पीने के पानी की समस्या भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती है। हमारे यहां मानसून का समय जून से सितंबर तक का रहता है। अब सवाल उठता है कि पिछले सालों में मानसून सामान्य से अच्छा रहने के बावजूद कमजोर मानसून की स्थिति से निपटने में हमारी तैयारी कोई अच्छी नहीं मानी जा सकती। अत्यधिक भूजल दोहन और जल संचयन की दीर्घकालीक नीति के अभाव में ठोस परिणाम प्राप्त नहीं हो पाये हैं। ऐसा नहीं है कि नीति नहीं बनती हो या ऐसा भी नहीं है कि जल संचयन के प्रयास नहीं होते हो पर जो परिणाम देखने में आए हैं वह कोई आशाजनक नहीं माने जा सकते। पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की बात करना तो हमारे यहां बेमानी ही रही है। प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण व संधारण में भी हम कुछ अधिक नहीं कर पाये हैं। इसके अलावा हमारे यहां दुर्भाग्यजनक बात यह है कि तात्कालिक प्रयास होते हैं। शहरीकरण की आड़ में प्राकृतिक जल स्रोत या तो नष्ट हो गए हैं या उनमें बरसात के पानी जाने के रास्ते अवरुद्ध या बंद हो गए हैं। नदी नालों के रास्ते या तो बंद हो गए हैं या अवरुद्ध हो गए हैं। बरसात के पानी के जलाशयों में रास्तों में अनधिकृत कब्जें, निर्माण और रिसोर्ट बना दिए है। एक समय ऐसा भी आया कि जब विशेषज्ञों ने बरसात के पानी जाने के रास्तों में जगह जगह एनिकट बनाने की सलाह दे ड़ाली और छोटे छोटे एनिकट बनने से नदियों-जलाशयों में पानी की आवक प्रभावित हो गई। इससे तात्कालीक यानी कि एनिकटों में पहले पानी एकत्र तो हुआ पर बाद में इनका रख रखाव नहीं होने से दोहरा नुकसान हुआ। इसी तरह से वर्षा जल संचयन के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए सरकार ने अरबों रुपये खर्च किये पर उनके निर्माण के आंकड़ें पूरे करने के चक्कर में हम भूल गए कि बरसात के पानी इनमें कितना व कैसे जा पाएगा। फिर बरसात से पहले इनकी देखरेख पर भी ध्यान नहीं देने से जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल सके हैं। एक और हमारे दैनिक उपभोग में भी पानी का उपयोग अधिक बढ़ा है आज पेयजल से कई गुणा अधिक पानी टायलेट और कुलरों में उपयोग होने लगा है। समय रहते टायलेट में कम पानी के उपयोग की कोई राह निकाली जाती तो हालात में सुधार ही होता। इसी तरह से देशभर में वाटर ट्रूटिमेंट सिस्टम लगाने का अभियान चला पर इनके परिणाम भी ज्यादा अच्छे नहीं देखे जा रहे है। रिसाइकिल पानी को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति तय हो तो कुछ हद तक समाधान हो सकता है। खैर यह तो हालात की तस्वीर है।सौ टके का सवाल यह है कि कमजोर मानसून के हालात से निपटने की कार्ययोजना हमें अभी से बनानी होगी। मौसम विभाग ने अप्रेल में यह चेतावनी दे दी है। मानसून जून में आएगा। ऐसे में अभी मई का महीना हमारे पास है। अभी से सरकार को कमर कसनी होगी। कमजोर मानसून के हालात में हमें कम पानी से अधिक बेहतर हालात बनाने के प्रयास करने होंगे। इसके लिए जहां पानी की एक एक बूंद को सहेजने की रणनीति तैयार करनी होगी वहीं कृषि मंत्रालय को खरीफ के लिए इस तरह की रणनीति बनानी होगी जिसमें कम पानी के उपयोग से बेहतर फसल तैयार होने वाली फसलों और किस्मों के लिए किसानों को प्रेरित हो सके।

चांद पर महंगाई जीना मुश्किल मेरे भाई

डॉ टी महादेव राव

"क्या बात है छोटू! बड़ा है रा न परेशान लग रहा है। दफ्तर के बॉस से लड़ाई या रूठी हुई लुगाई? क्या बात है?" भैया! न लड़ाई न लुगाई बस मार गई महंगाई। हम कहीं किसी क्षेत्र में विकास करें या न करें बस महंगाई दिन दूने और रात चौगुने स्तर पर विकास कर रही है और जनता इस विकसित महंगाई के चलते आहें भर रही है।"

"यह तो पिछले एक दशक से हमारी अतुलनीय उपलब्धि है। यह महंगाई दशाब्दी है। नया तो कुछ नहीं। रसोई गैस, जरूरतों की चीज़ें, बिजली बिल, पेट्रोल डीजल, सब्जियां, दवाइयाँ सारा कुछ तो सुरसा काया सी महंगाई के मुंह में समाये हुये हैं। नया क्या है छोटू!""भैया! सुना आपने ..महंगी होकर चांदी चांद के चरण छू रही है। भाव ऐसे बढ़ गए हैं जैसे पाप का घड़ा भर गया हो। सामान्य जन अब त्यौहारों पर सोना तो दूर चांदी भी नहीं खरीद सकते।

अब धनतेरस पर आदमी क्या चांदी भी नहीं खरीद सकता?

छोटू! क्यों चिल्लपों मचा रखे हो विपक्ष में बैठे नेताओं की तरह। महंगाई और विकास जुड़वां बच्चे हैं।

जब हम विकसित हो गए हैं और चांदी काटते हुए चांदी का चश्मा लगाए सिर और दाढ़ी के बाल चांदी कर लिए हैं तो सोना चांदी के भाव की हमें फिक्र क्यों? फिक्र वो करें जो खरीदते हों।

भैया आप कहीं का ईंट कहीं का रोड़ा जैसा कर रहे हैं। मैं सामान्य मध्यम वर्गीय जन की बात कर रहा हूं तो आप बीच में विश्व गुरु को ला रहे हैं।चांदी की बात समझ रहा हूं। सोने से परहेज और चांदी से प्यार करने वाले हमारे जन मानस को विवशता के बंधनों में बांधकर चांदी ने भी वोट लेकर ओट में छिपने वाले नेताओं की तरह धोखा दिया है। अब कोई सोने के दिल वाला कोई चांदी के दिल वाला गाने का कोई औचित्य नहीं क्योंकि सभी आम जन नाजुक शीशे जैसा हो गया है। हर जरूरी चीज आकाश कुसुम किए जा रहे हैं।

चंद चांदी के सिक्कों के लिए लोगों के दुख दर्द को दरकिनार कर अपना उल्लू सीधा किया जा रहा है।भैया! देख ही रहे हैं जरूरतों की चीजों के दाम अमरीका से तुलना करने के स्तर पर आ गए हैं। पहले रुपयों से भुगतान करते थे अब डॉलर बराबर रूपये देने पड़ रहे हैं। विश्व गुरु और शांति दूत बनने का मूल्य देश चुका रहा है। हां। नेता और धनवान वर्ग की तो चांदी ही चांदी है जबकि बाकी जनों की चांदी गल रही है। त्यौहारों का सीजन आ रहा है। हम तो चांदी का कुछ भी अब खरीद नहीं सकेंगे जबकि वे चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल गाने और सिद्ध करने में समर्थ होंगे।

हम चांदी की दीवार न तोड़ी गाते गाते रह जाएंगे।भैया! चंदू के चाचा ने चंदू की चाची को चांदनी चौक में चांदी के चम्मच से चटनी चटाई का इस अनुप्रास अलंकार का क्या होगा?टमाटर की चटनी और चम्मच के दाम दोनों से परास्त सामान्य जन गाते फिरेंगे ना मांगू सोना चांदी ना मांगू हीरे मोती ये मेरे किस काम के। जरूरत की चीजें दे दो मुझको सही दाम पे। महंगाई हमको कूट रही है। चांदी की वर्क वाली मिठाई भी हमसे छूट रही है।

बच्चा फेल हो जाए तो माता पिता की होनी चाहिए कैसी प्रतिक्रिया

जब बच्चे के फेल होने की खबर घर तक पहुंचती है तो अक्सर पूरे परिवार में तनाव, चिंता और निराशा का माहौल बन जाता है, "अब आगे क्या होगा?", "लोग क्या कहेंगे?", "हमारा बच्चा इतना कमजोर कैसे हो गया?" लेकिन इन सवालों के बीच सबसे महत्वपूर्ण है आपका बच्चा, क्योंकि आपकी पहली प्रतिक्रिया उसके मन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है।

सकारात्मक सोच, सहयोगी वातावरण

माता-पिता बच्चे के भविष्य को संवारने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में सही मार्गदर्शन, समझ और सहयोग से आप बच्चे को असफलता से सीखकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। साथ ही घर का वातावरण जितना शांत और प्रेरणादायक होगा, बच्चा उतना ही आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा। उसे यह एहसास दिलाएं कि आप हमेशा उसके साथ हैं, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो। इससे उसका मानसिक संतुलन मजबूत रहेगा।

उस को समय दें

हर बच्चा अलग होता है, इसलिए उसकी तुलना दूसरों से करना गलत है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चे की रुचियों, ताकतों और कमजोरियों को समझें। यदि बच्चा किसी विषय या क्षेत्र में रुचि रखता है, तो उसे उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। जब बच्चा अपनी पसंद के अनुसार काम करता है, तो वह अधिक मेहनत और लगन से सीखता है, जिससे उसके सफल होने की संभावना बढ़ जाती है।

असफलता नहीं, सीख है

बच्चे को यह समझाना जरूरी है कि असफलता कोई अंत नहीं है, बल्कि एक नई शुरुआत है। जब वह किसी परीक्षा व काम में असफल होता है या उसके अंक कम आते हैं, तो उसे यह बताएं कि यह अनुभव उसे और बेहतर बनने का मौका दे रहा है। आप उसके साथ उनकी गलतियों पर चर्चा करें और सुधार के उपाय खोजें। इस तरह बच्चा निराश होने के बजाय सीखने पर जोर देगा।

अपेक्षाओं का बोझ न डालें

अक्सर माता-पिता बच्चों से कहते हैं, "अगली बार और अच्छा करना।" यह कहना उसके आत्मविश्वास के लिए जरूरी है, लेकिन ध्यान दें कि इससे बच्चे पर अनावश्यक दबाव न बढ़े। केवल उम्मीदें रखने के बजाय उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन दें, जैसे पढ़ाई का तरीका, समय प्रबंधन और अनुशासन। साथ ही उनकी प्रगति पर नजर रखें और जरूरत पड़ने पर सहयोग देकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाएं।

अंकों पर नहीं, विकास पर हो जोर

बाल मनोवैज्ञानिक गार्गी मालगुड़ी कहती हैं, यदि आप बच्चों में वास्तविक सुधार चाहती हैं तो उन्हें शांति और स्पष्टता के साथ समझाएं। कठोर व्यवहार उनके मनोबल और प्रदर्शन दोनों को नुकसान पहुंचाता है तथा संबंधों में दूरी बढ़ाता है। जरूरी है कि आप उनकी भावनाओं को समझें और भावनात्मक रूप से उनके साथ रहें। डांट या तुलना से समस्या सामने नहीं आती। बेहतर है कि माता-पिता शिक्षक और काउंसलर के साथ मिलकर समाधान खोजें, लक्ष्य तय करें और बच्चे के समग्र विकास पर ध्यान दें, न कि केवल अंकों पर।

क्रश को इम्प्रेस करने का ऐसा तरीका, 100% काम करेगा

प्यार का इजहार करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। दिल में भावनाएं तो बहुत होती हैं, लेकिन जब उन्हें शब्दों में व्यक्त करने की बारी आती है, तो अक्सर लोग घबरा जाते हैं। खासकर जब बात अपने क्रश की हो, तो डर और भी बढ़ जाता है। क्या वो मना कर देगा? क्या हमारी दोस्ती खराब हो जाएगी? यही सवाल हमें पीछे रोकते हैं।

लेकिन सच ये है कि प्यार का इजहार सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि सही तरीके, सही समय और सच्ची भावना से होता है। अगर आप अपने दिल की बात सही अंदाज में

रखते हैं, तो सामने वाला आपकी भावनाओं को जरूर समझेगा। जरूरी नहीं कि आप फिल्मी स्टाइल में प्रपोज करें, बल्कि एक सच्चा और दिल से किया गया इजहार ज्यादा असरदार होता है।

इस लेख में हम आपको ऐसे आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने क्रश को इंप्रेस कर सकते हैं और अपने प्यार का इजहार इस तरह कर सकते हैं कि वो आपको मना करने के बारे में सोच भी न पाए।

सही समय और माहौल चुनें

प्यार का इजहार करने से पहले सही समय और माहौल बहुत मायने रखता है। कोशिश करें कि आप ऐसे समय पर बात करें जब आपका क्रश आराम में हो और आप दोनों के बीच कोई व्याकुलता न हो। शांत और निजी जगह आपके इजहार को और खास बना सकती है।

दिल से बात करें

बहुत लोग पहले से लाइनें तैयार करते हैं, लेकिन यह तरीका हमेशा काम नहीं करता। अपने दिल की बात सीधे और सच्चाई से कहें। "मुझे तुम पसंद हो" जैसे सरल शब्द भी बहुत असरदार हो सकते हैं।

आत्मविश्वास है सबसे बड़ा हथियार

अगर आप खुद पर भरोसा नहीं दिखाएंगे, तो सामने वाला भी आपकी भावनाओं को गंभीरता से नहीं लेगा। आइ कॉन्टेक्ट बनाकर, हल्की मुस्कान के साथ अपनी बात रखें।

छोटे-छोटे प्रयासों से इम्प्रेस करें

प्रपोज करने से पहले छोटे गेस्चर जैसे केयर दिखाना, तारीख करना और समर्थन करना आपके क्रश को आपकी तरफ आकर्षित करता है। ये चीजें आपके इजहार को और मजबूत बनाती हैं।

दबाव बिल्कुल न डालें

सबसे जरूरी बात सामने वाले को सोचने का समय दें। अगर आप उस पर तुरंत जवाब देने का दबाव डालेंगे, तो वह असहज महसूस कर सकता है। सम्मान और संयम बहुत जरूरी है।

शादी करने से पहले खुद से पूछें ये 5 सवाल, जीवन हो जाएगा आसान

शादी जीवन का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला होता है, जो सिर्फ दो लोगों को ही नहीं बल्कि दो परिवारों को भी जोड़ता है। अक्सर लोग समाज के दबाव, उम्र या भावनाओं में बहकर शादी का निर्णय ले लेते हैं, लेकिन यह कदम सोच-समझकर उठाना बेहद जरूरी होता है। एक छोटी सी गलती पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

आज के समय में रिश्तों में समझ, सम्मान और सामंजस्य पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। शादी सिर्फ प्यार का नाम नहीं है, बल्कि जिम्मेदारियों, समझौते और एक-दूसरे के साथ जीवनभर निभाने का वादा भी है। इसलिए शादी के लिए "हां" कहने से पहले खुद से कुछ जरूरी सवाल पूछना बहुत जरूरी है।

ये सवाल आपको यह समझने में मदद करेंगे कि आप मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से इस रिश्ते के लिए तैयार हैं या नहीं। अगर आपने सही समय पर सही सवाल पूछ लिए, तो आप एक खुशहाल और संतुलित वैवाहिक जीवन जी सकते हैं।

पहला सवाल

क्या मैं मानसिक रूप से शादी के लिए तैयार हूं?

शादी सिर्फ एक रस्म नहीं बल्कि एक बड़ा बदलाव है। अगर आप अभी भी खुद को समझने की प्रक्रिया में हैं या स्वतंत्रता खोने का डर है, तो आपको थोड़ा और समय लेना चाहिए।

दूसरा सवाल

क्या मैं अपने पार्टनर को सही से समझता/समझती हूं?

सिर्फ प्यार काफी नहीं होता। आपको अपने पार्टनर की आदतें, सोच और व्यवहार को अच्छे से समझना जरूरी है, ताकि भविष्य में टकराव कम हो।

तीसरा सवाल

क्या हमारी लाइफ गोल्स मिलते हैं?

अगर आपके और आपके पार्टनर के जीवन के लक्ष्य अलग हैं, तो आगे चलकर समस्या हो सकती है। करियर, परिवार और लाइफस्टाइल को लेकर स्पष्टता जरूरी है।

चौथा सवाल

क्या मैं जिम्मेदारियों के लिए तैयार हूं?

शादी के बाद जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। आर्थिक, पारिवारिक और भावनात्मक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार होना बहुत जरूरी है।

पांचवां सवाल

क्या मैं समझौता करने के लिए तैयार हूं?

हर रिश्ता समझौते पर चलता है। अगर आप हमेशा अपनी ही बात मनवाना चाहते हैं, तो शादी में दिक्कतें आ सकती हैं।

बच्चे का एडमिशन कराते समय स्कूल से पूछें ये सवाल, वरना पछताना पड़ेगा

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा एक अच्छे स्कूल में पढ़े और उसका भविष्य उज्ज्वल बने। लेकिन अक्सर एडमिशन के समय हम सिर्फ स्कूल की बिल्डिंग, फीस या नाम देखकर फैसला कर लेते हैं। यही छोटी सी गलती आगे चलकर बच्चे के पूरे साल को प्रभावित कर सकती है।

स्कूल सिर्फ पढ़ाई का स्थान नहीं होता, बल्कि वहीं से बच्चे का व्यक्तित्व, सोच और आत्मविश्वास विकसित होता है। इसलिए एडमिशन लेने से पहले कुछ जरूरी सवाल पूछना बेहद जरूरी है।

कई बार माता-पिता संकोच या जानकारी की कमी के कारण स्कूल से जरूरी बातें पूछ नहीं पाते, जिससे बाद में परेशानी होती है, चाहे वो पढ़ाई का स्तर हो, टीचर्स का व्यवहार या एक्स्ट्रा एक्टिविटीज।अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा सही माहौल में पढ़े और उसका पूरा साल अच्छे से गुजरे, तो आपको एडमिशन के समय सतर्क रहना होगा। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे वो जरूरी सवाल, जो हर माता-पिता को स्कूल से जरूर पूछने चाहिए।

शिक्षा नीति और पढ़ाई का स्तर

सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि स्कूल किस प्रकार से पढ़ाई कराता है। क्या वहां सिर्फ रटने पर जोर दिया जाता है या कॉन्सेप्ट क्लियर करवाए जाते हैं? एक अच्छा स्कूल वही होता है जो बच्चों को समझ के साथ पढ़ाए।

टीचर-स्टूडेंट रेशियो

क्लास में कितने बच्चे हैं और एक शिक्षक कितने बच्चों को संभालता है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। कम स्टूडेंट्स होने पर टीचर हर बच्चे पर ध्यान दे पाता है, जिससे बच्चे की ग्रोथ बेहतर होती है।

फीस और छिपे हुए खर्च

केवल ट्यूशन फीस ही नहीं, बल्कि अन्य खर्च जैसे यूनिफॉर्म, ट्रांसपोर्ट, एक्टिविटी फीस आदि के बारे में भी पूरी जानकारी लें। इससे बाद में किसी भी आर्थिक परेशानी से बचा जा सकता है।

एक्स्ट्रा एक्टिविटीज और विकास

आज के समय में पढ़ाई के साथ-साथ स्पोर्ट्स, आर्ट, म्यूजिक जैसी एक्टिविटीज भी जरूरी हैं। स्कूल में इनकी सुविधा है या नहीं, यह जरूर पूछें क्योंकि यही चीजें बच्चे के ओवरऑल डेवलपमेंट में मदद करती हैं।

सुरक्षा और अनुशासन पॉलिसी

बच्चे की सुरक्षा सबसे अहम है। स्कूल में सीसीटीवी, सिक्योरिटी स्टाफ और इमरजेंसी सिस्टम है या नहीं, यह जानना जरूरी है। साथ ही अनुशासन को कैसे मेंटेन किया जाता है, यह भी समझें।

धूप की वजह से हो जाती है थकान तो घर से निकलने से पहले करें इन चीजों का सेवन

गर्मी के मौसम में बाहर जाना कई लोगों के लिए मुश्किल भरा हो सकता है। लगातार धूप में रहने, ट्रैफिक और लंबी दूरी तय करने से शरीर जल्दी थक जाता है और अंदर से गर्मी महसूस होती है। ऐसे में सही खाद्य पदार्थों का सेवन करना बेहद जरूरी है।

दरअसल, कुछ प्राकृतिक चीजें शरीर को अंदर से ठंडक देने में मदद करती हैं और आपको दिनभर ताजगी और ऊर्जा बनाए रखने में सहायक होती हैं। इन चीजों का सेवन करने से न केवल गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सकता है, बल्कि पाचन बेहतर रहता है और ऊर्जा स्तर स्थिर बना रहता है।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कौन-कौन सी चीजें घर से निकलने से पहले खानी चाहिए ताकि आप गर्मी में भी फ्रेश और एक्टिव महसूस करें।

खीरा

खीरा लगभग 95% पानी से बना होता है, जिससे शरीर को अंदर से ठंडक मिलती है।

इलेक्ट्रोलाइट्स और विटामिन्स गर्मी के कारण होने वाली जलन और थकान को कम करते हैं।

इसे सलाद या सीधे खाने से तुरंत ताजगी मिलती है।

तरबूज

तरबूज में पानी की मात्रा अधिक होती है और यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स बनाए रखता है।

गर्मियों में तरबूज खाने से हाइड्रेशन रहता है।

इसके सेवन से शरीर ठंडा रहता है और ऊर्जा बनी रहती है।

सत्तू का शरबत

सत्तू प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर होता है।

इसे पानी या नींबू और हल्का नमक डालकर पीने से शरीर अंदर से ठंडा रहता है।

इसके सेवन से शरीर को गर्मी में ऊर्जा भी मिलती है।

ये पाचन को भी बेहतर बनाता है और लू लगने के खतरे को कम करता है।

दही

दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन को बेहतर बनाते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं। फ्रूट्स के साथ या सीधे खाने से गर्मी में ताजगी और ऊर्जा मिलती है।

नारियल पानी

नारियल पानी इलेक्ट्रोलाइट्स और मिनरल्स का समृद्ध स्रोत है।

यह शरीर को तुरंत ठंडक देता है, हाइड्रेशन बनाए रखता है।

ये गर्मियों में ऊर्जा की कमी को पूरा करता है। हर दिन नारियल पानी पीने से आपको डिहाइड्रेशन नहीं होगा।

गर्मी शुरू होते ही पीने लगे हैं लस्सी? जान लें इसके बड़े नुकसान

गर्मी के मौसम में ठंडक और राहत पाने के लिए लोग अक्सर लस्सी का सहारा लेते हैं। ताजा-ताजा बनी हुई दही क लस्सी का स्वाद इतना लुभावना होता है कि कई लोग इसे दिन में कई बार पीते हैं। पर, क्या आप जानते हैं कि हर चीज की तरह लस्सी भी सीमित मात्रा में ही फायदेमंद होती है।

दरअसल, इस मामले में विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक मात्रा में या गलत समय पर लस्सी पीने से शरीर से जुड़ी कई परेशानियां हो सकती हैं। इसके अलावा, कुछ लोगों के लिए यह डाइजेस्टिव सिस्टम पर दबाव डाल सकता है और शरीर में ठंडक का अधिक असर डालकर स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

पाचन पर असर

अत्यधिक लस्सी पीने से पेट भारी महसूस हो सकता है।

इसमें मौजूद डेयरी उत्पाद पेट में गैस और एसिडिटी बढ़ा सकती है।

ये उन लोगों के लिए खासतौर पर नुकसानदेह है जिनका पाचन तंत्र संवेदनशील है।

लगातार ज्यादा मात्रा में लस्सी पीने से अपच, ब्लोटिंग और पेट में खिचखिच जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वजन बढ़ सकता है

फलों वाली और मीठी लस्सी कैलोरी से भरपूर होती है।

इसे नियमित रूप से और अधिक मात्रा में पीने से वजन बढ़ सकता है।

यह वजन घटाने या कंट्रोल करने वाले लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

ठंडक का अधिक असर

अत्यधिक ठंडी लस्सी पीने से शरीर में ठंडक बढ़ सकती है।

कमजोर या संवेदनशील लोग इससे पेट में ऐंठन, सर्दी या गले में खराश जैसी समस्याओं का सामना कर सकते हैं।

ठंडक के ज्यादा असर से शरीर का तापमान असंतुलित हो सकता है।

इसकी वजह से पाचन प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है।

संवेदनशील लोगों के लिए खतरा

पेट में अल्सर, एसिडिटी या अन्य डाइजेस्टिव प्रॉब्लम वाले लोग लस्सी पीने से बचें।

इसके सेवन से पेट की जलन, अपच और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

लस्सी पी रहे हैं तो इन लोगों का ध्यान रखें

दिन में सीमित मात्रा में लस्सी पीना सुरक्षित है।ठंडी लस्सी के बजाय कमरे के तापमान पर रखी गई लस्सी पीना बेहतर होता है। फलों वाली या मीठी लस्सी का सेवन संतुलित मात्रा में करें।

इलेक्ट्रिक कैटल में बनाएं स्वादिष्ट वेज बिरयानी, मिनटों में होगी तैयार

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर किसी के पास समय और संसाधन दोनों सीमित होते जा रहे हैं। खासकर हॉस्टल में रहने वाले छात्रों और घर से दूर रेंट पर रहने वाले दफ्तर कर्मियों के लिए स्वादिष्ट और हेल्दी खाना बनाना एक चुनौती बन जाता है। ऐसे में इलेक्ट्रिक कैटल एक बेहद उपयोगी और मल्टीपर्पज़ किचन उपकरण के रूप में सामने आता है, जो सिर्फ पानी उबालने के लिए ही नहीं, बल्कि कई तरह के व्यंजन बनाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अगर आप सोचते हैं कि बिरयानी जैसी डिश केवल गैस या कुकर में ही बन सकती है, तो यह धारणा अब बदलने वाली है। इलेक्ट्रिक कैटल की मदद से आप आसानी से घर पर ही स्वादिष्ट वेज बिरयानी तैयार कर सकते हैं, वो भी बिना ज्यादा मेहनत और बर्तनों के। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो कम समय में कुछ स्पेशल बनाना चाहते हैं। कैसे आप अपने इलेक्ट्रिक कैटल में झटपट वेज बिरयानी बना सकते हैं।

इलेक्ट्रिक कैटल में वेज बिरयानी बनाने के लिए सामग्री

1 कप बासमती चावल (भीगे हुए)

1 कप मिक्स सब्जियां (गाजर, मटर, बीन्स)

1 छोटा प्याज (कटा हुआ)

1 टमाटर (कटा हुआ)

1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट

2 कप पानी

नमक स्वादानुसार

बिरयानी मसाला, हल्दी, लाल मिर्च

1-2 चम्मच तेल या घी

कैटल में बिरयानी बनाने का तरीका

ध्यान रखें अधिकतर इलेक्ट्रिक कैटल ऑटो कट होती है, इसलिए इसमें बिरयानी बनाते समय कुछ धैर्य और सयंम जरूर रखें।

स्टेप 1- सबसे पहले पहले से भीगे चावल और पानी को कैटल में डालकर उबाल लें।

स्टेप 2- ध्यान रखें कि कैटल अपने आप बंद हो सकती है। इसलिए आपको इसे बार-बार आन करना पड़ेगा।

स्टेप 3- ऐसा तब तक करें, जब तक चावल 90 फीसदी पक न जाए।

स्टेप 4- चावल पक जाने के बाद इसे कैटल से निकाल लें।

स्टेप 5- अब इसी इलेक्ट्रिक कैटल को ऑन करें और उसमें थोड़ा तेल डालें।

स्टेप 6- जब तेल हल्का गर्म हो जाए, तो उसमें प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें।

स्टेप 7- अदरक-लहसुन पेस्ट और टमाटर डालकर अच्छे से मिक्स करें।

स्टेप 8- अब इसमें सभी कटी हुई सब्जियां डालें और 2-3 मिनट तक पकाएं।

स्टेप 9- इसके बाद नमक, हल्दी, लाल मिर्च और बिरयानी मसाला डालकर अच्छी तरह मिक्स करें, ताकि मसालों का स्वाद सब्जियों में अच्छी तरह घुल जाए।

स्टेप 10- अब पके हुए चावल को कैटल के दोबारा डालकर मिक्स कर लें।

स्टेप 11- ढक्कन बंद एक-दो मिनट तक पकने दें। बीच-बीच में चेक करते रहें ताकि चावल नीचे चिपके नहीं।

सर्व करने के टिप्स

जब चावल पूरी तरह पक जाएं और पानी सूख जाए, तो आपकी गरमा-गरम वेज बिरयानी तैयार है। इसे दही या रायते के साथ सर्व करें, जिससे स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

थलापति विजय की 'जन नायकन' लीक करने पर 6 गिरफ्तार

300 से ज्यादा पाइरेटेड लिंक हटाए गए, क्लाउड स्टोरेज के जरिए बांटी गई थी फिल्म

थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' के इंटरनेट पर लीक होने के मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम विंग ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर फिल्म के क्लिप्स और मूवी को ऑनलाइन लीक करने का आरोप है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार इन लोगों ने क्लाउड स्टोरेज और शेयर्ड ड्राइव लिंक के जरिए फिल्म को सोशल मीडिया पर फैलाया था।

300 से ज्यादा पाइरेटेड लिंक हटाए गए

साइबर क्राइम विंग ने फिल्म की पायरेसी को रोकने के लिए स्पेशल टीमें बनाई थीं। इन टीमों ने अब तक इंटरनेट से 300 से ज्यादा अवैध लिंक ट्रैक करके उन्हें हटा दिया है। पुलिस गिरफ्तार किए गए लोगों के फोन और अन्य डिजिटल सबूतों की जांच कर रही है। अथॉरिटीज अभी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, वेबसाइट्स और फाइल-शेयरिंग ऐप्स पर नजर रखे हुए हैं ताकि फिल्म को और ज्यादा लीक होने से बचाया जा सके।

आरोपियों ने क्लाउड स्टोरेज का किया इस्तेमाल

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS), आईटी एक्ट, कॉपीराइट एक्ट और सिनेमैटोग्राफ एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने फिल्म को शेयर करने के लिए क्लाउड स्टोरेज डिजिटल तकनीक का सहारा लिया था ताकि वे पकड़ में न आ सकें। फिलहाल सभी 6 आरोपी न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए हैं।

प्रोडक्शन हाउस ने दी चेतावनी

फिल्म के मेकर्स 'KVN प्रोडक्शंस' ने एक आधिकारिक बयान जारी कर लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध लिंक को शेयर न करें। उन्होंने कहा, हम 'जन नायकन' के एक्सक्लूसिव कॉपीराइट मालिक हैं। हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ लोगों ने गैरकानूनी तरीके से फिल्म के सीन और क्लिप्स को कॉपी करके सर्कुलेट किया है, जो डिजिटल पायरेसी का गंभीर मामला है।

क्या है फिल्म का बैकग्राउंड

एच. विनोद के निर्देशन में बनी फिल्म 'जन नायकन' एक बड़े बजट की एक्शन फिल्म है। इसमें थलापति विजय के साथ पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, प्रकाश राज और गौतम वासुदेव मेनन जैसे बड़े स्टार्स नजर आएंगे। थलापति विजय की यह फिल्म उनकी आखिरी फिल्मों में से एक मानी जा रही है, क्योंकि इसके बाद वे राजनीति में सक्रिय होने वाले हैं।

माइथोलॉजिकल हॉरर कॉमेडी में नजर आएंगी यामी : 'नई नवेली' की कहानी मॉडर्न है पर पौराणिक मान्यताओं से जुड़ी हैं जड़ें

कंटेंट-ड्रिवेन सिनेमा के लिए जानी जाने वाली यामी गौतम अब अपने करियर के सबसे अलग और साहसी प्रोजेक्ट की ओर बढ़ चुकी हैं। फिल्म गलियारों में चर्चा है कि उन्होंने दिग्गज निर्माता-निर्देशक आनंद एल. राय के साथ एक मायथोलॉजिकल हॉरर कॉमेडी 'नई नवेली' के लिए हाथ मिलाया है। यह फिल्म लोक कथाओं और आधुनिक कहानी कहने के फॉर्मेट का अनोखा मेल होगी, जिसमें तकनीकी स्तर पर दक्षिण भारतीय सिनेमा की मजबूत भागीदारी देखने को मिलेगी।

मालवणी में चल रही शूटिंग, 2 साल की तैयारी सीक्रेट रही

सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग मुंबई के मालवणी इलाके में पिछले एक हफ्ते से तेजी से जारी है। यह प्रोजेक्ट आनंद एल. राय के बैनर कलर येलो प्रोडक्शंस के तहत बनाया जा रहा है। खास बात यह है कि इस फिल्म पर लगभग दो वर्षों से सीक्रेटली प्रोडक्शन का काम चल रहा था। कहानी वर्तमान समय में सेट है, लेकिन इसकी जड़ें हजारों साल पुरानी पौराणिक मान्यताओं से जुड़ी हुई बताई जा रही हैं, जो इसे एक अलग सिनेमाई पहचान देंगी।

मेरठ की पृष्ठभूमि में रहस्य और फैमिली ड्रामा भी दिखेगा

फिल्म का कैनवास मॉडर्न-डे में है, जहां मेरठ के बैकग्राउंड में एक नवविवाहित बहू के घर में आने के बाद रहस्यमयी घटनाओं का सिलसिला शुरू होता है। यह कहानी किसी लुटेरी दुल्हन या ग्रे शेड वाले किरदार पर नहीं है, बल्कि एक फैमिली एंटरटेनर है, जिसमें हॉरर और कॉमेडी के साथ इमोशनल एलिमेंट्स भी हैं।

टेक्निकल क्रू में साउथ से जुड़े बड़े दिग्गज नाम होंगे शामिल

फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका टेक्निकल क्रू है, जिसमें साउथ सिनेमा के बड़े नाम शामिल हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार जी.वी. प्रकाश कुमार इससे हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं और चूंकि फिल्म म्यूजिकल टोन लिए हुए है, इसलिए उनका संगीत इसकी आत्मा माना जा रहा है। 'आर्टिकल 370' के बाद यामी एक बार फिर एक्शन अवतार में दिखेंगी।

दिव्य निधि ने लिखी है स्क्रिप्ट, दिखाएगी लोक कथाओं का गहरा पक्ष

फिल्म की स्क्रिप्ट दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। उन्होंने इस स्क्रिप्ट में हॉरर और कॉमेडी के बीच एक बारीक संतुलन तैयार किया है। कहानी सिर्फ डराने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय लोक कथाओं के उस गहरे पक्ष को सामने लाती है, जो हजारों साल पुरानी मिथकीय कहानियों को आज से जोड़ता है।

'धुरंधर 2' के लिए भी सराही गई यामी, आगे फिर पति आदित्य की फिल्म में दिखेंगी

यामी फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' में भी दिखीं। इसकी सफलता ने उनके करियर को नई मजबूती दी है। 'धुरंधर 2' में उनके कैमियो को जिस तरह सराहा गया, उसने उनके एक्शन-ब्रांड को और मजबूत किया है। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि 'नई नवेली' 2026 के अंत तक रिलीज हो सकती है और अपने कॉन्सेप्ट के चलते स्लीपर हिट बनने की क्षमता रखती है।

सूत्रों के मुताबिक, यामी का 2027 का शेड्यूल पूरी तरह से बड़े प्रोजेक्ट्स से भरा हुआ है। साल की शुरुआत में वह एक स्पाई थ्रिलर में दिखेंगी। इसमें उनका किरदार एक हाई-प्रोफाइल इंटेलिजेंस ऑफिसर का होगा। फिर 2027 के अंत तक पति आदित्य धर के निर्देशन में एक भव्य एक्शन फिल्म भी आएगी जो 'धुरंधर' यूनिवर्स को और विस्तार देगी।

'सैयारा' के बाद फिर मोहित सूरी के साथ काम करेंगे अहान पांडे

पिछले साल आई रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' से अहान पांडे रातोंरात युवाओं के बीच की सेंसेशन बन गए। इस सफल फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। अब अहान पांडे एक बार फिर मोहित सूरी के साथ एक नई रोमांटिक फिल्म पर काम करने के लिए तैयार हैं। ऐसा होता है तो 'सैयारा' के बाद एक बार फिर मोहित सूरी और अहान पांडे की जोड़ी बड़े पर्दे पर छाने के लिए तैयार है।

फिर यशराज फिल्म्ल साथ लाएगा अहान और मोहित की जोड़ी

एक रिपोर्ट के अनुसार, अहान पांडे मोहित सूरी की यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली अगली रोमांटिक ड्रामा फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट में बताया गया है, 'मोहित ने अपनी नई फिल्म की कहानी लिख ली थी, जो एक अधेड़ उम्र के लड़के और एक अधेड़ उम्र की लड़की पर आधारित रोमांटिक कॉमेडी है। लेकिन जिस अभिनेता को उन्होंने चुना था, उसके साथ यह कहानी ठीक नहीं बैठ पाई। आदित्य चोपड़ा ने उन्हें अहान के साथ एक और रोमांटिक कॉमेडी बनाने का सुझाव दिया। चूंकि उनकी दूसरी फिल्म एक एक्शन फिल्म है, जिसमें उन्होंने एक गैंगस्टर का किरदार निभाया है। इसलिए निर्माता को लगा कि अहान की रोमांटिक जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आएगी।'

नए सिरे से स्क्रिप्ट लिख रहे मोहित सूरी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'सैयारा' की सफलता के बाद मोहित सूरी की अगली फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म की कास्टिंग को लेकर कई नामों की चर्चा चल रही थी, लेकिन अब यह पुष्टि हो गई है कि अहान पांडे को इस आगामी प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया गया है। अब मोहित अहान के हिसाब से स्क्रिप्ट को फिर से लिख रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है।

अली अब्बास जफर की अगली फिल्म की शूटिंग कर रहे अहान

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'सैयारा' के बाद अहान पांडे फिलहाल निर्देशक अली अब्बास जफर की एक्शन-रोमांस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में अहान पांडे के साथ शरवरी वाघ, ऐश्वर्य ठाकरे, बॉबी देओल और जिमी शेरगिल भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इस प्रोजेक्ट में अहान एक्शन-रोमांस शैली में कदम रखेंगे।

प्रीति जिंटा को बधाई देते हुए सलामन ने कहा- टीम बहुत अच्छा खेल रही है

सलमान का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। दरअसल, फैंस ने इस ट्वीट की तुलना साल 2014 में किए गए सलमान के पुराने पोस्ट से की, जिसमें उन्होंने पूछा था, "जिंटा की टीम जीती क्या?" सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इसे "12 साल बाद आया सबसे अच्छा सीक्वल" बताते हुए फनी रिएक्शन दिए।

कुछ यूजर्स ने "टाइगर जिंटा है" जैसे कमेंट भी किए। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया

सलमान खान और प्रीति जिंटा लंबे समय से दोस्त हैं और उन्होंने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें चोरी चोरी चुपके चुपके, जान-ए-मन, और हर दिल जो प्यार करेगा शामिल हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपकमिंग फिल्म मातृभूमि में नजर आएंगे। वहीं इसके अलावा एक्टर जल्द ही दिल राजू के साथ अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म में नयनतारा भी नजर आएंगी और इसका डायरेक्शन वामशी पेडिपल्ली करेंगे।इस बीच, प्रीति जिंटा आने वाली फिल्म लाहौर 1947 में सनी देओल, शबाना आजमी, अली फजल और करण देओल के साथ नजर आएंगी। फिल्म का म्यूजिक ए. आर. रहमान ने बनाया है और गाने के बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैं। वह वाइब नाम के एक प्रोजेक्ट में भी नजर आएंगी।

लता मंगेशकर-आशा भोसले की याद में बनेगा अस्पताल

भाई हृदयनाथ बोले- पुणे में एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल बनाने की कोशिश कर रहे हैं

सिंगर लता मंगेशकर और आशा भोसले की याद में पुणे में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जाएगा। दोनों सिंगर्स के भाई और म्यूजिक डायरेक्टर हृदयनाथ मंगेशकर ने सोमवार को यह जानकारी दी। हृदयनाथ मंगेशकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुणे में उनकी मां और लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल बनाने का सपना देखा था।

उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय यह पूरा नहीं हो सका। हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि अस्पताल लता मंगेशकर के नाम पर बनाया जाएगा और इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं।

16 तारीख के दिन इसके मुहूर्त की योजना थी, लेकिन इसी बीच अचानक आशा भोसले का निधन हो गया। उन्होंने कहा कि अब परिवार ने तय किया है कि अस्पताल लता मंगेशकर और आशा भोसले दोनों के नाम पर बनाया जाएगा। वो इसे एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

सारा अली खान ने बर्फबारी में टेंट में रात बिताई : उत्तराखंड में ट्रैकिंग की, 18km पैदल चलीं; बोलीं- सुकून मिला

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने उत्तराखंड के टिहरी जनपद स्थित प्रसिद्ध पंवाली कांठा बुग्याल का ट्रेक कर पहाड़ों की अद्भुत खूबसूरती और बर्फबारी का भरपूर आनंद लिया। उनकी इस यात्रा ने एक बार फिर उत्तराखंड के बुग्यालों की ओर पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया।

ट्रैकर कुलदीप रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि सारा अली खान टिहरी के घुत्तू क्षेत्र पहुंचीं, जहां से उन्होंने ग्वाणा गांव से लगभग 18 किलोमीटर लंबे पैदल ट्रेक की शुरुआत की।

यह ट्रेक प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों के बीच से होकर गुजरता है, जो ट्रैकर्स के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है।

ट्रेक के दौरान उन्होंने दोफन नामक स्थान पर रात्रि विश्राम किया। खास बात यह रही कि यहां किसी भी प्रकार की होटल या रेस्टोरेंट सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके बावजूद सारा ने बर्फबारी के बीच टेंट में रुककर असली एडवेंचर का अनुभव लिया।

अगले दिन सुबह वह पंवाली कांठा बुग्याल पहुंचीं। यहां इन दिनों ताजा बर्फबारी के चलते पूरा क्षेत्र सफेद चादर से ढका हुआ है। बुग्यालों की मनमोहक वादियों और बर्फीले नजारों के बीच उन्होंने काफी समय बिताया और प्रकृति के इस अनोखे रूप का आनंद लिया। देर शाम वह दोफन वापस लौटीं और अगले दिन घुत्तू के लिए रवाना हो गईं।

ट्रेक के दौरान सारा अली खान ने सादगी का परिचय देते हुए खुद को एक सामान्य यात्री की तरह प्रस्तुत किया। उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ समय बिताया और पहाड़ी व्यंजनों जैसे लाल चावल, मंडवे की रोटी और लेंगड़े की सब्जी का स्वाद भी लिया।

वहीं, ट्रैकर्स से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह स्थान बेहद खूबसूरत है, यहां आकर उन्हें बहुत सुकून मिला और यह अनुभव उनके लिए यादगार रहा। उन्होंने भविष्य में दोबारा यहां आने की इच्छा भी जताई। सारा अली खान की इस यात्रा से पंवाली कांठा जैसे खूबसूरत लेकिन कम चर्चित ट्रैकिंग स्थलों को नई पहचान मिलने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सकता है।

अनीता हसनंदानी ने मनाया अपना 45वां जन्मदिन, लिखा- 'थोड़ी और बिंदास...'

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी आज 14 अप्रैल को अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। अनीता अपने जन्मदिन को बहुत मजे से मना रही हैं, जिसका खास वीडियो अनीता ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर अपने फैंस को खुश कर दिया है। अनीता को कई सेलेब्स ने भी जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

अनीता ने शेयर किया मजेदार वीडियो

अनीता ने इंस्टाग्राम पर अपने 45वें जन्मदिन पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह केक की मोमबत्तियां बुझाती हैं और फिर हंसते हुए भाग जाती हैं। उनके पीछे कोई व्यक्ति केक लेकर दौड़ता हुआ दिख रहा है। इस वीडियो के साथ अनीता ने एक प्यारा संदेश भी लिखा है।

अनीता का पोस्ट

अनीता ने लिखा, '45 साल की हो गई हूं और अभी भी भाग रही हूं। कैलोरी से और कभी-कभी अपने ही केक से। लेकिन सच कहूं तो, अगर यह केक मेरा पीछा कर रहा है तो शायद इसलिए क्योंकि जीवन इतना मीठा रहा है। मैं हर हंसी, हर सीख और हर पल के लिए बहुत आभारी हूं। अब थोड़ी ज्यादा समझदार, थोड़ी ज्यादा बिंदास और बहुत ज्यादा संतुष्ट हूं।'

सेलेब्स के कमेंट्स

उर्वशी ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो डार्लिंग'

अली गोनी ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, 45 साल की हो गई, यकीन नहीं हो रहा'

सना मकबूल ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो ताया'

स्मृति ईरानी ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो'

टीना दत्ता ने लिखा, 'ओह माय गॉड, लगता है ये सोलहवें जन्मदिन की है'

अनीता को उनके फैंस ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। एक फैन ने लिखा, 'सबसे खूबसूरत आत्मा को बहुत-बहुत मुबारकबाद।'

दूसरे ने लिखा, '45 साल की उम्र कभी इतनी मजेदार नहीं लगी।'

इसके अलावा कई फैंस ने उनके वीडियो की तारीफ करते हुए लिखा कि वे बहुत प्यारी और ऊर्जा से भरी हुई हैं।

अनीता का वर्कफ्रंट

अनीता अभी भी टेलीविजन, रियलिटी शो और ब्रांड कामों में सक्रिय हैं। हाल ही में वे 'छोड़ियां चली गांव' रियलिटी शो में नजर आई थीं, जहां उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और खिताब भी जीता।

दो हसीनाओं के बीच फंसे वरुण धवन 'है जवानी तो इश्क होना है' का फर्स्ट लुक रिलीज

बीते दिनों फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की नई रिलीज डेट का एलान किया गया था। पहले जून में रिलीज होने वाली यह फिल्म अब मई के महीने में दस्तक देगी। आज मंगलवार को फिल्म का फर्स्ट लुक वीडियो सामने आया है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें एआई का इस्तेमाल किया गया है। इस पर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आई है।

फर्स्ट लुक में हुआ एआई का इस्तेमाल

एआई किड्स पिता की जन्मतिथि 24 अप्रैल बताते हैं। बता दें कि वरुण धवन का जन्मदिन इसी दिन होता है। वीडियो में आगे वरुण धवन की एंट्री होती है। उनके किरदार का नाम जैस है। वे हाथों में जयमाला थामे झांकते दिख रहे हैं।

प्रीत और बानी के इश्क में उलझे वरुण धवन!

आगे मृणाल ठाकुर की झलक देखने को मिली है, जिनके किरदार का नाम बानी है। इसके बाद पूजा हेगड़े की एंट्री होती है और उनके किरदार का नाम प्रीत है। वरुण धवन को बानी और प्रीत दोनों के साथ इश्क फरमाते दिखाया गया है।

नेटिजंस ने क्या कहा?

फर्स्ट लुक पर नेटिजंस रिएक्ट कर रहे हैं। खासतौर पर एआई के इस्तेमाल पर रिएक्शन मजेदार हैं। कुछ लोगों को यह बहुत पसंद आया है। नेटिजन लिख रहे हैं, 'एआई वाले लाइक करें'।

वहीं, कुछ ने लिखा है, 'एआई का इस्तेमाल सिर्फ प्रोमो तक रहे तो बेहतर है'। कुछ को फर्स्ट लुक में गोविंदा की फिल्म 'सैंडविच' की झलक आ रही है, तो कुछ को फिल्म 'जुड़वा' वाली।

कब होगी रिलीज?

यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन वरुण धवन के पिता व दिग्गज निर्देशक डेविड धवन ने किया है। 'मैं तेरा हीरो' और 'जुड़वा 2' के बाद वरुण और डेविड की पिता-पुत्र की जोड़ी की ये तीसरी फिल्म है।

वेदांता प्लांट में ब्लास्ट से 11 की मौत

40 घायल, मृतकों के परिजनों को मुआवजा, सीएम साय ने दिए निर्देश

सक्ती, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब प्लांट के भीतर बॉयलर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो, जबकि 11 लोगों की मौत हो चुकी है।

बताया जा रहा है कि हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब प्लांट में नियमित कार्य चल रहा था। अचानक हुए विस्फोट से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। हालांकि, प्रशासन की ओर से बयान आना बाकी है।

सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस टीम मौके पर पहुंच रही है। साथ ही फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंच रही है। हादसे के कारणों का फिलहाल स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।

अस्पातल से मिली जानकारी के मुताबिक, घायलों को तत्काल रायगढ़ के जिंदल अस्पताल ले जाया गया है। जहां 18 घायलों को भर्ती किया गया था। जिसमें से छह की मौत हो गई और चार की सक्ति में मौत हो गई थी। कुल अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 12 घायल लोगों का इलाज चल रहा है। बता दें कि यहां का वेंटीलेटर फुल हो चुके हैं, इसलिए अन्य झुलसे लोगों को अन्य अस्पताल ले जाया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 7 से 10 लोगों के मरने की आशंका थी और 30 से 40 मजदूरों के झुलसने की खबर मिली थी।

एक घायल को मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा गया है। मृतक के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजने की तैयारी की जा रही है। मौके पर पुलिस ओर प्रशासन की टीम मौजूद है। मृतकों की संख्या में और इजाफा हो सकता है।

सक्ती के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर ब्लास्ट की दुर्घटना पर मुख्यमंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त की और शोकाकुल परिजनों के साथ अपनी

संवेदनाएं जताईं। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत-बचाव कार्य तेज करने, घायलों के बेहतर उपचार और घटना की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सक्ती के वेदांता पावर प्लांट में हुए बॉयलर ब्लास्ट हादसे को पीड़ादायक बताते हुए सोशल मीडिया पर संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने बताया कि हादसे में कई मजदूरों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए हैं, साथ ही शासन-प्रशासन से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और सभी घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने की अपील की।

वेदांता थर्मल पावर प्लांट में हुए भीषण बॉयलर ब्लास्ट हादसे के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने तत्काल जांच के निर्देश दिए और दोषियों पर श्रम कानून के तहत कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। मंत्री ने घायल मजदूरों के बेहतर इलाज और मृतकों के परिजनों को निर्धारित मुआवजा देने का आश्वासन दिया। उन्होंने विशेष जांच टीम गठित कर प्लांट प्रबंधन, ठेकेदार और सुरक्षा मानकों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

सिंगहीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में आज बॉयलर यूनिट में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि सब-कॉन्ट्रैक्टर एनजीएसएल के कर्मचारी प्रभावित हुए हैं और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सहायता तथा पूरा सहयोग दिया जा रहा है। प्रवक्ता ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में काम किया जा रहा है। कंपनी ने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

विस्फोट इतना तेज था कि इसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। इससे आसपास के ग्रामीण भी दहशत में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंच गए। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज लगातार जारी है और कुछ घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

हादसे के बाद प्लांट प्रबंधन के अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य तेजी से जारी है, साथ ही घटना के कारणों की जांच के निर्देश भी दे दिए गए हैं।

लोनी के कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

दमकल की कई गाड़ियां मौके पर, लाखों का नुकसान

गाजियाबाद, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। लोनी टीला मोड़ थाना इलाके में भारत सिटी के पास मंगलवार दोपहर एक कबाड़ के गोदाम में ऐसी आग लगी कि पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

आग इतनी तेज थी कि दूर-दूर तक आसमान में सिर्फ काले धुएं का गुबार फैल गया। देखते ही देखते ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और पूरा गोदाम आग की चपेट में आ गया।

बताया जा रहा है कि दोपहर करीब साढ़े तीन बजे गोदाम से अचानक धुआं निकलने लगा। गोदाम में प्लास्टिक, रबर और पुराने सामान के बड़े-बड़े बोरे और ऊंचे ढेर लगे थे।

हवा चलने से आग पल भर में फैल गई। लपटें इतनी तेज थीं कि टीन का शेड भी पिघलने लगा। आग लगने से भारत सिटी के आसपास रहने वाले लोग डर गए।

काले धुएं से सांस लेना मुश्किल हो गया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोदाम के पास का रास्ता बंद कर दिया, ताकि कोई हादसा न हो।

मुरादनगर स्टेशन से भी गाड़ियां बुलाई गईं

आग की खबर मिलते ही साहिबाबाद फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची। आग की भयावहता को देखकर तुरंत साहिबाबाद के साथ-साथ वैशाली, गाजियाबाद और मुरादनगर स्टेशन से भी गाड़ियां बुलाई गईं।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि अभी चार फायर टेंडर और दो ब्राउजर आग बुझाने में लगे हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों को आग बुझाने में बहुत दिक्कत आ रही है।

कबाड़ का ढेर बहुत बड़ा है। ऊपर से पानी डालते हैं तो नीचे दबी आग फिर से भड़क जाती है। फायरकर्मी लगातार आग बुझाने में जुटे हैं। सीएफओ ने बताया कि आग बहुत बड़ी है, इसे पूरी तरह बुझाने में अभी और वक्त लगेगा। शुरुआती अंदाजे के मुताबिक लाखों का कबाड़ जलकर राख हो गया है। अच्छी बात ये रही कि अभी तक किसी जनहानि की खबर नहीं है।

उन्होंने बताया कि आग किस वजह से लगी, ये साफ नहीं हो पाया है। जांच के बाद ही आग का कारण साफ हो सकेगा। फिलहाल दमकल की गाड़ियां मौके पर हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

डिप्रेशन में बहन ने तोड़ा दम

अंत्येष्टि में पड़ोसियों ने साथ नहीं दिया तो भाई ने बाथरूम में कर दिया अंतिम संस्कार

धनबाद, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने न सिर्फ कानून व्यवस्था बल्कि समाज में बढ़ती संवेदनहीनता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां एक युवती की मौत के बाद पांच दिनों तक उसका शव घर में ही पड़ा रहा और अंततः उसके ही भाई ने बाथरूम में शव को जला दिया।

तलाकशुदा बेटी लंबे समय जूझ रही थी डिप्रेशन से

मामला गोविंदपुर थाना क्षेत्र के वास्तु विहार स्थित एक आवासीय कॉलोनी का है। जानकारी के अनुसार यह मकान सीआईएमएफआर (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च) के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक संगीत कुमार का था, जिनका निधन वर्ष 2023 में हो चुका है। उनकी तलाकशुदा बेटी लिपिका कुमारी लंबे समय से अवसाद (डिप्रेशन) से जूझ रही थी और घर में अकेली रहती थी। धीरे-धीरे परिवार के अन्य सदस्य भी समाज से कटते चले गए और खुद को पूरी तरह अलग-थलग कर लिया।

बताया जा रहा है कि 8 अप्रैल को लिपिका कुमारी की मौत हो गई। घर में मौजूद उनके भाई प्रणव राजवर्धन ने इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दी, लेकिन पड़ोसियों ने उनकी बात पर विश्वास नहीं किया और कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। आरोप है कि घबराहट और असमंजस की स्थिति में भाई ने शव को घर के बाथरूम में कपड़े, रजाई और तकिए के साथ जला दिया।

इस घटना का खुलासा 12 अप्रैल को तब हुआ, जब घर से तेज दुर्गंध और जलने की बदबू आने लगी। आसपास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही गोविंदपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बाथरूम से अधजले शव का अवशेष बरामद किए। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

यह घटना समाज में बढ़ती दूरी, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही और पड़ोसियों की उदासीनता को उजागर करती है। यह एक बड़ा सवाल खड़ा करती है। क्या हम इतने संवेदनहीन हो चुके हैं कि किसी की मदद के लिए भी आगे नहीं आते?

पुलिस ने 22 वाहन पकड़े, जुर्माना वसूला

बिना नंबर प्लेट और मॉडिफाइड बाइकों पर कार्रवाई, अभियान जारी रहेगा

जशपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। जशपुर पुलिस ने जिले में यातायात व्यवस्था सुधारने और सुरक्षित बनाने के लिए अभियान तेज कर दिया है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर बिना नंबर प्लेट, मॉडिफाइड वाहनों, ओवर स्पीड और स्टंट करने वालों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में, कोतवाली जशपुर पुलिस ने बीती रात सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाली कुल 22 मोटरसाइकिलों को पकड़ा गया। जांच में पाया गया कि कई वाहन बिना नंबर प्लेट के थे, जबकि कुछ मॉडिफाइड थे या नाबालिगों द्वारा चलाए जा रहे थे।

अभियान के तहत, 19 बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों को जब्त किया गया। पुलिस ने चालकों को

नंबर प्लेट लगवाने के बाद ही वाहन छोड़ने की हिदायत दी और 5700 का जुर्माना वसूला। एक अन्य वाहन चालक पर ओवर स्पीड के लिए 1000 का जुर्माना लगाया गया। शेष दो वाहनों के खिलाफ कार्रवाई अभी जारी है।

पुलिस ने वाहन चालकों को चेतावनी दी है कि भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन करने या बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने पर उन्हें सीधे जब्त कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और नाबालिगों को वाहन न चलाने देने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम तोड़ने पर वाहन चालक के साथ-साथ अभिभावकों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कासगंज में आंबेडकर शोभायात्रा का रास्ता रोका

दो पक्षों में टकराव, गांव में पुलिस फोर्स तैनात

कासगंज, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। कासगंज के सहावर कोतवाली के गांव चहक गुनार में मंगलवार की शाम डॉ. भीमराव आंबेडकर शोभायात्रा निकालने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया।

विवाद की सूचना पर बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंच गई। गांव में पुलिस फोर्स तैनात है।

गांव चहका गुनार में मंगलवार की शाम डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी। शोभायात्रा गुनार की ओर से निकाले जाने का यादव पक्ष ने विरोध किया।

दलित पक्ष का आरोप है कि उन्होंने सड़क पर दूसरे पक्ष के लोगों ने ट्रैक्टर, बुग्गी, थ्रेशर रखकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने इस ओर से शोभायात्रा को निकालने से मना कर दिया।

विवाद की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का काफी प्रयास किया लेकिन ग्रामीण नहीं माने। गांव में विवाद की सूचना पर सहावर सीओ शाहिदा नसरीन व काफी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। गांव में पुलिस पर पथराव की सूचना है।

इस गांव में 30 साल पूर्व भी यादव पक्ष की ओर से शोभायात्रा निकालने को लेकर विवाद हुआ था। फिलहाल पुलिस दोनों को पक्षों को समझाने के प्रयास में लगी हुई है।

11.36 करोड़ के मालिक सम्राट, सालाना 50 लाख के हिसाब से बढ़ी संपत्ति

रिवॉल्वर-राइफल के भी शौकीन

पटना, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी 2025 के हलफनामे के मुताबिक 11.36 करोड़ के मालिक हैं। साल 2020 में विधान परिषद चुनाव के दौरान सम्राट और उनके परिवार की कुल संपत्ति लगभग 8.86 करोड़ रुपये थी, जो 2025 तक बढ़कर 11.36 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई। पिछले पांच वर्षों में उनकी कुल संपत्ति में लगभग 2.5 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है, जो सालाना लगभग 50 लाख रुपये की बढ़ोत्तरी को दिखाता है। उनकी आय के मुख्य स्रोतों में किराया और पेंशन शामिल है, जबकि उनकी पत्नी वकालत और किराये से आय अर्जित

करती हैं।

साल 2025 में सम्राट चौधरी ने तारापुर विधानसभा क्षेत्र (मुंगेर) से चुनाव लड़ा था। उस वक्त दाखिल हलफनामे के मुताबिक सम्राट चौधरी और उनके परिवार के पास कुल 11 करोड़ 36 लाख रुपये की संपत्ति हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के आयकर रिटर्न के अनुसार सम्राट चौधरी की वार्षिक आय 17,91,420 रुपये है। उनकी पत्नी की आय 12,73,160 रुपये दर्ज की गई है।

साल 2025 के हिसाब से सम्राट चौधरी की व्यक्तिगत चल और अचल संपत्ति का कुल लगभग 9.27 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों की संपत्ति मिलाने पर ये आंकड़ा और अधिक हो जाता है। अगर, सम्राट चौधरी, उनकी पत्नी, दोनों आश्रितों की संपत्ति को जोड़ दिया जाए तो 2025 में इनकी कुल संपत्ति लगभग 11.36 करोड़ रुपये से अधिक है।

वहीं, 2020 में बिहार विधान परिषद चुनाव के समय सम्राट चौधरी और उनके परिवार को मिलाकर कुल 8.86 करोड़ की संपत्ति थी। शपथ पत्र में इस बात जिक्र है।

साल 2020 में सम्राट के पास कुल 8.86 करोड़ की प्रॉपर्टी

सम्राट चौधरी पर एसबीआई से लिया गया 68,00,000 रुपये का होम लोन बकाया था। उनकी आय के मुख्य स्रोत किराया और पेंशन हैं । उनकी पत्नी की आय का स्रोत किराया और वकालत है। सम्राट चौधरी की व्यक्तिगत कुल संपत्ति लगभग 7.35 करोड़ रुपये थी। पति-पत्नी और आश्रितों की संपत्ति को मिला दिया जाए, तो परिवार की कुल संपत्ति लगभग 8.86 करोड़ रुपये से अधिक थी। उनके हलफनामे के अनुसार उन्होंने कैलिफोर्निया पब्लिक यूनिवर्सिटी, यूएसए से डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की उपाधि प्राप्त की है।

सोने की अंगूठी और 1000 रुपये के लिए कोंडागांव में टेंट कारोबारी की हुई थी हत्या

आरोपी ने घर बुलाकर किया मर्डर

कोंडागांव, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में टेंट कारोबारी की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हिरासत में लिए गए संदिग्ध ने पुलिस की पूछताछ में हत्या करने की बात स्वीकार की है। आरोपी ने बताया कि उसने पैसे और सोनी की अंगूठी के लालच में आकर हत्याकांड को अंजाम दिया है। आरोपी ने बताया कि हत्याकांड को अंजाम देने के बाद शव को दफनाने के लिए अपनी स्कूटी में लेकर गया था।

पूछताछ में आरोपी सुरेश देवांगन ने बताया कि सोने की अंगूठी और कैश के लालच में उसने कारोबारी सुरेश चौहान को अपने घर बुलाया था। यहां उसने लोहे के खलबट्टे के मूसल से उसके सिर पर हमला कर दिया। जिसके बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या करने के बाद आरोपी ने कारोबारी का शव अपनी स्कूटी में रखा और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे खेत के पास मिट्टी के ढेर में दबा दिया। पुलिस ने आरोपी के कूबलनामे के बाद उसकी निशानदेही पर मृतक की 2 सोने की अंगूठियां, 1000 रुपए कैश बरामद कर लिया है। इसके साथ ही हत्या के लिए इस्तेमाल किए गए हथियार को भी बरामद कर लिया है। कोंडागांव के रहने वाले टेंट कारोबारी सुरेश चौहान 11 अप्रैल को लापता हो गया था। जब सुरेश का कोई पता नहीं लगा तो परिजनों ने उसी शाम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को लेते हुए जांच शुरू की थी। पुलिस ने शहर के करीब 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। उसके बाद पुलिस को एक संदिग्ध दिखाई दिया। जिसे पुलिस ने हिरासत में लिया।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस की टीम उस जगह तक पहुंची थी जहां आरोपी ने टेंट कारोबारी के शव को दफनाया था।

1 करोड़ की अफीम-डोडा जब्त

तस्करों के घरों से आधार कार्ड बरामद, आरोपी फरार, 3 दिन में दूसरी बड़ी कार्रवाई

चतरा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने लावालौंग क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1 करोड़ रुपये की अफीम और डोडा जब्त किया है। यह कार्रवाई एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में की गई, जिसमें छह तस्करों के घरों से नशे का जखीरा बरामद हुआ।

हालांकि तस्कर भागने में कामयाब रहे। पिछले तीन दिनों के भीतर लावालौंग क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसमें अफीम माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया है। पुलिस ने तस्करों के घरों से उनके आधार कार्ड भी बरामद किए हैं।

चतरा एसपी सुमित अग्रवाल को मिली एक गोपनीय सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया गया। सूचना थी कि रिमी पंचायत के खाखर गांव में आधा दर्जन तस्कर अपने घरों में भारी मात्रा में अफीम और डोडा जमा कर रहे हैं। तस्कर 13 अप्रैल को इस नशे को बाहरी व्यापारियों को बेचने की योजना बना रहे थे। इससे पहले कि वे अपने मंसूबों में कामयाब होते, सिमरिया एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खाखर गांव को चारों तरफ से घेर लिया।

पुलिस ने अमारिक गंझु, मनोज गंझु, सरजू गंझु, मदन गंझु, विनोद गंझु और पिंटू गंझु के घरों में तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके घरों से बोरे में भरकर रखी गई भारी मात्रा में अफीम और डोडा बरामद किया गया।

पुलिस ने मौके से 8.7 किलोग्राम गीला अफीम, 370 किलोग्राम डोडा और 109 किलोग्राम पोस्ता दाना बरामद किया है। इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1 करोड़ रुपए आंकी गई है।

एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि पुलिस ने नशा तो जब्त कर लिया है, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल रहे। एसपी ने स्वीकार किया कि माफियाओं को पुलिस के आने की भनक लग जाती है, जिससे वे फरार हो जाते हैं। हालांकि, इस बार पुलिस के हाथ अहम सुराग लगे हैं। तस्करों के घरों से उनके आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज मिले हैं, जिससे उनकी पहचान पूरी तरह पुख्ता हो गई है।

पूर्वा एक्सप्रेस से गिरे पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल

धनबाद, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली से हावड़ा जा रही पूर्वा एक्सप्रेस से गिरकर एक दंपती गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना मंगलवार को डोकरा हॉल्ट से कुछ दूरी पर पोल संख्या 226/18 के पास हुई। दोनों को धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, दंपती जनरल कोच में यात्रा कर रहा था और वॉशरूम की ओर जा रहा था। इसी दौरान पति का संतुलन बिगड़ गया और वे गिरने लगे। पति को गिरता देख पत्नी ने उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन इस प्रक्रिया में वह भी अपना संतुलन खो बैठीं।

मेरठ सेंट्रल मार्केट संकट : व्यापारियों ने खोला मोर्चा

एसआईटी जांच और अफसरों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई की उठी मांग

मेरठ, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट को लेकर व्यापारियों में बढ़ती बेचैनी अब खुलकर सामने आने लगी है। अपनी रोजी-रोटी पर मंडरा रहे संकट से परेशान व्यापारियों ने अब सरकार तक सीधी बात पहुंचाने की रणनीति तैयार कर ली है। इसी क्रम में संयुक्त व्यापार संघ (अजय गुप्ता गुट) की शील कुंज स्थित सुधीर रस्तोगी के आवास पर अहम बैठक की गई, जिसमें आगे की लड़ाई की रूपरेखा तय की गई।

बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मेरठ सेंट्रल मार्केट के व्यापारी आज गंभीर संकट से गुजर रहे हैं और इसके लिए आवास एवं विकास परिषद की नीतियों को

जिम्मेदार ठहराया गया। व्यापार संघ के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने बताया कि संगठन के संरक्षक अरुण वशिष्ठ की ओर से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने का समय लेने की तैयारी की जा रही है।

अजय गुप्ता ने बताया कि इस मुलाकात में न केवल व्यापारियों के पुनर्वास की मांग रखी जाएगी, बल्कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और प्रकारण में शामिल अधिकारियों के खिलाफ विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया जाए।

यदि जांच में आय से अधिक संपत्ति सामने आती है तो उनकी चल-अचल संपत्तियों को जब्त किया जाए और सख्त कार्रवाई करते हुए उनके घरों पर भी बुलडोजर चलाया जाए। उनका कहना है कि जब तक जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक पीड़ित व्यापारियों को न्याय मिलना संभव नहीं है।

अजय गुप्ता ने मौजूदा हालात का जिक्र करते हुए कहा कि आज सेंट्रल मार्केट का व्यापारी खुद को असहाय महसूस कर रहा है। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि व्यापारी की स्थिति चौराहे पर पड़े एक लाचार और टूटे हुए इंसान जैसी हो गई है। जिस पर विभिन्न राजनीतिक दल उनकी मजबूरी के साथ अपनी गंदी राजनीति का खेल खेलते हुए नजर आ रहे हैं।

ईरान-अमेरिका की लड़ाई में

रूस ने भरी अपनी जेब, तेल से हुई मोटी कमाई

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ा, लेकिन इस हालात में रूस को बड़ा फायदा मिल गया।जब दुनिया युद्ध और अनिश्चितता में उलझी रही, तब रूस ने तेल और फ्यूल के जरिए अपनी कमाई में जबरदस्त उछाल दर्ज किया।मार्च महीने में रूस ने अपना कमाल दिखा दिया और करोड़ों रुपये की कमाई कर डाली।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के मुताबिक, मार्च महीने में रूस की तेल और फ्यूल निर्यात से कमाई करीब 19.04 अरब डॉलर तक पहुंच गई।यह फरवरी के मुकाबले लगभग दोगुनी है, जब यह आंकड़ा करीब 9.75 अरब डॉलर था।इस तेजी की सबसे बड़ी वजह ग्लोबल बाजार में तेल की कीमतों का उछलना रहा, जो मध्य-पूर्व के तनाव के चलते बढ़ा।दरअसल, जब भी दुनिया के किसी बड़े तेल उत्पादक क्षेत्र में संकट होता है, तो सप्लाई को लेकर डर बढ़ जाता है।इसी डर की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें ऊपर चली जाती हैं।रूस ने इसी मौके का फायदा उठाया और ज्यादा कीमत पर अपना तेल बेचकर भारी मुनाफा कमाया।रूस के तेल निर्यात में भी इजाफा देखने को मिला।मार्च में कच्चे तेल का निर्यात बढ़कर करीब 4.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया।खास बात यह रही कि समुद्री रास्तों से तेल की सप्लाई ज्यादा बढ़ी,

क्योंकि कुछ पाइपलाइन रूट बंद पड़े थे।यूक्रेन के रास्ते होने वाला निर्यात भी प्रभावित हुआ, जिससे रूस ने दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल किया।

प्रोडक्शन में हुई बढ़ोतरी

सिर्फ निर्यात ही नहीं, उत्पादन में भी बढ़ोतरी हुई।फरवरी में जहां रूस का उत्पादन 8.67 मिलियन बैरल प्रतिदिन था, वहीं मार्च में यह बढ़कर करीब 8.96 मिलियन बैरल प्रतिदिन हो गया।हालांकि, एक्सपर्ट का मानना है कि आने वाले समय में रूस के लिए उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं होगा, क्योंकि लगातार हमलों से उसके ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंच रहा है।कुल मिलाकर, जहां एक तरफ दुनिया तनाव और महंगाई से जूझ रही है, वहीं रूस ने इस स्थिति को अपने लिए फायदे का सौदा बना लिया है।यह दिखाता है कि वैश्विक संकट में भी कुछ देश मौके तलाशकर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर लेते हैं।

देश की सबसे 'ईमानदार' कंपनी बनी अडानी ग्रीन! दिग्गज कंपनियों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को केयरएज-ईएसजी रेटिंग लिमिटेड (केयरएज-ईएसजी) से केयरएज-ईएसजी 1+ रेटिंग मिली है, जिसका स्कोर 87.3 है। केयरएज-ईएसजी, सेबी के साथ रजिस्टर्ड एक ईएसजी रेटिंग देने वाली कंपनी है।इस स्कोर के साथ एजीईएल, केयरएज-ईएसजी द्वारा मूल्यांकन की गई सभी भारतीय कंपनियों में सबसे ऊपर है।

केयरएज-ईएसजी ने एक बयान में कहा कि अडानी ग्रीन लिमिटेड को दी गई यह रेटिंग, रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में सस्टेनेबल तरीकों के प्रति कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता को दिखाती है।कंपनी ने अपनी ईएसजी यात्रा में खासकर जलवायु परिवर्तन रिस्क मैनेज्मेंट, जल मैनेज्मेंट, वेस्ट मैनेज्मेंट और जैव विविधता संरक्षण में मजबूत प्रदर्शन किया।यह रेटिंग, एक बड़े यूटिलिटी-स्केल रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपर के तौर पर, अपने पूरे कामकाज में सस्टेनेबिलिटी को शामिल करने में एजीईएल के नेतृत्व को दिखाती है.केयरएज-ईएसजी का इवैल्यूएशन, पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन से जुड़े जोखिमों और अवसरों के व्यापक आकलन पर आधारित है।इसमें कई इंडीकेटर्स और उद्योग के अन्य साथियों के आधार पर कंपनियों की तुलना की जाती है।यह मूल्यांकन, जलवायु जोखिम प्रबंधन, जल प्रबंधन, वेस्ट मैनेज्मेंट, जैव विविधता संरक्षण और गवर्नेंस के तरीकों में मजबूत प्रदर्शन को दिखाता है।इसे पारदर्शी खुलासों और व्यवस्थित निगरानी मैकेनिज्म का भी सपोर्ट मिला है।यह रेटिंग, अच्छी पॉलिसीज, मैनेज्मेंट सिस्टम्स और पूरे उद्यम में ईएसजी से जुड़ी बातों को शामिल करके, पर्यावरणीय और सोशल रिस्क का मैनेज्मेंट करने के एजीईएल के व्यवस्थित दृष्टिकोण को रेखांकित करती है।यह पहचान अडानी ग्रुप के भीतर एक बदलाव को दिखाती है।यह बदलाव, रिन्यूएबल एनर्जी, बंदरगाहों, लॉजिस्टिक्स और यूटिलिटीज सहित, ग्रुप के इंफ्रास्ट्रक्चर-बेस्ड पोर्टफोलियो में सस्टेनेबिलिटी को शामिल करने की दिशा में है।ईएसजी को शामिल करना, व्यवसायों में शासन के तरीकों, जोखिम प्रबंधन के ढांचों और दीर्घकालिक पूंजी आवंटन को तेज़ी से आकार दे रहा है।केयरएज-ईएसजी रेटिंग, निवेशकों और लेंडर्स के बीच एजीईएल की स्थिति को भी बेहतर बनाती है।यह विशेष रूप से ऐसे पूंजी माहौल में महत्वपूर्ण है, जहां सस्टेनेबिलिटी का प्रदर्शन, फंडिंग तक पहुंच से तेजी से जुड़ता जा रहा है।उम्मीद है कि यह रेटिंग, बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं के लिए सस्टेनेबल और ट्रांजिशन-लिंक्ड पूंजी जुटाने की कंपनी की क्षमता को मजबूत करेगी.

अडानी के ग्रुप के सीईओ का बयान

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के सीईओ आशीष खन्ना ने कहा कि सबसे ज्यादा ईएसजी स्कोर मिलना, बड़े पैमाने पर सस्टेनेबिलिटी को शामिल करने की अडानी ग्रीन एनर्जी की प्रतिबद्धता का एक मजबूत समर्थन है।

नीदरलैंड की एविएशन कंपनी केएलएम रॉयल डच एयरलाइन के खिलाफ भारत में एफआईआर का आदेश

बेंगलुरु,14 अप्रैल(एजेंसियां)। परिवार के सदस्यों के साथ इकट्ठे छुट्टी मनाना बेहद खुशी और मस्ती का पल होता है। लेकिन सपरिवार छुट्टी मनाने का कार्यक्रम किसी साउथ अमेरिकी देश में हो तो मजा दूना हो जाता है। एक व्यक्ति ने इसी तरह का कार्यक्रम बनाया था। पूरी बुकिंग हो गई थी। परिवार के साथ वह एयरपोर्ट पहुंच गए थे। लेकिन एयरलाइन ने पूरे परिवार को फ्लाइट में बैठने नहीं दिया।

यही नहीं, पूरे परिवार को रेड फ्लैग्ड भी कर दिया जिससे बाद के विदेश भ्रमण में सभी को काफी दिक्कत हुई। वह कोर्ट पहुंच गए और कोर्ट की तरफ से जो आदेश आया, उससे एविएशन कंपनी की चिंता बढ़ेगी।

तमिलनाडु में सलेम में एक मेडिकल इंस्टीच्यूशन के चेयरमैन हैं जे. एस. सतीशकुमार। उन्होंने अपने और अपने परिवार के 7 सदस्यों के लिए दक्षिण अमेरिकी देश पेरु में सैर-सपाटे का कार्यक्रम बनाया था। वहां जाने के लिए उन्होंने बेंगलुरु से पेरु के लिए केएलएम की फ्लाइट में 19 जून 2024 का बिजनेस क्लास का 8 टिकट लिया था। ये टिकट नॉन-रिफंडेबल थे। वह नियत दिन समय से बहुत पहले एयरपोर्ट पहुंच गए ताकि इंटरनेशनल ट्रैवल से पहले हवाई अड्डे पर

पूरी की जाने वाली औपचारिकता आराम से पूरी कर सकें। लेकिन केएलएम ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर अंतिम मिनट में उन्हें विमान में घुसने नहीं दिया।

49 लाख में खरीदा था पूरे परिवार का रिटर्न टिकट

न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक सतीशकुमार ने खुद और परिवार के सात सदस्यों के लिए बेंगलुरु से पेरु तक का बिजनेस क्लास में रिटर्न टिकट लिया था। आठ टिकटों के लिए उन्होंने 49 लाख रुपये का भुगतान किया था। उनका जाने का टिकट 19 जून 2024 का था जबकि लौटने का 3 जुलाई 2024 का था। सारे टिकट नॉन रिफंडेबल थे, इसलिए उन्हें कोई रिफंड भी नहीं मिला। यह मामला सिर्फ डिनाइंग बोर्डिंग तक ही सीमित नहीं रहा। शिकायती के अनुसार जब उन्होंने कहा कि इस एयरलाइन के इस कृत्य पर वह लीगल एक्शन लेंगे, तो एयरलाइन ने उन सबको रेड-फ्लैग्ड भी कर दिया।

दुनिया के कारखाने' की थमी रफ्तार!

चीन के निर्यात में भारी गिरावट, मार्च में सिर्फ 2 .5% की बढ़त

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन का निर्यात मार्च में पिछले साल की तुलना में 2.5 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले दो महीनों की तुलना में काफी धीमा रहा. ईरान वॉर और ऊर्जा की कीमतों तथा वैश्विक मांग पर इसके असर के कारण ऐसा देखने को मिला है. चीन की सीमा शुल्क एजेंसी द्वारा मंगलवार को जारी मार्च के निर्यात आंकड़े विश्लेषकों के अनुमानों से कम रहे और जनवरी तथा फरवरी में दर्ज 21.8 प्रतिशत की निर्यात वृद्धि से काफी नीचे थे.

पिछले महीने आयात में 27.8 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई, जो इस वर्ष के पहले दो महीनों में दर्ज 19.8 प्रतिशत की सालाना वृद्धि से अधिक थी. ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बूम के कारण चीन से सेमीकंडक्टर की खेप में हुई भारी वृद्धि सहित टेक्नोलॉजी से संबंधित एक्सपोर्ट ने 2026 की शुरुआत में चीन के मजबूत निर्यात को गति दी है, लेकिन अर्थशास्त्रियों का कहना है कि लंबे समय तक चलने वाले

ईरान वॉर के प्रभावों से इस वर्ष चीनी निर्यात की ओवरऑल ग्लोबल डिमांड प्रभावित हो सकती है.फ्रांसीसी बैंक नैटिक्सिस में एशिया प्रशांत क्षेत्र के सीनियर इकोनॉमिस्ट गैरी एनजी ने कहा कि चीन के निर्यात की गति धीमी हो गई है, क्योंकि ईरान वॉर ग्लोबल डिमांड और सप्लाई चेन को प्रभावित करना शुरू कर रहा है. बैंक ऑफ अमेरिका की अर्थशास्त्री हेलेन कियाओ के नेतृत्व में अर्थशास्त्रियों ने हाल ही में एक रिसर्च नोट में लिखा कि जनवरी और फरवरी में चीन के निर्यात में भारी उछाल के बावजूद, युद्ध के कारण ऊर्जा क्षेत्र को लगे झटके के चलते बाहरी मांग कमजोर होने की संभावना है. उन्होंने लिखा कि यदि यह संघर्ष वर्तमान अनुमान से अधिक समय तक चलता है, तो ओवरऑल ग्लोबल डिमांड में लगातार आ रही मंदी से जोखिम उत्पन्न होंगे. लेकिन बैंक ऑफ अमेरिका सहित अन्य अर्थशास्त्रियों ने यह भी उल्लेख किया कि एनर्जी सप्लाई में आई बाधाएं चीन की रिन्युएबल एनर्जी टेक -जैसे सोलर सेल, विंड टर्बाइन और इलेक्ट्रिक व्हीकल-के लिए ग्लोबल डिमांड को और मजबूत कर सकती हैं, जबकि एआई के बढ़ते क्रेज के कारण सेमीकंडक्टर की लगातार बनी मांग से निर्यात की गति को बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है.कैपिटल इकोनॉमिक्स में चीन मामलों की अर्थशास्त्री ज़िचुन हुआंग ने मंगलवार को एक नोट में लिखा कि ऊर्जा की कीमतों में आए झटके के बावजूद, सेमीकंडक्टर और ग्रीन टेक की मजबूत मांग के चलते आने वाली तिमाहियों में निर्यात का प्रदर्शन ठोस बना रहना चाहिए.

एलआईसी का बड़ा धमाका, 1 शेयर पर मिलेगा 1 शेयर मुफ्त

बोर्ड ने दी पहले बोनस इश्यू को मंजूरी

नई दिल्ली,14 अप्रैल(एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी और सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम ने अपने निवेशकों को बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी के बोर्ड ने 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी है। साल 2022 में शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद यह पहली बार है जब कंपनी बोनस इश्यू ला रही है। कंपनी ने बताया कि बोनस शेयर पाने के लिए रिकॉर्ड डेट जल्द घोषित की जाएगी। जो निवेशक उस तारीख तक शेयर होल्ड करेंगे, वही इसके पात्र होंगे। रिकॉर्ड डेट पर निवेशकों के पास मौजूद हर 1 शेयर के बदले 1 अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेगा। बोनस इश्यू से आपके शेयरों की संख्या दोगुनी हो जाएगी, लेकिन निवेश का कुल मूल्य वही रहेगा क्योंकि शेयर की कीमत उसी अनुपात में एडजस्ट हो जाएगी।

6325 करोड़ रुपये से होगा बोनस इश्यू

इस बोनस इश्यू के लिए एलआईसी अपने रिजर्व और सरप्लस फंड से 6,325 करोड़ रुपये का इस्तेमाल करेगी।

यह प्रक्रिया बोर्ड की मंजूरी के 2 महीने के भीतर, यानी 12 जून तक पूरी हो जाएगी।

मई 2022 में लिस्टिंग के बाद से एलआईसी अब तक पांच अंतरिम डिविडेंड दे चुकी है,

लेकिन बोनस पहली बार दिया जा रहा है।

क्यों जारी किया गया बोनस?

शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाना।

कीमत को अधिक किफायती बनाना।

कंपनी की भविष्य की ग्रोथ पर भरोसा दिखाना।

एलआईसी का वित्तीय प्रदर्शन (दिसंबर तिमाही)

शुद्ध लाभः दिसंबर तिमाही में 17% की बढ़ोतरी के साथ 12,930 करोड़ रुपये रहा।

प्रीमियम आयः शुद्ध प्रीमियम आय भी 17% बढ़कर 1.26 लाख करोड़ रुपये हो गई।

कैसी है शेयर की स्थिति?

बीएसई पर एलआईसी का शेयर शुक्रवार को 0.71% की तेजी के साथ 804.25 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में इसमें 3.51% की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि 6 महीने में इसमें करीब 11 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं एक साल की बात करें तो इसका रिटर्न 2.53% रहा है।

आयकर विभाग में 'काम ठप' होने की आहट!

16 अप्रैल से आर-पार की जंग; कर्मचारी संगठनों ने भरी आंदोलन की हुंकार

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के दो प्रमुख कर्मचारी संगठनों ने सरकार को चेतावनी दी है कि उनकी लंबित मांगों और कामकाज के मुश्किल हालात पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे 16 अप्रैल से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे. इनकम टैक्स कर्मचारी महासंघ और इनकम टैक्स राजपत्रित अधिकारी संघ की भागीदारी वाली संयुक्त कार्रवाई परिषद (जेसीए) विभाग के लगभग 97 प्रतिशत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है. ये कर्मचारी सरकार के लिए राजस्व संग्रह का काम करते हैं. जेसीए ने छह अप्रैल को राजस्व सचिव को लिखे पत्र में कहा है कि वह अपनी 10-सूत्रीय मांगों पर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की लगातार उदासीनता के कारण यह कदम उठा रहा है. सीबीडीटी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नीतियां तय करता है. कर्मचारी संगठनों ने कहा कि पदोन्नति में ठहराव, अतार्किक ढंग से होने वाले वार्षिक तबादले, मुश्किल सेवा शर्तें, अत्यधिक कार्यभार, अव्यावहारिक लक्ष्य और कर्मचारियों एवं बुनियादी ढांचे की कमी ने कर्मचारियों को कठिन स्थिति में पहुंचा दिया है.पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि मांगों का समय पर समाधान नहीं हुआ तो 16 अप्रैल को दोपहर के अवकाश के समय प्रदर्शन से आंदोलन की शुरुआत होगी.

सोलर एनर्जी में भारत बनेगा नया 'सुल्तान'!

चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा मार्केट बनने का अनुमान

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सालाना सोलर एनर्जी क्षमता स्थापित करने के मामले में 2026 तक विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सोलर एनर्जी मार्केट बनने की राह पर है.

नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई) ने अपने बयान में कहा कि भारत ने मात्र 14 महीनों में 50 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़कर अब तक की सबसे तेज वृद्धि हासिल की है और 150 गीगावाट का महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल कर लिया है. यह तेज वृद्धि है. पहले 50 गीगावाट तक पहुंचने में 11 साल लगे थे. उसके बाद 100 गीगावाट तक पहुंचने में लगभग तीन साल लगे हैं.

300 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान

एनएसईएफआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुब्रह्मण्यम पुलिपाका ने कहा कि भारत के 2030 तक 500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा 280 से 300 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है. वर्तमान गति के साथ, भारत 50 गीगावाट की वार्षिक वृद्धि के लक्ष्य के करीब पहुंच रहा है, जो इस लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है. पुलिपाका ने कहा वास्तव में, पीएम सूर्य घर जैसी पहल, आगामी पीएम कुसुम 2.0, फ्लोटिंग सौर संयंत्र के लिए अलग से नीति और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन से जुड़ी बढ़ती मांग के कारण, देश में सौर ऊर्जा क्षमता इन अनुमानों से कहीं अधिक बढ़ने की काफी संभावना है. वैश्विक परिदृश्यों में बदलाव के बीच, एनएसईएफआई का अनुमान है कि भारत वार्षिक क्षमता स्थापित किये जाने के मामले में 2026 तक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा बाजार बनने की राह पर है.

एनएसईएफआई ने कहा कि वैश्विक रुझान अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों में क्षमता वृद्धि में संभावित नरमी का संकेत दे रहे हैं, जो वर्तमान में वार्षिक स्थापित क्षमता के मामले में दूसरे स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं.पुलिपाका ने कहा कि इसके उलट, भारत नवीकरणीय ऊर्जा के विकास में लगातार तेजी ला रहा है और प्रमुख लक्ष्यों को लगातार पार कर रहा है.

तेल की आग में नहीं झुलसेगी भारतीय इकोनॉमी! एसएंडपी ने बताया भारत के सामने हर संकट होगा ढेर

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की मजबूत मैक्रो इकोनॉमिक और फाइनेंशियल फाउंडेशन कच्चे तेल की कीमतों में लगातार होने वाले उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने में मददगार हो सकती है।हालांकि, अगर 2026 में कच्चे तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो इकोनॉमिक ग्रोथ रेट में 0.80 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

इस सिनेरियो के तहत, वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनियों की ब्याज, कर, डेप्रीसिएशन और ट्रेडमार्क, पेंटेंट तथा अन्य संपत्ति की समय बढ़ने के साथ कॉस्ट में कमी के आकलन से पहले की आय (ईबीआईटीडीए) में 15-25 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

इससे कर्ज में 0.5 गुना से एक गुना तक बढ़ने का अनुमान है।वहीं बैंकिंग सेक्टर के असेट्स की क्वालिटी कमजोर हो सकती है, जिससे एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) लगभग 3.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

कितनी रह सकती है क्रूड की कीमत?

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध से उत्पन्न झटकों से भारत अछूता नहीं है। ऊर्जा की ऊंची कीमतों और आपूर्ति में व्यवधान की समस्या कई महीनों तक बनी रह सकती है, जिससे सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी।

हालांकि, कंपनियों का मजबूत बही-खाता, बैंकों में अच्छी पूंजी और मजबूत बाह्य स्थिति इस प्रभाव से बचाव प्रदान करेंगे।एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने तनावपूर्ण स्थिति में ब्रेंट क्रूड की कीमत 2026 में 130 डॉलर और 2027 में 100 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया है, जबकि तुलनात्मक आधार पर यह कीमत क्रमशः 85 डॉलर और 70 डॉलर है।

यहां दिख सकता है प्रेशर

एजेंसी को भारत की रेटिंग पर तत्काल किसी प्रभाव की उम्मीद नहीं है। हालांकि, राजकोषीय मोर्चे पर मजबूत प्रयासों को अस्थायी रूप से झटका लग सकता है।तेल की ऊंची कीमतों से चालू खाते घाटा बढ़ सकता है।अनुमान के अनुसार, 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से यह घाटा जीडीपी के लगभग 0.4 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।जोखिम से बचने की धारणा और बढ़ते आयात बिल के कारण रुपए की विनिमय दर का दबाव भी पड़ सकता है।एजेंसी ने चेतावनी दी है कि ऊर्जा संकट का असर कच्चे माल की ऊंची लागत, घटते कॉरपोरेट मार्जिन, बढ़ती उपभोक्ता कीमतों और यदि सरकार सब्सिडी के मामले में हस्तक्षेप करती है तो बढ़ते राजकोषीय दबाव के रूप में सामने आएगा।ईंधन और पेट्रोरसायन को प्रभावित करने वाली संभावित आपूर्ति बाधाओं से भी वृद्धि प्रभावित हो सकती है।

मजबूत रहेगी इकोनॉमी

इन जोखिमों के बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था ने 2026 में मजबूत वृद्धि, अच्छी घरेलू मांग और कम मुद्रास्फीति के साथ कदम रखा है।इससे निकट भविष्य में आने वाले झटकों को झेलने में मदद मिलनी चाहिए।एसएंडपी ने कहा कि मजबूत घरेलू बुनियाद, संभावित सरकारी समर्थन और पिछले कुछ वर्षों में कॉरपोरेट और बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार किसी भी झटके से निपटने में मददगार होंगे।हालांकि रसायन, रिफाइनिंग और विमानन जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं।लेकिन बुनियादी ढांचा और जन केंद्रित क्षेत्रों के अपेक्षाकृत स्थिर रहने की उम्मीद है। पिछले कुछ वर्षों में कॉरपोरेट लोन में कमी और बैंकों की बेहतर स्थिति भी प्रणालीगत दबाव को सीमित करने में सहायक मानी जा रही है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मेष	मे
चंद्र	मीन	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मीन	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मेष......	06-01 बजे
वृष....	07-46 बजे
मिथुन..	09-47 बजे
कर्क...	11-59 बजे
सिंह---	14-11 बजे
कन्या--	16-18 बजे
तुला---	18-23 बजे
वृश्चिक..	20-33 बजे
धनु......	22-47 बजे
मकर...	00-53 बजे
कुंभ...	02-44 बजे
मीन....	04-22 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-03
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -28
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष बुधवार 15 April 2026
तिथि - त्रयोदशी 22-31 रात्रि तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद 15-22 तक उप उ.भाद्रपद
योग - ब्रह्म 13-24 तक उप ऐन्द्र
करण - गर 11-27 तक उप वणिज

विशेषः प्रदोष व्रत
मास शिवरात्रि

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-16 से 13-50 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	
लाभ	06-03 - 07-35 शुभ
अमृत	07-35 - 09-09 शुभ
काल	09-09 - 10-43 अशुभ
शुभ	10-43 - 12-16 शुभ
रोग	12-16 - 13-50 अशुभ
उत्पात	13-50 - 15-24 अशुभ
चंचल	15-24 - 16-57 शुभ
लाभ	16-57 - 18-28 शुभ

रात का चौघड़िया	
उत्पात	18-28 - 19-57 अशुभ
शुभ.	19-57 - 21-24 शुभ
अमृत	21-24 - 22-50 शुभ
चंचल	22-50 - 00-16 शुभ
रोग	00-16 - 01-42 अशुभ
काल	01-42 - 03-08 अशुभ
लाभ	03-08 - 04-35 शुभ
उत्पात	04-35 - 06-03 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपका आत्मविश्वास चमकता है, जो आपको काम और पढ़ाई में साहसिक कदम उठाने में मदद करता है। रचनात्मक सोच नए विचारों की ओर ले जाती है, जबकि सावधान दृष्टिकोण से स्थिर प्रगति होती है। अपनी कल्पना और सहज ज्ञान पर भरोसा करें - वे आज आपका अच्छा मार्गदर्शन करते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है । कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है । नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है । यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा और आगे जाकर आपकी कार्य क्षेत्र संबंधित समस्याओं का निराकरण करने में मदद करेगा जो की आपके स्वास्थय पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
यह आप के लिए एक महान दिन है! आप दूसरों को अपने विचारों और अवधारणाओं को पेश करने के लिए इस अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे । हो सकता है की आपकी मासूमियत और ईमानदारी, व्यंग्य और आक्रामकता के रूप में लोगो को लगे क्यों की लोग आप से ज्यादा परिचित नहीं हैं। इसलिए सावधान रहे क्यों की हो सकता है , स्थितिया उस अनुपात में आपका साथ न दे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है । अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवदेन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है । ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अछा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे । भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है । आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप अपने आस-पास के बारे में अधिक जागरूक होने के साथ व्यावहारिक मामलों के प्रति अधिक सजग महसूस कर सकते हैं। भावनात्मक तीव्रता के कारण ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है, लेकिन शांत, जानबूझकर कार्रवाई करने से मदद मिलेगी। तर्क और भावना के बीच संतुलन बनाने का लक्ष्य रखें, सुनिश्चित करें कि आपके निर्णय जमीनी और विचारशील दोनों हों, जैसे कि आप दिन भर आगे बढ़ते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन आपके करियर या पढ़ाई में कुछ करने की तीव्र इच्छा लेकर आ सकता है। आत्मविश्वास और नेतृत्व आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद करते हैं, लेकिन भावनात्मक तनाव छोटे-मोटे संघर्षों को जन्म दे सकता है। शांत रहें और चुनौतियों से निपटने के लिए दयालु, विचारशील संचार का उपयोग करें। आपका आकर्षण और समझ चीजों को सही रास्ते पर रखेगी।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपका मन अटकलों और अनावश्यक चीज़ो की ओर भागेगा , परन्तु फिर भी आपकी केंद्रित रहने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी । आप कम से कम समय में अधिक से अधिक काम खत्म करने के क्रम में घर पर या अपने कार्यालय डेस्क पर रहे , हालांकि घर पर काम करने में अधिक समय, ऊर्जा और पैसे का ह्रास होगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
यह गतिविधियों और उपलब्धियों को याद करने या समर्थन करने का अच्छा समय है और ये आपकी उपलब्धियों को मजबूती देगा की आप रास्ते पर प्रथम है । ये समय नयी शुरुआत करने के लिए अच्छा है चाहे वह नई परियोजना या एक नई नौकरी को लेकर हो । इस ऊर्जा को जब तक बनाए रखने की कोशिश करें , जब तक आप अपनी मंज़िल पर नहीं पहुंच जाते ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अंबेडकर जयंती पर सीएम भजनलाल शर्मा का बड़ा एलान

युवाओं के लिए बनेगी 200 अंबेडकर ई-लाइब्रेरी

जयपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश के युवाओं और वंचित वर्गों के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी है। जयपुर के भवानी निकेतन परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने नगरीय क्षेत्रों में 200 अंबेडकर ई-लाइब्रेरी खोलने और जयपुर के मूंडला स्थित अंबेडकर पीठ में अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए एक आधुनिक आवासीय कोचिंग केंद्र स्थापित करने का एलान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये ई-लाइब्रेरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित होंगी। जबकि आवासीय कोचिंग केंद्र से आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों को आगे बढ़ने का समान अवसर मिलेगा।

पिछड़ों के नाम पर कांग्रेस ने किया केवल दिखावा : सीएम

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब का अपमान किया और उन्हें राजनीति से दूर रखने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि आजादी के बाद गांधी परिवार खुद को 'भारत रत्न' देने में व्यस्त रहा, जबकि बाबा साहब को यह सम्मान 1990 में भाजपा के समर्थन वाली सरकार के दौरान मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस केवल वंचितों और पिछड़ों के वोट के लिए राजनीति करती है। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने संविधान की आत्मा को कुचल दिया था। जिस संविधान का वे आज हवाला देते हैं, सबसे अधिक उल्लंघन उन्हीं की सरकारों ने किया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से पिछले दो वर्षों में अनुसूचित जाति और जनजाति पर होने वाले अत्याचारों में 28 प्रतिशत की कमी आई है।

डीबीटी के जरिए 1363 करोड़ का हस्तांतरण

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने एक बटन दबाकर प्रदेश के 80 लाख पेंशनभोगियों और 5.54 लाख पालनहार लाभार्थियों के खातों में कुल 1,363 करोड़ रुपए की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की। उन्होंने कहा कि अंत्योदय और सामाजिक सुरक्षा उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शिक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूती

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के हित में 29.12 करोड़ की लागत से निर्मित 10 नए छात्रावासों का लोकार्पण किया और 47.60 करोड़ की लागत वाले 17 नए छात्रावासों का शिलान्यास भी किया। इसके अतिरिक्त, जामडोली स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 50 लाख रुपए की आधुनिक लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में एक विशेष 'समाधानसाथी' AI चैटबॉट का भी शुभारंभ किया गया। यह चैटबॉट पेंशन, छात्रवृत्ति और अन्य सरकारी योजनाओं की पात्रता व आवेदन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी युवाओं और आमजन तक आसानी से पहुंचाने में मदद करेगा।

नारी शक्ति और बाबा साहब का विजन

बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए सीएम ने कहा कि आरबीआई, वित्त आयोग और श्रमिकों के लिए 8 घंटे काम का अधिकार जैसे ऐतिहासिक निर्णय डॉ. अंबेडकर की ही दूरगामी सोच का परिणाम थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लाकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना बाबा साहब के महिला सशक्तिकरण के सपनों को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है। सरकार ने बाबा साहब से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित कर उन्हें उचित सम्मान दिया है।

विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी

इस राज्य स्तरीय समारोह में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मंत्री झाबर सिंह खर्रा, संजय शर्मा सहित कई विधायक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि कन्यादान योजना और पेंशन व्यवस्था में सुधार कर सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को लाभ पहुंचा रही है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मेधावी छात्रों और शिक्षकों को 'अंबेडकर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

मंगल के दिन अमंगल, भीषण सड़क हादसों में 8 लोगों की दर्दनाक मौत

जयपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में मंगलवार का दिन कई परिवारों के लिए कभी न भरने वाला जख्म बन गया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में हुए 3 भीषण सड़क हादसों ने कई खुशहाल परिवारों की खुशियां छीन ली। वहीं, कई लोग अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे है। बताया जा रहा है कहीं नींद की झपकी आने की वजह से हादसा हुआ तो कहीं तेज रफ्तार का कहर जानलेवा बन गया।

अलवर, उदयपुर और झुंझुनूं जिले में मंगलवार के दिन तीन बड़े सड़क हादसे हुए। इन हादसों में पति-पत्नी समेत 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसों में 35 लोग घायल हो गए, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में उपचार जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को अस्पतालों की मोर्चरी में रखवा दिया है।

पहला हादसा झुंझुनूं जिले में मंगलवार को न्यू नेशनल हाईवे-11 पर भैंसावता के पास हुआ। जहां बारात में आए दूल्हे के तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई और एक साथी घायल हो गया। ये सभी लोग दूल्हे की एसयूवी लेकर मोई गांव से चिड़ावा जा रहे थे। तभी एसयूवी अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई और खेत में जाकर पलट गई। हादसे में उदावास निवासी संदीप कड़वासरा, तनिष्क शेखावत और धर्मेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। उनका साथी बाकरा निवासी अजय कुमार गंभीर घायल हो गया। जिसका झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में उपचार चल रहा है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर केमिकल से भरे ट्रक में घुसी बस

दूसरा हादसा अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सुबह करीब 5 बजे हुआ। राजगढ़ थाना क्षेत्र के पिनान में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चैनल नंबर-100 इंटरचेंज पुलिया के पास इंदौर से दिल्ली जा रही निजी बस आगे चल रहे केमिकल से भरे ट्रक में घुस गई। हादसे बस ड्राइवर सहित 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 33 लोग घायल हो गए। जिनमें से 31 घायलों को अलवर जिला अस्पताल रैफर किया गया है।

हादसा इतना जबरदस्त था कि बस का ड्राइवर केबिन पूरी तरह खत्म हो गया। ड्राइवर का शव भी केबिन में बुरी तरह फंस गई। जिसके काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने बाहर निकला। बस में सवार यात्रियों का आरोप है कि बस ड्राइवर की लापरवाही के कारण हादसा हुआ।

तीसरा हादसा उदयपुर में गोगुंदा-पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर मालवा चौराहे के पास मंगलवार सुबह हुआ। जहां तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार सास और दामाद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 10 साल का पोता और ट्रक ड्राइवर गंभीर घायल हो गए। इस हादसे के चलते पीछे चल रहा एक ट्रेलर भी अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे ट्रेलर चालक घायल हो गया।

घटना स्थल पर पहुंची बेकरिया थाना पुलिस ने मृतक दया भट्ट और उनके दामाद पुष्पराज के शव को मालवा चौराहा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने तीनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से उदयपुर एमबी अस्पताल भिजवाया। जहां पर घायलों का उपचार जारी है। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू करवाया।

गरजे गौरव वल्लभ, गहलोत पर तीखा हमला

पवन खेड़ा को भी घेरा

उदयपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल पर सवाल उठाए और कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को लेकर भी तीखी टिप्पणी की। उदयपुर दौरे के दौरान गौरव वल्लभ ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि गहलोत का पूरा एजेंडा सिर्फ "बाड़ेबंदी शास्त्र" तक सीमित था, ताकि विधायक कहीं भाग न जाएं।

वल्लभ ने तंज कसते हुए कहा कि इंतजार की राजनीति करने वाले गहलोत के कार्यकाल में रिफाइनरी का काम क्यों पूरा नहीं हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि मेट्रो की फाइल केंद्र के पास क्यों ले जानी पड़ी और ईआरसीपी जैसे बड़े प्रोजेक्ट पूरे क्यों नहीं हो सके। साथ ही उन्होंने उस समय के मंत्रियों और विधायकों पर लूट के आरोप भी लगाए।

पवन खेड़ा मामले पर तीखी प्रतिक्रिया

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर लगाए गए आरोपों के मामले में भी वल्लभ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, पी. चिदंबरम और जयराम रमेश जैसे नेता उनके समर्थन में सामने क्यों नहीं आ रहे हैं।

वल्लभ ने कहा कि पवन खेड़ा को अपने आरोपों के समर्थन में कोर्ट में सबूत पेश करने चाहिए और जवाब देना चाहिए, भागना नहीं चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि खेड़ा ने तीन बड़े पाप किए हैं—झूठे आरोप लगाना, चुनावी माहौल को प्रभावित करना और संविधान को कमजोर करना।

'छिपते नजर आए पवन खेड़ा'

वल्लभ ने दावा किया कि पवन खेड़ा सार्वजनिक रूप से सामने आने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीवी पर उनकी एक तस्वीर सामने आई, जिसमें वे कार में छिपते नजर आ रहे थे, जिससे लगता है कि वे अपने आरोपों को लेकर आश्वस्त नहीं हैं।

पेपर लीक पर सरकार का पक्ष

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मौजूदा सरकार ने पेपर लीक के पुराने सिस्टम को खत्म कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले भर्तियों में बंदरबांट होती थी और नेताओं के रिश्तेदारों को नौकरी मिलती थी, जबकि अब योग्य युवाओं को अवसर दिया जा रहा है।

विकास और पारदर्शिता का दावा

वल्लभ ने कहा कि राजस्थान में तेजी से विकास हो रहा है और निवेश बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि पिछले ढाई साल में कई भर्ती परीक्षाएं पारदर्शिता के साथ कराई गई हैं, जिन पर कोई सवाल नहीं उठा। उन्होंने कहा कि सिर्फ सोशल मीडिया कंसल्टेंट रखने से राजनीति नहीं होती, इसके लिए जमीन पर काम करना जरूरी होता है।

संविधान की भावना से हो रहा खिलवाड़

सिर्फ भाषणों से नहीं चलेगा काम : पायलट

जयपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय जयपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और केंद्र व राज्य सरकारों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश अंबेडकर जयंती को एक पर्व के रूप में मना रहा है और यह गर्व की बात है कि हम सभी मिलकर उन्हें याद कर रहे हैं। पायलट ने कहा कि अंबेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में रहकर देश को जो संविधान दिया, वह किसी भी व्यक्ति द्वारा राष्ट्र को दिया गया सबसे बड़ा योगदान है।

सचिन पायलट ने कहा कि वर्षों की मेहनत और गहन अध्ययन के बाद तैयार किया गया संविधान आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है, बल्कि मौजूदा समय में इसकी आवश्यकता और भी अधिक महसूस की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार संविधान की मूल भावना से समझौता होता नजर आता है। उनका कहना था कि सरकार में बैठे लोगों को आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या वे संविधान की भावना के अनुरूप काम कर रहे हैं या नहीं।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर बोलते हुए पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के पक्ष में रही है। उन्होंने याद दिलाया कि मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व में एक-तिहाई महिला आरक्षण बिल तैयार किया गया था, लेकिन वह उस समय पारित नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा लाए जा रहे बिल का समर्थन है, लेकिन इसकी आड़ में प्रक्रिया से किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

पायलट ने परिसीमन और जनगणना के नाम पर महिला आरक्षण बिल को टालने की संभावनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने इस विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाने और संसद में विस्तृत चर्चा कराने की मांग की, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी तरह का संदेह न हो। राजस्थान की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पायलट ने कहा कि जयपुर सहित प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत चुनावों को टालना, नरेगा कार्यों में कमी और प्रशासनिक उदासीनता राज्य सरकार की विफलता को दर्शाती है।

शहर में शिकारी की एंट्री!

तेंदुए की मौजूदगी से हड़कंप

सवाई माधोपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाई माधोपुर में एक बार फिर तेंदुए का मूवमेंट सामने आने से लोगों में डर का माहौल है। शहर के पुराने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में तेंदुए की मौजूदगी कैद हुई है, जिससे प्रशासन और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह चौंकाने वाली घटना सुबह करीब 4 बजे की बताई जा रही है। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के पुराने शहर के डुंगर पाड़ा स्थित रामलीला मैदान इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक खूंखार तेंदुआ बेखौफ घूमता हुआ नजर आया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि तेंदुआ घर के बाहर बैठे कुत्तों पर अचानक हमला करने की कोशिश करता है। हालांकि कुत्तों के भौंकने और विरोध के कारण तेंदुआ घबरा जाता है और वहां से भाग निकलता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है।

बर्थडे पर 'नो ड्यूटी'! चर्चा में सवाई माधोपुर की नई एसपी का आदेश, हर तरफ हो रही चर्चा

सवाई माधोपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। अक्सर पुलिस की नौकरी को 24 घंटे की तनावपूर्ण और बिना छुट्टी वाली ड्यूटी माना जाता है, जहाँ पुलिसकर्मी अपने परिवार की छोटी-छोटी खुशियों में भी शामिल नहीं हो पाते। लेकिन सवाई माधोपुर की युवा और तेजतर्रार एसपी, आईपीएस ज्येष्ठा मैत्रेयी ने इस धारणा को बदलते हुए खाकी में संवेदनशीलता की एक नई मिसाल पेश की है।

दरअसल, एसपी ज्येष्ठा ने एक ऐसा आदेश जारी किया है, जिसके तहत अब पुलिसकर्मियों को उनके स्वयं के और उनके परिवार के खास दिनों पर अनिवार्य रूप से छुट्टी दी जाएगी। एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब सवाई माधोपुर जिले में तैनात कांस्टेबल से लेकर सहायक उप निरीक्षक स्तर तक के अधिकारियों और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को विशेष सौगात मिली है। अब यदि कोई कार्मिकः

माता-पिता का जन्मदिन इन खास मौकों पर अवकाश के लिए आवेदन करता है, तो उसे अनिवार्य रूप से आकस्मिक अवकाश या राजपत्रित अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। एसपी ने जिले के समस्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों, वृताधिकारियों और थानाधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि इस श्रेणी के तहत आने वाले आवेदनों पर आवश्यक रूप से अवकाश सुनिश्चित किया जाए। 11 अप्रैल 2026 को जारी इस आदेश का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों के बीच 'वर्क-लाइफ बैलेंस' को सुधारना और उनके तनाव को कम करना है। आमतौर पर पुलिस विभाग में स्टाफ की कमी या कानून व्यवस्था का हवाला देकर छुट्टियां रद्द कर दी जाती हैं। ऐसे में किसी जिले की कमान संभालने वाली महिला एसपी का जवानों के परिवार के प्रति ऐसा मानवीय दृष्टिकोण रखना राजस्थान पुलिस के लिए एक सकारात्मक संदेश है। पुलिसकर्मियों का कहना है कि जब हम अपने परिवार के खास दिनों पर उनके साथ होते हैं, तो काम पर वापस लौटने के बाद हमारी ऊर्जा और समर्पण दोगुना हो जाता है।

मौसम विभाग का बड़ा अपडेट

4 जिलों में लू का येलो अलर्ट जारी

कोटा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। राज्य का सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान दौसा जिले में 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों का पूर्वानुमान जारी करते हुए मौसम शुष्क रहने की प्रबल संभावना जताई है। साथ ही अगले 3-4 दिनों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 3-4 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके साथ ही बाड़मेर, जैसलमेर और गंगानगर जिले में 17-18 अप्रेल को उष्ण लहर की संभावना भी जताई है।

48 घंटे लू का येलो अलर्ट

आईएमडी ने 48 घंटे यानी 17-18 अप्रेल को 4 जिलों में लू का येलो अलर्ट जारी करते हुए बालोतरा, बाड़मेर, जैसलमेर और श्रीगंगानगर में उष्ण लहर की चेतावनी दी है। 14-15-16 अप्रेल को किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की है। किसानों को सलाह देते हुए कहा है कि खुले आसमान में पक कर तैयार फसलों, कृषि मंडियों और धान मंडियों में खुले रखे हुए अनाज और जिंसों को ढककर रखें या सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें ताकि उन्हें बचाया जा सके।

बीएपी नेता के भाई का मर्डर, प्रेम-प्रसंग की आशंका

बांसवाड़ा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भारत आदिवासी पार्टी के नेता के भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने इलाज के दौरान तोड़ा दम दिया। बताया जा रहा है कि बांसवाड़ा में घाटोल ब्लॉक के खमेरा क्षेत्र में भारत आदिवासी पार्टी के नेता अशोक निनामा के भाई अनिल निनामा की कथिततौर पर मारपीट के बाद मौत हो गई। इस हत्या बाद से घाटोल और आस-पास के इलाकों में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस हत्या के एंगल से मामले की जांच कर रही है। प्रेम-प्रसंग की बात सामने आ रही है।

बोरपी केरेंग निवासी अनिल निनामा (पुत्र केशव निनामा) एक सामाजिक कार्यक्रम नोतरा में शामिल होने गए थे। जहां कार्यक्रम में किसी बात पर विवाद हुआ।

ग्रामीण आक्रोशित

उधर पुलिस के अनुसार, बांसलीखेड़ा निवासी अनिल निनामा (28 वर्ष) को कुछ लोगों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद उसे काली मगरी ग्राम पंचायत क्षेत्र में झाड़ियों में फेंक दिया। घटनास्थल उसके घर से करीब 12 किलोमीटर दूर बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अनिल को बांसवाड़ा के महात्मा गांधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उपचार के दौरान अनिल होश में था, जहां उसके बयान भी लिए गए। उसने 2-3 लोगों के नाम लिए, जिनमें एक महिला का नाम भी शामिल है।

बताया जा रहा है कि महिला का पति सरकारी कर्मचारी है। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान अनिल ने दम तोड़ दिया। फिलहाल शव अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है, जहां करीब दो दर्जन परिजन और ग्रामीण मौजूद हैं।

मामले में प्रेम-प्रसंग को कारण माना जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि मृतक के भाई अशोक निनामा घाटोल विधानसभा क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं, जबकि उनकी बहन बांसलीखेड़ा ग्राम पंचायत की प्रशासक हैं।

एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। करीब 3-4 लोग हत्या में शामिल हो सकते हैं। टीमें आरोपियों को पकड़ने के लिए भेजी हैं। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस कॉल डिटेल्स की भी जांच कर रही है।

एसीबी की नाक के नीचे से फरार हुआ 'घूसखोर' हेड कांस्टेबल, 30 हज़ार की मांगी थी घूस

जोधपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने वाली एंटी करप्शन ब्यूरो को फलौदी में बड़ी फजीहत का सामना करना पड़ा है। रिश्वत के खिलाफ जाल बिछाने गई एसीबी की टीम के सामने से आरोपी हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार न केवल भागने में सफल रहा, बल्कि उसने एसीबी के सबसे अहम सबूत यानी 'वॉयस रिकॉर्डर' को भी तोड़ डाला। यह सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद फलौदी पुलिस और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार ने डोडा-पोस्त से जुड़े एक मामले में आरोपी को राहत देने और रिमांड नहीं लेने के एवज में परिवादी कमल किशोर माली से 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। परिवादी इसकी शिकायत लेकर एसीबी के पास पहुँचा।

12,500 देकर खरीदे 30 हजार के नकली नोट : पुलिस की छापेमारी पड़ते ही

मचा हड़कंप; पांच आरोपी गिरफ्तार

कोटा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा जिले में पुलिस ने नकली नोट चलाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। चेचट थाना पुलिस ने मोड़क रोड स्थित एक निजी होटल के पास छापेमारी कर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 500 और 200 रुपये के नकली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर नेटवर्क के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटाने में लगी है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई नियमित गश्त और नाकाबंदी के दौरान की गई। इस दौरान कुछ संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, जिस पर पुलिस ने उन्हें पकड़कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान युवकों के पास से 500 रुपये के तीन और 200 रुपये का एक नकली नोट बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने जाहिद और इस्लाम नामक आरोपियों को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने करीब 30 हजार रुपये के नकली नोट महज 12,500 रुपये के असली नोट देकर खरीदे थे। इसके बाद वे इन नोटों को बाजार में चलाकर मुनाफा कमाने की योजना बना रहे थे।

आगे की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नकली नोट वकार और वसीम से लाते थे, जबकि पुलिस द्वारा बरामद किए गए नोट सोहेल नाम के युवक से लिए गए थे। आरोपियों की निशानदेही के आधार पर पुलिस ने वकार, वसीम और सोहेल को भी गिरफ्तार कर लिया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसके तहत चेचट थाना पुलिस को यह सफलता मिली है। सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है।

राजगढ़-माचाड़ी मार्ग पर चलती कार बनी आग का गोला, चालक झुलसा

अलवर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर जिले में राजगढ़-माचाड़ी सड़क मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल 'झरना' के पास एक चलती चौपहिया गाड़ी में अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में चालक झुलस गया है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। मंगलवार को राजगढ़-माचाड़ी सड़क मार्ग पर जलती कार को देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई और कार आग के गोले में बदल गई। हादसा पर्यटन स्थल झरना के समीप हुआ। रैणी क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी सत्यनारायण मीना अपनी चौपहिया गाड़ी लेकर राजगढ़ की ओर आ रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। चालक सत्यनारायण मीना ने बताया कि वह अपने गांव बहादुरपुर से राजगढ़ जा रहे थे। रास्ते में अचानक गाड़ी के डेशबोर्ड से धुआं निकलने लगा।

अंबेडकर के दृष्टिकोण ने आम आदमी को बनाया सशक्त : सिंगरेणी सीएमडी

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी के सीएमडी डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने कहा कि डॉ.बी.आर. अंबेडकर एक उल्लेखनीय व्यक्तित्व थे जिन्होंने न केवल संविधान के माध्यम से लोगों को अधिकार प्रदान किए बल्कि आम व्यक्तियों के लिए समाज में सर्वोच्च पदों तक पहुंचने के रास्ते भी स्थापित किए। वे मंगलवार को सिंगरेणी भवन में आयोजित डॉ.बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। सीएमडी ने कहा कि संविधान एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसने जाति और धर्म से परे हम सभी भारतीयों में एकता की भावना पैदा की है, और यह हमें डॉ. अंबेडकर द्वारा उपहार स्वरूप दिया गया था।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपने दैनिक जीवन में कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का लगन से निर्वाह करना ही डॉ.बी.आर. अंबेडकर को दी जाने वाली सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। सिंगरेणी भवन के कार्यकारी निदेशक (कोयला परिवहन) बी. वेंकन्ना, महाप्रबंधक (समन्वय एवं विपणन) टी. श्रीनिवास और कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 42 से 47_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26 दि.10-04-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से दि.04-05-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. 42_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26 कार्य विवरणः एससी-एमयुई सेक्शनः उप्पलवाई बाल्लास्ट डिपोः उप्पलवाई डिपो (डिपो संग्रह) पर रेलवे विनिर्देशनोंनुसार, 50 एमएम गेजयुक्त कठोर व टिकाउ मशीन से कुचला गया स्टोन बाल्लास्ट की आपूर्ति एवं ढेर लगाना तथा इसीको यांत्रिक पद्धति (81200 क्यूबिक मीटर्स) द्वारा रेलवे हॉपर्स/ट्राफिक बाल्लास्ट वैगान्स में लदान करना।
अनुमानित मूल्य रु.9,05,12,016.00 अग्रधन रु.18,10,300.00

निविदा सं. 43_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26 कार्य विवरणः ए) एडीइएन/एनजेडबी क्षेत्राधिकार में निजामाबाद स्टेशन तथा इसके समीपीय या एप्रोचेस पर बाउण्डरी वाल का निर्माण। बी) एचवायबी डिवीजनः डीएचपी पर मर्चन्ट रूम का प्रावधान। सी) अमृत भारत योजना के हिस्से के रूप में कामारेड्डी पर प्रस्तावित सब स्टेशन बिल्डिंग एचटी/एलटी का मजबूतीकरण (सिविल कार्य)।
अनुमानित मूल्य रु.5,27,35,457.00 अग्रधन रु.10,54,700.00

निविदा सं. 44_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26 कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 1) एसएसइ/वर्क्स/एनएलजीडी क्षेत्राधिकार के तहत आरएससी/एससी पर इंडोर वालीबाल कोर्ट का निर्माण। 2) एसएसइ/वर्क्स/एनएलजीडी क्षेत्राधिकार के तहत आरएससी/एससी पर पीइबी स्ट्रक्चर सहित प्रस्तावित नई जिम का निर्माण। 3)एसएसइ/डब्ल्यू/एनएलजीडी क्षेत्राधिकार के तहत ग्राउण्ड फ्लूर की मरम्मत, पहली मंजिल रूम में शौचालयों का नवीकरण, रसोई क्षेत्र को हटाना या डिमालिशन करना तथा अन्नपूर्णा होस्टल में नई होस्टल का निर्माण करना।
अनुमानित मूल्य रु.6,33,52,025.00 अग्रधन रु.12,67,100.00

निविदा सं. 45_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26 कार्य विवरणः ए) हैदराबाद डिवीजनः एससी-एमयुइ सेक्शन-एमजेएफ-बीएमओ स्टेशनों के बीच अपर्याप्त वाटरवे के कारण किमी 608/11-13 पर, (एयर पुशिंग पध्दति द्वारा) 1X3.0X2.0एम आरसीसी बाक्स के रूप में मौजूदा पुल सं.735 का पुनर्निर्माण करना। बी) एमजेडएल-डब्ल्यूडीआर स्टेशनों के बीच शंकरमपेट ब्रांच कैनल को पार करने हेतु रेलवे किमी 550/500-600 पर नये पुल का प्रस्तावित निर्माण कार्य। (पहले ही ढाले गये आरसीसी बाक्सेस को धकेलना तथा शेष आरसीसी बाक्स कास्ट-इन-सिटु तथा अन्य छिटपुट कार्य)।
अनुमानित मूल्य रु.1,61,85,166.00 अग्रधन रु.3,23,700.00

निविदा सं. 46_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26 कार्य विवरणः(ए) एचवायबी डिवीजनः-एससी-डीएचएनइ सेक्शनः तिम्मापुर रेलवे स्टेशन पर मौजूदा एफओबी का विस्तार करना। (बी) एचवायबी डिवीजनः-एससी-डीएचएनइ सेक्शनः याकुतपूरा रेलवे स्टेशन पर (4एम चौडा एफओबी) नई एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य।
अनुमानित मूल्य रु.4,92,88,471.00 अग्रधन रु.9,85.800.00

निविदा सं. 47_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26 कार्य विवरणः सिकंदराबाद-ढोने सेक्शनः तत्संबंधित सिकंदराबाद तथा ढोने स्टेशनों के बीच विविध स्थानों पर 60 केजी रेल जायन्ट्स की इन-सिटु वेल्डिंग कार्य।
अनुमानित मूल्य रु.50,26,075.00 अग्रधन रु.1,00,500.00

अधिक जानकारी हेतु **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.08-2026 दि.10-04-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु -निविदाएं आमंत्रित है।

बंद करने की तिथि व समयः 07-05-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.1, निविदा सं.इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-2061 कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः एसआर.डीइएन/दक्षिण/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत 39 महिनों की अवधि के लिए (36 महिने आपूर्ति & 3 महिने मोबिलाइजेशन अवधि हेतु) रेलवे विनिर्देशनानुसार, 50एमएम गेजयुक्त मशीन से कुचला हुवा कठोर व टिकाउ स्टोन बाल्लास्ट (1,20,000 सीयुएम) की आपूर्ति व ढेर लगाना (स्टैकिंग) तथा इसीको कमलापुरम बाल्लास्ट डिपो पर रेलवे हापर्स/वैगान्स में लदान करना। (दो पैकेट)।
विज्ञापित मूल्य रु.12,11,59,200.00 अग्रधन रु.24,23,200.00

क्रम सं.2, निविदा सं.इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2062 कार्य विवरणः टीपीटीवाय सब-डिवीजन (आरडब्ल्यूपी 2025-26) में पुल की मरम्मत व ब्रिज प्रोटेक्टिव वर्क्स या कार्य।
विज्ञापित मूल्य रु.1,52,90,726.44 पैसे, अग्रधन रु.3,05,800.00

क्रम सं. 3, निविदा सं.इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2063 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः जीटीएल-केएलयु सेक्शन में किमी 245/421 पर पुल सं.41बी (आरयुबी) (एलसी 144) पर नालियों (ड्रैनेज) की व्यवस्थाओं का प्रस्तावित सुधार कार्य।
विज्ञापित मूल्य रु.4,35,31,025.26 पैसे, अग्रधन रु.8,70,600.00

क्रम सं. 4, निविदा सं.इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2064 कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः एसडब्ल्यू (I) जीटीएल-केएलयु सेक्शन में किमी 244.240 पर पुल सं.42-ए (एलसी 143) पर प्रस्तावित नालियों की व्यवस्थाओं का प्रस्तावित सुधार कार्य।
एसडब्ल्यू (II) जीटीएल-केएलयु सेक्शन में किमी 242.238 पर पुल सं.42-बी (एलसी 142) पर प्रस्तावित नालियों की व्यवस्थाओं का प्रस्तावित सुधार कार्य।
विज्ञापित मूल्य रु.7,27,31,338.64 पैसे, अग्रधन रु.14,54,600.00

किसी भी शुद्धिपत्र को आनलाइन पर जारी किया जायेगा। सं. जी/डब्ल्यू.496/टीसी/ई-नोटिस-08-2026 दि.10-04-2026

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटकल

निविदा सं.जीटीएल-इएम-06-2026-27 दि.10-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.जीटीएल-इएम-06-2026-27 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः एबीएसएस स्टेशन्स सीओपीज पर रूफ टाप सोलार प्लान्ट्स या छत पर सौर संयंत्रों का प्रावधान।
अनुमानित मूल्य रु.9,81,10,903.05

बंद करने की तिथि व समयः 30-04-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु **http://www.ireps.gov.in** पर लाग इन करें। निविदा का शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

टिप्पणीः निविदाकार के पास, इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

खुली ई-निविदा सूचना सं.डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/14/2026 दि.10-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु संबध्द विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं. ई-10-पूर्व-बीजेडए-2026, कार्य विवरण- कार्य का नामः बीजेडए डिवीजन (आयडी नं.11.06.64.25.3.55.011) के मौजूदा रन्निंग रूम्स के उन्नयन/सुधार हेतु प्रस्ताव। पूर्व हिस्साः एसडब्ल्यू-I- बीजेडए- तत्संबंधित बीजेडए पर रन्निंग रुम हेतु साउण्ड प्रूफिन्ग (अकाउस्टिक) मीजर्स प्रदान करना। एसडब्ल्यू-II-बीजेडए-एसएसइ/डब्ल्यू/पश्चिम/बीजेडए सेक्शन के तहत बीजेडए स्टेशन पर रन्निंग रूम के परिसरों में क्लोज्ड जिम (इन्डिपेन्डेन्ट रूम) का प्रावधान। एसडब्ल्यू-III-एसएसइ/वर्क्स/बीजेएडए सेक्शन के तहत केआय स्टेशन पर रन्निंग रूम के परिसरों में क्लोज्ड जिम (इन्डिपेन्डेन्ट रूम) का प्रावधान। एसडब्ल्यू- IV- एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिवीजन के तहत एमटीएम पर रन्निंग रूम में उन्नयन सुविधाएं। एसडब्ल्यू-V —एनएस रन्निंग रूम पर क्लोज्ड जिम के लिए इन्डिपेन्डेन्ट बिल्डिंग का निर्माण करना।
कार्य पूरा करने की अवधिः 09 (नौ महिने), निविदा मूल्य रु.1,40,81,471.00 अग्रधन रु.2,81,700.00 बंद करने की तिथिः 05-05-2026

क्रम सं.2, निविदा सं. ई-11-पूर्व-बीजेडए-2026, कार्य विवरण- कार्य का नामः एसडब्ल्यू-I- इटीटीसी/बीजेडए पर छात्रावास क्षमता 240 से 340 बिस्तरों की वृध्दि के प्रावधान हेतु प्रस्ताव। एसडब्ल्यू-II-बीजेडए- द.म.रेलवे की समस्त टीआरएस, टीआरडी शाखाओं को चलाने या संचालित करने हेतु महिला प्रशिक्षुओं की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु इटीटीसी/बीजेडए पर नई लेडीज होस्टल के निर्माण हेतु प्रस्ताव। एसडब्ल्यू-III-बीजेडए-एसएसइ/डब्ल्यू/पूर्व/बीजेडए के तहत आरपीएफ शस्त्रशाला या आर्मरी (कोथ & डीआर काय) का प्रस्तावित निर्माण। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.7,75,39,027.00, अग्रधन रु.15,50,800.00 बंद करने की तिथिः 05-05-2026

क्रम सं.3, निविदा सं. ई-05-पूर्व-मध्य-2026, कार्य विवरण- कार्य का नामः बीजेडए डिवीजनः बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः जीएएलए स्टेशन पर क्वीक वाटर आरेंजमेन्ट की स्थापना करना। एसडब्ल्यू-I-डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/इ सब डिवीजन में जीएएलए स्टेशन में 5.00 लाख क्षमतायुक्त ओवरहेड टैन्क & कोच वाटरिंग पाइप लाइनों की 3 लाइनों प्रस्तावित कार्य। एसडब्ल्यू-II - एडीइएन/इ सब-डिवीजन के एसएसइ/वर्क्स/इ सेक्शन में जीएएलए स्टेशन पर, 5.0 X 6.0 मीटर्स- 4 नंबर्स के स्टाफ रेस्ट रूम्स (रेलवे स्टाफ, कान्टैक्ट स्टाफ & टूल रूम) तथा बिजली कर्मचारीगण & 11 X9.00 मीटर्स के साइज का टू स्टेयर बिल्डिंग (बूस्टर पम्प हेतु ग्राउण्ड फ्लूर एवं मानिटरिंग रूम हेतु फर्स्ट फ्लूर), सेंट्रल ड्रेन का निर्माण।
कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.8,88,58,870.00 अग्रधन रु.17,77,200.00 बंद करने की तिथिः 05-05-2026

निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि, **वेबसाइटःwww.ireps.gov.in** पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध है। 2)भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्र को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें। 3) यह निविदा सूचना, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, द.म. रेलवे, विजयवाडा तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल कार्यालयों पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है। 4) रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइटःwww.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

जनता को गुमराह कर रही कांग्रेस : रामचंद्र

भाजपा ने की कांग्रेस के पाखंड की कड़ी आलोचना

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के उन आरोपों का जोरदार खंडन किया कि परिसीमन से दक्षिणी और उत्तरी राज्यों के बीच असमानताएं पैदा होंगी। डॉ.बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद राज्य पार्टी कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लालपेट, आनंदबाग एक्स रोड मलकाजगिरी और जीएचएमसी कार्यालय टैंकबंड के पास बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

उन्होंने परिसीमन और नारी शक्ति वादन अधिनियम (महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक) पर कांग्रेस पार्टी के झूठे प्रचार की कड़ी निंदा की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने दक्षिणी राज्यों के नुकसान की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि देशभर में सीटों में आनुपातिक वृद्धि होगी और किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना और परिसीमन अलग-अलग संवैधानिक प्रक्रियाएं हैं, लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जैसे नेता इनका अनुचित उपयोग करके जनता को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है जिसे कांग्रेस ने 1976 में रोक दिया था। तब से जनसंख्या बढ़कर 140 करोड़ हो गई है, लेकिन 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा की 543 सीटें अपरिवर्तित हैं। यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से 2026 की जनगणना के बाद शुरू होगी और 2029 के चुनावों तक लागू होने की संभावना है। कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए राव ने कांग्रेस पार्टी पर भारतीय संविधान के निर्माता के प्रति ऐतिहासिक विश्वासघात का आरोप लगाया और कहा कि वह परिसीमन और महिला सशक्तिकरण जैसे मौजूदा मुद्दों पर जनता को गुमराह कर रही है।

जनता को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डॉ. अंबेडकर केवल एक विद्वान विधिक ही नहीं बल्कि सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्षरत योद्धा थे। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी द्वारा हाल ही में सार्वजनिक रूप से संविधान का प्रदर्शन करने के बावजूद, कांग्रेस पार्टी का इतिहास कुछ और ही कहानी बयां करता है।

बाबासाहेब भारत के महानतम सपूतों में से एक : राज्यपाल

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संविधान के निर्माता और भारत रत्न डॉ.बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को यहां लोक भवन में पूरे सम्मान के साथ मनाई गई। राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया और नेता को पुष्पांजलि अर्पित की। बाबासाहेब को भारत के महानतम सपूतों में से एक और भारतीय संविधान का निर्माता बताते हुए राज्यपाल ने कहा, डॉ. अंबेडकर का जीवन विपरीत परिस्थितियों पर मानवीय साहस की विजय का एक ज्वलंत उदाहरण है। एक दूरदर्शी समाज सुधारक और प्रख्यात न्यायविद, उन्होंने अपना जीवन न्याय, समानता और दलितों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित कर दिया। उनकी विरासत गरीबों और हाशिए पर रहने वालों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक सशक्त आह्वान है।

डॉ. अंबेडकर द्वारा प्रदत्त संविधान को विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक बताते हुए, शुक्ला ने कहा कि यह अवसर प्रत्येक नागरिक के लिए संवैधानिक आदर्शों और निर्देशों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का अवसर होना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अंबेडकर के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया ताकि राष्ट्र के गौरव को बहाल किया जा सके और सभी के लिए एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज का निर्माण किया जा सके। आइए हम बाबासाहेब द्वारा प्रतिपादित एकता और भाईचारे की भावना से आगे बढ़ें, राज्यपाल ने इस अवसर पर राज्य और राष्ट्र की जनता को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर, लोक भवन के अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

बंडी संजय ने की विधेयक को समर्थन देने की अपील

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान दूरदर्शी बताया, जिन्होंने महिलाओं के अधिकारों और उनकी समानता के लिए अथक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर की सोच से प्रेरित होकर, केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश करने जा रही है। बंडी संजय ने सभी से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर विधेयक को अपना समर्थन देने की अपील की।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर, बंडी संजय कुमार ने महान नेता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने मीडिया को एक बयान जारी किया। अपने बयान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंबेडकर के आदर्शों से प्रेरित होकर नरेंद्र मोदी सरकार ने विधायी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने संसद के प्रत्येक सदस्य से राजनीतिक विचारों से ऊपर उठकर विधेयक को अपना समर्थन देने की अपील की। केंद्रीय मंत्री ने अंबेडकर को समाज के शोषित वर्गों के लिए आशा की किरण बताया और कहा कि अंबेडकर एक बुद्धिजीवी थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन अस्पृश्यता को मिटाने और जातिवाद की इस भयावह बुराई को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए समर्पित कर दिया। संजय ने कहा कि भाजपा बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्शों और दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रही है और उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने संसद में यह घोषणा करके अंबेडकर के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा प्रदर्शित की कि प्रधानमंत्री पद पर उनका आसीन होना अंबेडकर द्वारा उन्हें दिया गया एक उपहार एक कृपा है।

जामबाग के पूर्व पार्षद राकेश जयसवाल ने भारत रत्न डॉ.बी.आर. आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। हनुमान टेकडी जामबाग डिवीजन में अंबेडकर के 136वें जन्मदिन दिवस समारोह में महेश यादव, वेंकट रेड्डी, आरएस शेखर, सलाम, नीलेश, गणेश, जगदीश साई आदि शामिल हुए।

सं.एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/2026-27 दि.10-04-2026

निम्न निविदा कार्यो को, इण्डियन रेलवेज ई-प्रोक्योरमेन्ट सिस्टम पर अपलोड किया गया है। निविदा के विवरण को वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर पहले ही अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202627-2-001 अथारिटीः को-आर्ड. निविदा मूल्यः र.96608517.43, अग्रधन रु.1932200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः चौबीस महिने
कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः मुदखेड-आदिलाबाद सेक्शनः एडीइएन/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत कार्य पूरा करने की अवधि 24 (चौबीस) महिने तथा तीन (03) महिने मोबिलाइजेश अवधि) के अंतर्गत हिमायतनगर (एचइएम) बाल्लास्ट डिपो पर 50 एमएम गेजयुक्त कठोर व टिकाउ मशीन से कुचला हुवा स्टोन बाल्लास्ट की आपूर्ति व ढेर लगाना (स्टैकिंग) तथा इसीको यांत्रिक पध्दति द्वारा हापर/ट्राफिक बाल्लास्ट वैगान में लदान करना। (शेष कार्य)।

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202627-2-001, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख से अधिक मूल्य युक्त हेतु) — क्षेत्रीय रखरखाव कार्य से रहित शामिल कोईभी सिविल इंजीनियरिंग कार्य जैसे, 1) मशीन से कुचला हुवा ग्रेडेड स्टोन एग्रीगेट्स या रेलवे ट्रैक बाल्लास्ट की आपूर्ति (या) ॥) लचीले या कठोर फूटपाथ सहित सडक का निर्माण अथवा ग्रैन्युल सब-बेस (जीएसबी) को बिछाना। (या) ॥।) नींव या फाउण्डेशन तथा सब स्ट्रक्चर या कान्क्रीट में मुख्य पुलों के सुपर स्ट्रक्चर का निर्माण।

उपरोक्त निविदा दि.07/05/2026 के 15.00 बजे बंद होगी। कृपया यह जानकारी एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए है।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड./नांदेड

A048

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी एवम् निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

अंबेडकर जयंती पर केटी रामाराव का कांग्रेस पर हमला

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केटी रामाराव ने कांग्रेस पर डॉ.बी.आर. अंबेडकर के विचारों और कार्यों को नजरअंदाज करने तथा उन्हें केवल राजनीतिक नारे तक सीमित करने का आरोप लगाया। मंगलवार को अंबेडकर जयंती के अवसर पर तेलंगाना भवन में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इतिहास में भी अंबेडकर को नजरअंदाज किया और आज भी तेलंगाना में उनके नाम पर किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को 'दलित बंधु' जैसी योजनाओं के माध्यम से अंबेडकर के विचारों को लागू करने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत लाभार्थियों को 10 लाख रुपये की सहायता दी गई, जबकि कांग्रेस ने इसे 12 लाख रुपये करने का वादा किया था, लेकिन बाद में इसे लागू नहीं किया।

रामाराव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का एससी-एसटी घोषणापत्र केवल कागजों तक सीमित रह गया है। आरक्षण बढ़ाने, छात्रों को आर्थिक सहायता देने और बीसी, एससी व एसटी समुदायों को 72 प्रतिशत सरकारी ठेके देने जैसे वादे पूरे नहीं किए गए। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस शासन में स्थापित सरकारी आवासीय स्कूल अब उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। साथ ही, विदेश में पढ़ाई के लिए दी जाने वाली छात्रवृत्तियां बंद करने का भी आरोप लगाया। रामाराव ने कहा कि सरकार ने हैदराबाद में अंबेडकर की 125 फीट ऊंची प्रतिमा तक आम लोगों की पहुंच को भी प्रतिबंधित किया, जो अंबेडकर और उनके समर्थकों का अपमान है। उन्होंने कहा कि बीआरएस के दबाव के बाद ही सरकार ने दो साल बाद अंबेडकर जयंती समारोह आयोजित किया। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस ने राज्य सचिवालय का नाम भी अंबेडकर के नाम पर रखा था। रामाराव ने कहा कि अंबेडकर के शिक्षित बनो, संघर्ष करो, संगठित रहो के संदेश ने तेलंगाना आंदोलन को प्रेरित किया और संविधान के अनुच्छेद 3 के कारण ही तेलंगाना राज्य का गठन संभव हुआ। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर कांग्रेस के खिलाफ अभियान चलाने का आह्वान किया और 27 अप्रैल को पार्टी स्थापना दिवस के बाद सामाजिक न्याय से जुड़े कार्यक्रम चलाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने नेकलेस रोड स्थित अंबेडकर स्मारक पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। उनके साथ कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा हर नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यभर में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों की जान बचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम के तहत मंगलवार को विभिन्न जिलों में व्यापक जागरूकता अभियान आयोजित किए गए। हैदराबाद और संगारेड्डी जिले के कंदी स्थित आईआईटी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामाजिक दायित्व है। उन्होंने लोगों से स्वेच्छा से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

सरकार द्वारा 13 से 18 अप्रैल तक राज्यभर में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मंत्री ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाने वाले लोगों को सरकार की ओर से 25,000 का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में सड़क सुरक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा और दुर्घटना-प्रवण ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर सड़क निर्माण में सुधार किए जाएंगे। राज्य के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने निर्मल, निजामाबाद और कामारेड्डी जिलों का दौरा कर कई कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य में हत्या की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या 10 गुना अधिक है। जहां हर साल लगभग 800 लोग हत्या से मरते हैं, वहीं करीब 7,500 लोग सड़क हादसों में जान गंवाते हैं।

उन्होंने वाहन चालकों को डिफेंसिव ड्राइविंग अपनाने और सीट बेल्ट व हेलमेट के उपयोग पर जोर दिया। निर्मल जिले में आदिवासी समुदाय ने पारंपरिक नृत्य से डीजीपी का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने फर्स्ट एड किट्स और हेलमेट वितरित किए तथा एआई आधारित 'वीडियो इवेंट डिटेक्शन सिस्टम' का शुभारंभ किया। डॉ.बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भी राज्यभर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। खम्मम में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने अंबेडकर प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर मानव श्रृंखला बनाकर सड़क सुरक्षा की शपथ ली। नलगोंडा में मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, विकाराबाद में स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार, रामगुंडम में मंत्री डी. श्रीधर बाबू और मंचेरियल में मंत्री विवेक वेंकटस्वामी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी इस अभियान में भाग लेकर लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया। राज्यभर के पुलिस स्टेशनों, ग्राम सड़क सुरक्षा समितियों, विद्यार्थियों और स्वयंसेवी संगठनों ने बड़ी संख्या में इस 'अराइव अलाइव' अभियान में भाग लिया और दुर्घटनामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

साहसिक निर्णय ले रही सरकार : अदलुरी

अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अर्पित की भव्य श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि तेलंगाना की 'प्रजा सरकार' डॉ. बी.आर. अंबेडकर के आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ रही है, जो इस सिद्धांत से निर्देशित है कि शिक्षा ही सभी समस्याओं का एकमात्र समाधान है।

मंगलवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर, मंत्री ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में हैदराबाद के टैंक बंड स्थित अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भव्य श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में उनकी सरकार सामाजिक न्याय और समानता प्राप्त करने के उद्देश्य से कई साहसिक निर्णय ले रही है।

मंत्री ने तेलंगाना राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल' स्थापित करने के सरकार के निर्णय को याद दिलाया - प्रत्येक स्कूल लगभग 25 एकड़ में फैला होगा और इसकी लागत 200 करोड़ रुपये होगी, जिसका उद्देश्य दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग (बीसी) और अल्पसंख्यक समुदायों को बिना किसी भेदभाव के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि ये विद्यालय भावी पीढ़ियों के लिए समग्र शिक्षा और व्यक्तित्व विकास के केंद्र के रूप में कार्य करेंगे। मंत्री ने आगे कहा कि प्रजा सरकार वैश्विक विचारक डॉ.बी.आर. अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विशेष पहल कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना राज्य का गठन भी अंबेडकर के इसी सिद्धांत के अनुरूप संभव हुआ है, जिसके अनुसार छोटे राज्यों का निर्माण विकास में योगदान देता है।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कांग्रेस सरकार भोजन शुल्क में 40 प्रतिशत और सौंदर्य प्रसाधन शुल्क में 200 प्रतिशत की वृद्धि करने की हकदार है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि दलित और आदिवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ पौष्टिक भोजन भी मिले। अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि राज्य सरकार 125 वर्षों के समृद्ध इतिहास वाले संस्थान उस्मानिया विश्वविद्यालय के विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित करके शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है। मंत्री ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अपील की कि वे तेलंगाना के स्कूली पाठ्यक्रम में डॉ. अंबेडकर के इतिहास को शामिल करें। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में मंत्री सीतक्का और पोन्नम प्रभाकर, विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण, दानम नागेंदर, नवीन कुमार यादव और मंडुला सैमुअल, एमएलसी अद्दंकी दयाकर, प्रोफेसर कोदंडराम, पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव, पूर्व मंत्री मोथकुपल्ली नरसिम्हुलु और अन्य लोग शामिल हुए।

ऐतिहासिक स्मारकों का दौरा करेंगे जुपल्ली

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव बुधवार सुबह शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्मारकों का दौरा करेंगे। विधायक कौसर मोहिउद्दीन और मीर जुल्फिकार अली के साथ, वे इब्राहिम बाग परिसर में स्थित कुतुब शाही मकबरे (सात मकबरे) और कटोरा हाउस के साथ-साथ चारमीनार का भी निरीक्षण करेंगे। यह दौरा सुबह 7.30 बजे शुरू होगा। मंत्री इन स्थलों पर पर्यटन सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की स्थिति की समीक्षा करेंगे। विरासत संरक्षण के लिए चल रहे प्रयासों के तहत, वे कार्यों की प्रगति का आकलन भी करेंगे और अधिकारियों से नवीनतम जानकारी प्राप्त करेंगे। जुपल्ली कृष्णा राव द्वारा पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए आगे के उपायों पर निर्देश जारी किए जाने की संभावना है।

मारु सेन समाज का सेनजी महाराज जन्मोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के सानिध्य में श्री सेनजी महाराज के 726वें जन्मोत्सव पर मंगलवार 14 अप्रैल प्रातः 10.15 बजे भजन व 15वां जन्मोत्सव कार्यक्रम पूजा-अर्चनाकर जगदीश मंदिर, लॉवर टैंकबंड में आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष हनुमान तंवर ने बताया कि हर वर्ष की भांति श्री सेनजी महाराज के 726वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भजन एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। प्रातः वेला में पुजा-अर्चनाकर सेनजी महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण, दीप प्रज्वलन व आरती के पश्चात भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विक्रम प्रजापत सांचौर ने सेनजी महाराज के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया।

स्वागत समारोह कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथि शिमोगा से चम्पालाल सैन, श्री मारु सेन समाज बेगमबाजार अध्यक्ष खिमजी खुशीक, समाज सेवी गज्जूभाई कोलरिया, परबत सोलंकी, युवा नेता रमेश ढाका, सुरेश महाराज, बोली लेने वाले भामाशाहोफ्र, पेपेर विज्ञापन के लाभार्थी नरेन्द्र चौहाण पित्रकृपा ज्वैलर्स पोट मार्केट व भोजन-प्रसादी के लाभार्थी मिश्रीलाल-दुर्गादेवी, सुरेन्द्र-अनिता भाटी परिवार जय माँ दुर्गा चिट फंडस सिंकदराबाद का राजस्थानी परम्परा से विशेष सम्मान किया गया।

अध्यक्ष हनुमान तंवर ने पधारे समाज बन्धुओं को सेनजी महाराज के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि अपने कार्यकाल में समाज बन्धुओं के सहयोग से समाज हित में बहुत से कार्य सम्पन्न कराये। उन्होने बताया कि अतिशीघ्र मीटिंग आयोजितकर आगामी कार्यकाल के लिए नयी कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। पधारे अतिथियों व समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में मारु सेन समाज के संरक्षक राजुराम, अध्यक्ष हनुमान तंवर, उपाध्यक्ष गोवर्धन चौहान, कोषाध्यक्ष अरविन्द देवड़ा, महामंत्री आनन्द परिहार, संयोजक जगदीश फुलडालिया, मीठालाल सुरग, गिरीश परिहार, नरेन्द्र चौहान, रतनलाल सैन, सरवण सोनीगरा, प्रकाश चौहान, चन्दन पंवार एवं सभी समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। मंच का संचालन गिरीश परिहार एवं हनुमान तंवर के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विजडन अवॉर्ड 2026 में छाए भारतीय क्रिकेटर
9 में से 7 अवॉर्ड पर कब्जा

खेल डेस्क, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर्स का जलवा एक बार फिर से देखने को मिला है. विजडन अवॉर्ड में टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर 9 में से 7 अवॉर्ड पर कब्जा किया है. इसी के साथ टेस्ट टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने अपनी एक अलग ही छाप छोड़ी है.

भारत में क्रिकेट अब एक अलग लेवल पर पहुंच चुका है. देश में टैलेंटिड खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है. हर साल एक से बढ़कर एक खिलाड़ी टीम इंडिया में शामिल होने के लिए अपनी दावेदारी पेश करते हैं. बीते सालों में टीम इंडिया ने क्रिकेट में कमाल का प्रदर्शन करते हुए दुनियाभर में अपनी छाप छोड़ी है. इसी के साथ अब विजडन अवॉर्ड्स में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला है जो कि गर्व की बात है. विजडन के 9 प्रमुख अवॉर्ड में से 7 भारतीय खिलाड़ियों ने अपने नाम किए हैं.

भारतीय खिलाड़ियों का रहा दबदबा

टीम इंडिया साल 2025 में शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के दौरे पर गई थी. वहां टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया था. भारत के कप्तान शुभमन गिल, रविंद्र जडेजा, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज, नॉटिंघमशायर के कप्तान हसीब हमीद के साथ टॉप 5 में रहे. शुभमन गिल ने बल्ले से उस सीरीज में धमाल मचाया और वो सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. एजबेस्टन में खेले गए मैच में उन्होंने 269 और 161 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली.

ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी एक अलग ही छाप छोड़ी है तो वहीं रवींद्र जडेजा ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से ही कमाल किया. मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन भी पिछले साल टेस्ट क्रिकेट में धमाकेदार रहा था.

दीप्ति और अभिषेक को भी मिले अवॉर्ड

भारतीय खिलाड़ियों ने इसके अलावा भी अवॉर्ड जीते. भारत के लिए महिला वनडे विश्व कप कप में कमाल का प्रदर्शन करने वाली दीप्ति शर्मा को लीडिंग महिला क्रिकेटर का अवॉर्ड मिला तो वहीं अभिषेक शर्मा को लीडिंग टी20 क्रिकेटर का अवॉर्ड मिला. ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को भी लीडिंग मेन्स क्रिकेटर ऑफ द ईयर के अवॉर्ड से नवाजा गया. एक मैच में शानदार प्रदर्शन करने के लिए विजडन ट्रॉफी अवॉर्ड शुभमन गिल के नाम रहा. उन्होंने एजबेस्टन में दोनों पारियों में मिलाकर 430 रन बनाए थे.

प्रफुल्ल आईपीएल डेब्यू ओवर में 3 विकेट वाले पहले बॉलर

खेल डेस्क, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 57 रन से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले।

आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए। वे ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने। वैभव सूर्यवंशी बिना खाता खोले आउट हुए। ईशान किशन के कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकरा गए।

अभिषेक शर्मा एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। वे इस साल 18 पारियों में 7 बार बिना खाता खोले लौटे। उन्होंने रोहित शर्मा (2018) और संजू सैमसन (2024) को पीछे छोड़ा, जो 32-32 पारियों में 6-6 बार शून्य पर आउट हुए थे।

साकिब हुसैन आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस वाले प्लेयर बने। उन्होंने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। साकिब ने अश्विनी कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। अश्विनी ने 2025 में केकेआर के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर प्रफुल हिंगे हैं। उन्होंने आज 34 रन देकर 4 विकेट लिए।

आर्चर को लगातार दूसरे मैच की पहली गेंद पर विकेट

जोफ्रा आर्चर ने मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा को आउट किया। अभिषेक बिना खाता खोले लौटे। इससे पहले 10 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ भी आर्चर ने पहली गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट किया था। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने यह कारनामा किया।

आईपीएल में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट के मामले में मोहम्मद शमी 5 विकेट के साथ टॉप पर हैं। आर्चर 4 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। राजस्थान के लिए यह 24वीं बार रहा जब टीम ने बिना कोई रन दिए पहला विकेट लिया। यह आईपीएल में किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा है। वहीं, 12वीं बार ऐसा हुआ जब राजस्थान ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लिया।

ईशान किशन की सिक्स से फिफ्टी

10वें ओवर में ईशान किशन ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने रवि बिश्नोई के खिलाफ घुटने के बल बैठकर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाकर 30 गेंद में अर्धशतक बनाया।

संदीप-ध्रुव टकराए, ईशान कैच आउट

14वें ओवर में ईशान किशन का विकेट गिरा। संदीप शर्मा की वाइड लेंथ गेंद पर ईशान ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही और गेंद ऊपर चली गई। कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकराए, लेकिन संदीप ने गेंद पकड़ ली।

फ्लडलाइट बंद हुई, दर्शकों ने फ्लैश जलाए

13वें ओवर में फ्लडलाइट बंद होने से खेल रुका। मैदान पर अंधेरा छा गया और दर्शकों ने मोबाइल फ्लैश जलाई। ब्रेक में ईशान किशन टॉवेल से खुद को सुखाते नजर आए, जबकि रियान पराग और संदीप शर्मा बात करते दिखे।

आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने इतिहास रचा। वे पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। इससे पहले IPL इतिहास में 32 बार पहले ओवर में 2 विकेट लिए गए थे। दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को आउट किया। चौथी पर ध्रुव जुरेल को बोल्ड किया। आखिरी गेंद पर लुहान-ड्रे प्रिटोरियस को कैच कराकर तीसरा विकेट लिया। तीनों बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। 11वें ओवर में डोनोवन फरेरा ने 102 मीटर का सिक्स लगाया। हर्ष दुबे की फुल लेंथ गेंद पर उन्होंने आगे बढ़कर शॉट खेला और गेंद को डीप मिडविकेट के ऊपर 102 मीटर दूर भेजा। फरेरा को 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर डेब्यू कर रहे साकिब हुसैन ने बोल्ड कर दिया।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप की प्राइजमनी 10 % बढ़ी
आईसीसी ने टूर्नामेंट की कुल राशि 82 करोड़ तय की, विजेता टीम को 21.8 करोड़ मिलेंगे

ICC विमिंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप्स

ग्रुप 1		
भारत	सा. अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया
पाकिस्तान	बांग्लादेश	नीदरलैंड्स
ग्रुप 2		
वेस्टइंडीज	इंग्लैंड	न्यूजीलैंड
श्रीलंका	आयरलैंड	स्कॉटलैंड

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले इस टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि बढ़ाकर 82 करोड़ रु. की गई है, जो 2024 के मुकाबले 10% ज्यादा है। पिछली बार इनामी राशि 7.95 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपए) थी। जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट में इस बार ज्यादा टीमें और ज्यादा मुकाबले देखने को मिलेंगे।

विजेता को मिलेंगे 21.8 करोड़ रुपए

टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 21.8 करोड़, उपविजेता को 10 करोड़ और सेमीफाइनल हारने वाली टीम को 6.29 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं हर ग्रुप मैच जीतने पर टीम को 29 लाख मिलेंगे।

12 टीमों के बीच होंगे कुल 46 मुकाबले

इस बार टूर्नामेंट का दायरा बढ़ाया गया है। अब तक विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा लेती थीं, लेकिन इस बार 12 टीमें खेलेंगी। टीमों की संख्या बढ़ने से मैचों की संख्या में भी 50% का इजाफा हुआ है। ग्रुप स्टेज के मैच 20 से बढ़कर 30 हो गए हैं। पूरे टूर्नामेंट में नॉकआउट समेत कुल 46 मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की परिस्थितियों में होगा बड़ा चैलेंज

अगला वर्ल्ड कप इंग्लैंड की मेजबानी में जून और जुलाई के बीच खेला जाना है। जून-जुलाई में इंग्लैंड का मौसम और पिचें तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनर्स के लिए भी मददगार होती हैं। भारतीय टीम के लिए यह टूर्नामेंट काफी अहम होगा क्योंकि टीम इंडिया अब तक एक बार भी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीत सकी है। 12 टीमें होने से मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है।

ब्रॉडकास्टिंग और रेवेन्यू बढ़ने का फायदा

महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के कारण आईपीएल के रेवेन्यू में भी बढ़ोतरी हुई है। विमेंस क्रिकेट के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की वैल्यू बढ़ी है और स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। इसी को देखते हुए आईपीएल लगातार टूर्नामेंट्स को बड़ा बना रहा है। 12 टीमों के इस फॉर्मेट से छोटे देशों की महिला क्रिकेट टीमों को भी ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

वैभव सूर्यवंशी की टीम इंडिया में जगह तय!
0 पर आउट होते ही आई खुशखबरी

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी भले ही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीरो पर आउट हो गए लेकिन उसके बाद उनके लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है. ये खुशखबरी उनके टीम इंडिया में शामिल होने से जुड़ी है. 15 साल के वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया की अगली T20 सीरीज का हिस्सा हो सकते हैं. इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उनका सेलेक्शन जून में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए हो सकता है.

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेंगे वैभव सूर्यवंशी-रिपोर्ट

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज से पहले बीसीसीआई एक बड़ा ब्रेक देने का मन बना रही है. वो आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में खेलने के बड़े दावेदार हैं. इंडियन एक्सप्रेस ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों के हवाले से लिखा कि वैभव सूर्यवंशी के नाम को बाकी दूसरे खिलाड़ियों के साथ शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है.

वैभव सूर्यवंशी के पास सबसे युवा क्रिकेटर बनने का मौका

वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया में चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी होंगे. अगर उन्हें आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिलता है तो वो इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय बन जाएंगे.

वैभव सूर्यवंशी को क्यों मिलेगा मौका?

अब सवाल है कि वैभव सूर्यवंशी को ये मौका क्यों दिया जा सकता है? इसके पीछे की वजह है उनका हालिया फॉर्म और लगातार दमदार प्रदर्शन, जो वो पिछले एक-डेढ़ साल से करते आ रहे हैं. पिछले आईपीएल सीजन में वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 35 गेंदों पर शतक जमाया था. आईपीएल 2026 में भी उनकी रफ्तार धीमी नहीं हुई है. इस बार उन्होंने बड़े-बड़े गेंदबाजों को अच्छे से पीटा है. वो आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे वाली कतार में है.

आईपीएल की पिच पर किए दमदार प्रदर्शन के बीच वैभव सूर्यवंशी ने जो अंडर 19 क्रिकेट टीम के लिए किया है, उनके उस प्रदर्शन ने भी सेलेक्टर्स का ध्यान खींचा है. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका में जाकर अंडर 19 क्रिकेट में रन बनाए हैं. तेज-तर्रार शतक जड़े हैं. ये अलग बात हैं अंडर 19 क्रिकेट में उन्होंने 50 ओवर फॉर्मेट में कमाल किए हैं पर जितनी तेजी से उन्होंने उसकी स्क्रिप्ट लिखी है, उसका मिजाज टी20 फॉर्मेट वाला ही है.

जीटी और सीएसके के दो मैचों के वेन्यू बदले
26 अप्रैल का मैच चेन्नई में होगा, 21 मई का मैच अहमदाबाद में होगा

चेन्नई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के शेड्यूल में बदलाव किया है। अब गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाले दो मैचों की तारीखें आपस में बदल दी गई हैं।

दरअसल, गुजरात में नगर निगम चुनाव होने वाले हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है ताकि मैचों के आयोजन में किसी तरह की दिक्कत न आए। गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 26 अप्रैल को होने वाला मुकाबला अब अहमदाबाद की बजाय चेन्नई में खेला जाएगा। पहले यह मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना तय था, लेकिन अब इसे चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में शिफ्ट कर दिया गया है।

हालांकि, मैच के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह मुकाबला पहले की तरह दोपहर 3:30 बजे ही खेला जाएगा।

वहीं, 21 को चेन्नई और गुजरात के बीच खेले जाना वाला दूसरा मुकाबला चेन्नई की बजाय अहमदाबाद में खेला जाएगा। यह मुकाबला शाम 7:30 बजे से होगी। BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस बदलाव की पुष्टि की है।

बीसीसीआई ने बताया कि यह बदलाव इसलिए जरूरी था क्योंकि 26 अप्रैल 2026 को अहमदाबाद सहित गुजरात के कई हिस्सों में नगर निगम चुनाव होने हैं। चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती एक बड़ी चुनौती होती है।

मैच के लिए हजारों की संख्या में फैंस जुटते हैं, ऐसे में चुनावी ड्यूटी और मैच की सुरक्षा एक साथ संभालना प्रशासन के लिए मुश्किल होता। इसी को देखते हुए बीसीसीआई ने गुजरात सरकार और स्थानीय प्रशासन से चर्चा के बाद यह फैसला लिया।

खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड की चयन नीति बदलेगी
थोक में पुरस्कार बांटने के पक्ष में नहीं खेल मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में और अधिक पारदर्शिता लाने के साथ हर वर्ष होने वाले विवादों से बचने के लिए खेल मंत्रालय ने मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन अवॉर्ड और द्रोणाचार्य अवॉर्ड की चयन नीति में परिवर्तन की तैयारी कर ली है। खेल मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि नई नीति को इस तरह से तैयार किया जा रहा है, जिसमें अवॉर्ड पाने के योग्य उम्मीदवारों को आवेदन की जरूरत नहीं पड़े। जिस तरह ओलंपिक और एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को मंत्रालय तत्काल तय नकद अवॉर्ड मुहैया कराता है, उसी तरह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को अंकों के आधार पर अवॉर्ड के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित होंगे अंक

सूत्रों के अनसार, अवॉर्ड चयन नीति में होने वाला परिवर्तन जल्द आधिकारिक होगा। नीति इस तरह की होगी, जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर उनके अंक निर्धारित किए जाएंगे। फिर इन्हें मंत्रालय की ओर से गठित चयन समिति के सामने रखा जाएगा। मौजूदा नीति के अनुसार सभी खिलाड़ियों को अर्जुन और खेल रत्न के लिए आवेदन करना होता है। आवेदन के आधार पर मंत्रालय की ओर से गठित चयन समिति खिलाड़ियों का चयन कर खेल मंत्रालय को उन्हें पुरस्कार देने की सिफारिश करती है।

इस बार के पुरस्कारों का हो रहा है पुनर्मूल्यांकन

इस बार के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार अब तक नहीं दिए गए हैं। चयन समिति ने 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार देने की सिफारिश की थी। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि चयनित अडियों की सूची खेल मंत्री के पास है, लेकिन इनका पुनर्मूल्यांकन किया जा रहा है। मंत्रालय का कहना है कि अर्जुन पुरस्कार प्रतिष्ठित पुरस्कार है और इसे हर किसी को नहीं दिया जाना चाहिए।

इसी को ध्यान में रखते हुए ही मंत्रालय ने चयन नीति को बदलने का फैसला लिया है।

अगले साल कराएंगे एफ-1 रेस : मांडविया

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, '2027 में ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशमान सर्किट (बीईसी) पर एक बार फिर फार्मूला-1 रेस का आयोजन किया जाएगा। एफ-१ का कहना है. इस रेस के लिए भारत महत्वपूर्ण बाजार है, लेकिन 2027 में यहां कोई रेस निर्धारित नहीं की गई है।' मांडविया ने कहा, 'पश्चिम एशिया में तनाव के चलते तीन कंपनियों ने देश में एफ-1 कराने की इच्छा जताई है। टैक्स की जटिलताएं दूर की जाएंगी। उम्मीद है कि 2027 में बीआईसी पर एफ-1 का आयोजन होगा।' अदाणी ग्रुप की और से कर्ज में डूबे जेपी समूह की संपतियों का अधिग्रहण हो रहा है, जिनमें बीआईसी का फॉर्मूला-1 ट्रैक भी शामिल है।

राष्ट्रमंडल : योग, खो-खो, कबड्डी, मलखंब की दावेदारी

खेल मंत्री ने कहा, 2030 राष्ट्रमंडल खेलों में भोग, खो-खो, कबड्डी और मलखंब में में दो के साथ-साथ टीम खेलों में क्रिकेट और हॉकी शामिल होंगे।

एशियाड में जाएगी मुख्य हॉकी टीम

एशियाई खेल और हॉकी विश्वकप के आयोजन में कम अंतराल होने से एक टीम का दोनों आयोजनों में खेलना मुश्किल है। ऐसे में हॉकी की दो टीमें उतरी जाएगी और मुख्य टीम एशियाड में खेलेगी।

'सानिया से तुलना गर्व की बात है, लेकिन मैं अगली सानिया नहीं
बल्कि वैष्णवी के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहती हूं

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। बिली जीन किंग कप के प्लेऑफ क्वालिफायर्स में भारत के लिए पदार्पण करने वाली वैष्णवी अडकर ने सभी को प्रभावित किया। विश्व नंबर-385 वैष्णवी ने न्यूजीलैंड और कोरिया के खिलाफ जीत दर्ज की। उनके इस प्रदर्शन की झलक फरवरी में हुए डब्ल्यू 100 टूर्नामेंट के फाइनल में भी दिखी।

वह सानिया मिर्जा (2001) के बाद डब्ल्यू 100 फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय हैं। उन्हें अगली सानिया के रूप में देखा जा रहा है। वैष्णवी ने कहा, 'सानिया से तुलना गर्व की बात है, लेकिन मैं अगली सानिया नहीं, बल्कि वैष्णवी के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहती हूं।'

पुणे के 12 सदस्यों के परिवार में पली-बढ़ी वैष्णवी की टेनिस यात्रा 7 वर्ष की उम्र में शुरू हुई। घर के शोर-शराबे से बचने के लिए मां ने चारों भाई-बहनों को टेनिस के लिए प्रेरित किया। वैष्णवी ने बताया कि अंडर-14, 16 एकल में राष्ट्रीय खिताब नहीं जीत पाने के बाद अंडर-18 में खिताब मिला तो आत्मविश्वास बढ़ा और बिली जीन किंग कप में पदार्पण करने में सफल रही।

अपनी आक्रामक शैली के लिए मशहूर वैष्णवी दो बार के ग्रैंडस्लैम विजेता रोहन बोपन्ना से प्रशिक्षण ले रही हैं।

वह बताती हैं कि बोपन्ना और बालू सर (बालाचंद्रन मणिक्कथ) ने उन्हें समझाया कि हर गेंद पर जोर लगाना जरूरी नहीं होता, कई बार डिफेंस भी मैच का रुख तय करता है। मेरा लक्ष्य 3-4 वर्षों में ग्रैंडस्लैम खेलने का है।

जोकोविच सेरेना से मिली प्रेरणा

जोकोविच की 38 की उम्र में भी अंतिम अंक पाने की जिद वैष्णवी को प्रेरित करती है। वहीं, सेरेना विलियम्स का हर स्थिति में हार न मानना उत्साह बढ़ाता है।

रोहित शर्मा को जाना होगा हॉस्पिटल, एमआई की टेंशन बढ़ी, खेल पाएंगे अगला मैच?

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के लिए हर मैच कुछ न कुछ बुरी खबर लेकर आ रहा है. पूरे 13 साल बाद आईपीएल 2026 में सीजन का पहला मैच जीतकर टीम ने शुरुआत तो दमदार की लेकिन उसके बाद से ही सिर्फ हार नसीब हो रही है. मगर सिर्फ हार ही नहीं, अब तो टीम को अपने पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा की फिटनेस ने भी मुश्किल में डाल दिया है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में चोटिल हुए रोहित के अगले मैच में खेलने को लेकर सस्पेंस बढ़ गया है और इसी सस्पेंस को दूर करने के लिए उन्हें हॉस्पिटल जाना होगा.

वानखेडे स्टेडियम में बेंगलुरु के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी के दौरान रोहित शर्मा को चोट लगी थी. पांचवें ओवर में क्रुणाल पंड्या की गेंद पर एक रन लेने के बाद रोहित शर्मा के पैर में कुछ तकलीफ होने लगी थी. फिर छठे ओवर में दोबारा वो परेशान नजर आए. ऐसे में मुंबई इंडियंस के फीजियो ने आकर उनकी जांच की, जिसके बाद उन्होंने 'रिटायर हर्ट' होकर पवेलियन लौटने का फैसला किया. रोहित इसके बाद दोबारा बैटिंग के लिए नहीं उतरे.

डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर

सरकार ने दलित सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी : रेवंत रेड्डी

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने भाग लिया

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आज डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर टैंकबंड, हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार से दक्षिणी राज्यों की संसदीय सीटों में प्र-राटा सिद्धांत (अनुपात के अनुसार) के आधार पर वृद्धि की मांग को लेकर लंबा संघर्ष करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिसीमन के दौरान यदि 50 प्रतिशत वृद्धि के आधार पर सीटों का निर्धारण किया गया तो दक्षिणी राज्यों के साथ गंभीर अन्याय होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस व्यवस्था से महिलाओं, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्गों का प्रतिनिधित्व विधानसभाओं में प्रभावित हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा परिसीमन प्रक्रिया के माध्यम से दक्षिणी राज्यों की सीटें घटाने की साजिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने सभी वर्गों से एकजुट होकर दक्षिणी राज्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने बीआरएस शासन पर भी तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में उनके नेताओं ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि तक अर्पित नहीं की।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर विधानसभा सत्रों में अनुपस्थित रहने और स्पीकर का अपमान करने का भी आरोप लगाया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वर्तमान जनहित सरकार ने दलित सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या दलित समाज के लोग वित्त मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नहीं रह सकते।

उन्होंने कहा कि पहले जिन लोगों ने दलितों का अपमान किया, आज वही विधानसभा में बोलने के लिए दलित प्रतिनिधि से माइक मांगने को मजबूर हैं। मुख्यमंत्री ने बीआरएस की नीतियों को असफल बताते हुए जनता से अपील की कि उसे उसके ''धोखेबाज राजनीति'' के कारण राजनीतिक रूप से समाप्त किया जाए।

इस अवसर पर उन्होंने क्रांतिकारी गायक गदर और कवि अंदे श्री को भी स्मरण किया तथा कहा कि तेलंगाना आंदोलन में कमजोर वर्गों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी और डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि गांधी ने बिना हिंसा के संघर्ष का मार्ग दिखाया, जबकि अंबेडकर ने देश को विकास और लोकतंत्र की दिशा दी। उन्होंने कहा कि गांधी और अंबेडकर राष्ट्र की दो आंखों के समान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंबेडकर का मानना था कि शिक्षा ही जीवन परिवर्तन का सबसे बड़ा साधन है और उनकी विचारधारा लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला है। उन्होंने सोनिया गांधी द्वारा अनुच्छेद-3 के माध्यम से तेलंगाना राज्य के गठन में भूमिका का भी उल्लेख किया। सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने छात्रावासों में भोजन भत्ते बढ़ाए हैं, 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल' स्थापित किए हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' शुरू किए हैं।

उन्होंने बताया कि दो वर्षों में 4.5 लाख इंदिरम्मा घरों का वितरण किया गया है, जिनमें अधिकतर लाभार्थी दलित और आदिवासी हैं। साथ ही 87 प्रतिशत सरकारी नौकरियां एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक समुदायों को दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि जनहित शासन और लोकतंत्र की रक्षा की जिम्मेदारी सभी की है और सरकार हमेशा जनकल्याणकारी कार्यों में अग्रणी रहेगी।

डॉ. अंबेडकर ने ही गरीबों को अधिकार दिलाया : मीनाक्षी नटराजन

अंबेडकर की 135वीं जयंती पर रक्तदान शिविर

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल-मल्काजगिरी जिले में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और टीपीसीसी के वरिष्ठ आधिकारिक प्रवक्ता एवं पूर्व डीसीसी अध्यक्ष सिंगिरेड्डी हरिवर्धन रेड्डी ने अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन मेडचल-मल्काजगिरी जिला कांग्रेस अध्यक्ष तोटकूरा वज्रेश यादव की अध्यक्षता में दलितवाड़ा में किया गया, जहां रक्तदान शिविर और सामूहिक भोजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस मौके पर मीनाक्षी नटराजन ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर एक महान नेता थे, जिन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से गरीब और कमजोर वर्गों को स्वतंत्रता और अधिकार दिलाए। उन्होंने अपनी लेखनी से संविधान की रचना कर देश के नागरिकों को समानता, न्याय और स्वतंत्रता जैसे मूल्यों से परिचित कराया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक मल्लीपेडी सुधीर रेड्डी, कूना शीशैलम गौड़, राज्य कांग्रेस नेता नक्का प्रभाकर गौड़, कुकटपल्ली विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी बंडी रमेश सहित 297, 298 और 299 डिवीजन के कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता, विभिन्न अनुषांगिक संगठनों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि और अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष ब्रोशर का विमोचन

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर एचएमडीए ग्राउंड्स स्थित महा अंबेडकर प्रतिमा पर राज्य के डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किए गए विशेष ब्रोशर का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जूपल्ली कृष्णाराव, वाकिटी श्रीहरी, कई विधायक और अन्य प्रमुख नेता भी मौजूद रहे।

साइबराबाद पुलिस ने अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश, एडमिन डीसीपी टी. अन्नपूर्णा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने देश के प्रति अंबेडकर के अतुलनीय योगदान और संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि समाज में समानता और न्याय के लिए आंबेडकर का संघर्ष सदैव प्रेरणादायक रहेगा। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों का सम्मान करने और संविधान की भावना के अनुसार आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सीएआर हेडक्वार्टर डीसीपी संजीव, एडीसीपी शमीर, एडीसीपी हनुमंत राव, आरआई रामाराव, वीरलिंगम, अनिल, नागराजू रेड्डी, नागराजू, वीरारेड्डी सहित बीडी टीम, स्पेशल पार्टी और अन्य पुलिस स्टाफ भी उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों की मदद ही सबसे बड़ा धर्म : जग्गा रेड्डी

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी शहर के गल्लागुडेम में विराजमान श्री भ्रामराम्बा समेता श्री मल्लिकार्जुन स्वामी के कल्याणोत्सव में पूर्व विधायक व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जग्गा रेड्डी और उनकी पत्नी निर्मला ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने मल्लन्न स्वामी की जातरा में शामिल होकर विशेष पूजा-अर्चना की। जग्गा रेड्डी ने कहा कि चाहे कोई भी जाति हो या कोई भी भगवान हो, मूल उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता करना ही है। मल्लन्न और बीरप्पा की कथाओं का सार भी यही संदेश देता है, जिसे सभी को अपनाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि इन कथाओं में यह संदेश निहित है कि बिना किसी जातिगत भेदभाव के सभी लोग मिल-जुलकर रहें। जत्रा के दौरान जग्गा रेड्डी ने ओग्गु कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मल्लन्न और बीरप्पा की ओग्गु कथाओं को भी रुचि के साथ सुना। इस कल्याणोत्सव में संगारेड्डी नगरपालिका चेयरमैन कूना वनिता संतोष, कांग्रेस पार्टी के नेता कूना संतोष, किरण गौड़, शीशैलम सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

जीएचएमसी की अर्ली बर्ड योजना, संपत्ति कर पर 5 प्रतिशत छूट

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने संपत्ति करदाताओं से अर्ली बर्ड योजना का लाभ उठाने की अपील की है। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संपत्ति कर पर 5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह छूट तभी मिलेगी जब करदाता पूरे वर्ष का संपत्ति कर एकमुश्त जमा करेंगे। यदि किसी पर बकाया राशि है, तो पहले उसे चुकाना अनिवार्य होगा, तभी छूट का लाभ मिल सकेगा। कर भुगतान के लिए मायजीएचएमसी, मायक्योर मोबाइल ऐप, जीएचएमसी की आधिकारिक वेबसाइट, संबंधित सर्कल के नागरिक सेवा केंद्र और मीसेवा केंद्रों का उपयोग किया जा सकता है।

अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में विवाद, हल्का तनाव

करीमनगर, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के कोर्ट चौक पर मंगलवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती समारोह के दौरान एबीवीपी और अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया, जिससे क्षेत्र में हल्का तनाव पैदा हो गया।

बताया गया कि कुछ संगठनों ने समारोह में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा संगठन का झंडा ले जाने पर आपत्ति जताई। इसके बाद बहस बढ़ गई और कार्यकर्ता आपस में धक्का-मुक्की करने लगे। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और कुछ एबीवीपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर माहौल को शांत कराया।

इससे पहले दलित संगठनों ने आरोप लगाया था कि आयोजकों ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए अपने परिचित लोगों को मंच पर आमंत्रित किया। मामला बढ़ने पर समारोह समिति के अध्यक्ष और चोप्पाडंडी विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को समझाया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो गई।

बिना नियम के तोड़फोड़ पर हाईकोर्ट सख्त, हाइड्रा को लगाई रोक

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बी. विजयसेन रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) को निर्देश दिया कि वह शहर और नगर क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने के मामलों को छोड़कर किसी भी तरह की तोड़फोड़ की कार्रवाई न करे। अदालत ने अपने पुराने आदेशों का बार-बार उल्लंघन होने और तोड़फोड़ के लिए तय नियम (एसओपी) न होने पर गंभीर चिंता जताई। न्यायाधीश ने कहा कि वे ऐसे सैकड़ों मामलों की सुनवाई कर चुके हैं और पाया है कि ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में तोड़फोड़ के लिए कोई स्पष्ट नियम तय नहीं है। यह मामला अमीनपुर मंडल के ऐलापुर गांव के 98 वर्षीय किसान एमए शरीफ की याचिका पर सामने आया। उन्होंने आरोप लगाया कि शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे अधिकारी पुलिस बल के साथ उनकी जमीन पर पहुंचे और उनके दो मंजिला पैतृक मकान, पानी की टंकी, चारदीवारी और पशु शेड को गिरा दिया। साथ ही सीसीटीवी कैमरे भी ले जाने का आरोप लगाया गया।

याचिकाकर्ता के वकील एल. रविचंदर ने इस कार्रवाई को युद्ध जैसी स्थिति बताया और कहा कि बिना सूचना दिए इस तरह की कार्रवाई करना गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि सुबह जल्दी या छुट्टी के दिन तोड़फोड़ करने पर अदालत पहले भी रोक लगा चुकी है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता इमरान खान ने कहा कि उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। इस पर अदालत ने कहा कि लोगों को अपनी बात रखने का मौका दिए बिना कार्रवाई करना उचित नहीं है। याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि उनकी जमीन का मालिकाना हक बहुत पुराना है, जिसे 1902 से मान्यता मिली हुई है।

न्यायमूर्ति बी. विजयसेन रेड्डी ने कहा कि बिना नोटिस दिए और कानून का पालन किए बिना तोड़फोड़ करना चौंकाने वाला है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर निर्माण अवैध था, तो उसे बनने क्यों दिया गया और बाद में बिना नियमों के क्यों गिराया गया। अदालत ने माना कि जल स्रोतों को बचाने का उद्देश्य सही है, लेकिन इसके लिए कानून का पालन जरूरी है। अदालत ने कहा कि हाइड्रा को बने एक साल से ज्यादा हो गया है, फिर भी उसके काम करने के स्पष्ट नियम नहीं हैं। अदालत ने आदेश दिया कि जब तक स्पष्ट नियम या सरकारी दिशा-निर्देश नहीं बनते, तब तक एजेंसी आंतरिक सड़कों या दीवारों को हटाने जैसी कार्रवाई नहीं करेगी। अब राज्य सरकार के जवाब के बाद इस मामले की अगली सुनवाई होगी।

भास्कर रेड्डी की याचिका पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति के. सुजाना ने सोमवार को वाईएस भास्कर रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में पूर्व मंत्री वाईएस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में आंध्र प्रदेश में प्रवेश पर लगी जमानत शर्त में छूट देने की मांग की गई है। इस याचिका का केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और पीड़िता की बेटी डॉ. नर्रेड्डी सुनीता रेड्डी ने विरोध किया। उन्होंने आशंका जताई कि प्रतिबंध हटने से गवाहों पर प्रभाव पड़ सकता है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील उमा महेश्वर राव ने कहा कि यह मामला 2019 का है और 2026 में भी उनके मुवक्किल की आवाजाही पर रोक जारी है, जो उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि करीब 75 वर्ष के भास्कर रेड्डी को कडप्पा जिले में अपने घर, कृषि भूमि और पारिवारिक कार्यों के लिए जाना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके बेटे और कडप्पा सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था।

वहीं, सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक श्रीनिवास कपातिया और पीड़ित पक्ष के वकील एस. गौतम ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इस समय आंध्र प्रदेश में प्रवेश की अनुमति देने से मुकदमे पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि गवाहों को प्रभावित करने की आशंका बनी हुई है, खासकर जब मामला सुनवाई के करीब है। अभियोजन पक्ष ने यह भी कहा कि भास्कर रेड्डी को जमानत मुख्य रूप से स्वास्थ्य कारणों से दी गई थी, इसलिए कृषि कार्यों के नाम पर छूट मांगना उचित नहीं है। अदालत को यह भी बताया गया कि इस मामले में कुछ गवाहों की पहले ही मौत हो चुकी है, जिससे मामले की संवेदनशीलता और बढ़ जाती है। अभियोजन पक्ष ने पुराने मामलों का हवाला देते हुए कहा कि अन्य आरोपियों को भी सीमित समय के लिए ही आंध्र प्रदेश जाने की अनुमति दी गई थी, वह भी विशेष कारणों पर। राजनीतिक प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल पर वकील एस. गौतम ने कहा कि आरोपी का प्रभाव अभी भी बना हुआ है, क्योंकि उनके बेटे वाईएस अविनाश रेड्डी वर्तमान में सांसद हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मामले में अधिकारियों को प्रभावित करने और झूठे मामले बनाने जैसी कोशिशें हुई थीं। पीड़ित पक्ष के वकील ने कहा कि निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए लगाई गई शर्त को हटाना उचित नहीं होगा। उन्होंने गवाहों की सुरक्षा और निष्पक्ष न्याय के अधिकार को ध्यान में रखने की जरूरत बताई।

उद्घाटन में देरी से नाराज लोगों ने शुरू किया शास्त्रीपुरम आरओबी का उपयोग

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शास्त्रीपुरम रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) पूरी तरह तैयार होने के बावजूद अभी तक आधिकारिक रूप से शुरू नहीं हो सका है, जिससे नाराज लोगों ने खुद ही इसका उपयोग शुरू कर दिया है। करीब 80 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पुल का उद्घाटन मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा किया जाना है, लेकिन इसमें हो रही देरी के कारण यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने पुल के एक ओर लगाए गए अवरोध हटा दिए और इस पर आवागमन शुरू कर दिया। करीब 190 मीटर लंबे इस पुल को बनने में लगभग पांच साल का समय लगा और अब यह पूरी तरह तैयार है।

यह परियोजना 2017 में उद्दमगड्डा रेलवे क्रॉसिंग के विकल्प के रूप में प्रस्तावित की गई थी। लंबे समय तक देरी के बाद 2021 में निर्माण कार्य शुरू हुआ और अब जाकर यह पूरा हुआ है। जीएचएमसी के अधिकारियों के अनुसार, इस पुल के शुरू होने से उद्दमगड्डा रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी, जहां ट्रेन गुजरने के दौरान लोगों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। इस आरओबी के चालू होने से फलकनुमा, शास्त्रीपुरम, वट्टेपल्ली, कटेदान, आरामगढ़ और शमशाबाद की ओर जाने वाले सैकड़ों यात्रियों को फायदा होगा। यह पुल राष्ट्रीय राजमार्ग-44, पीवी नरसिम्हा राव एक्सप्रेसवे और राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की ओर जाने वाले लोगों के लिए भी एक महत्वपूर्ण मार्ग साबित होगा।

अभी तक वाहन चालकों को बंडलागुडा रोड तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता था, लेकिन इस पुल के चालू होने से यह दूरी घटकर कुछ ही मिनटों में पूरी हो सकेगी। जीएचएमसी अधिकारियों का कहना है कि सभी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और पुल उद्घाटन के लिए तैयार है। उम्मीद है कि इसका उद्घाटन अप्रैल के अंत या मई के पहले सप्ताह में कर दिया जाएगा। हालांकि, देरी से नाराज स्थानीय निवासी जल्द से जल्द पुल को आधिकारिक रूप से खोलने की मांग कर रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.